CMYK

तापमान अधिकतम :30°C न्यूनतम: 20°C

सेंसेक्स 80,501.99
निफ्टी 24,346.70

सोना 96,750
चांदी 98,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, शनिवार 3 मई 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 252 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख शुक्ल पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 4 जिलकदा 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

इजरायल ने दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट किया हमला

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

केसीए पर विवादित टिप्पणी: श्रीसंत पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

गंगा एक्सप्रेस-वे पर गरजे भारतीय सेना के विमान

■ वायुसेना के जंगी जहाजों ने किया लैंडिंग ट्रायल

शाहजहांपुर। उप्र में शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनी हवाई पट्टी पर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने लैंडिंग ट्रायल करते हुए अपना दम दिखाया।

शाहजहांपुर के गंगा एक्सप्रेसवे पर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है। यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन और रात में उतर सकेंगे। भारतीय वायुसेना के जंगी जहाजों ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर अपनी ताकत दिखाई। शाहजहांपुर स्थित साढ़े तीन किलोमीटर एयर स्ट्रिप पर राफेल, मिराज और जगुआर ने एयर शो किया। इन लड़ाकू विमानों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर टच एंड गो प्रैक्टिस की। इस एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे का बदायूं से लेकर प्रयागराज तक 464 किलोमीटर के एक्सप्रेसवे का निर्माण अग्रणी औद्योगिक समूह अदाणी ग्रुप के द्वारा किया जा रहा है। बदायूं से हरदोई तक 151.7 किमी, हरदोई से उन्नाव तक 155.7 किमी और उन्नाव से प्रयागराज तक 157 किमी के तीन समूहों का निर्माण कर रहा है, ज स` आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है। गंगा एक्सप्रेस का लगभग 80 प्रतिशत से ऊपर काम पूरा हो गया है। जलालाबाद तहसील के गांव पीरू के पास गंगा एक्सप्रेस वे 3.5 किलोमीटर लंबी आधुनिक नवनिर्मित नाइट लैंडिग हवाई पट्टी पर शुक्रवार को मौसम खराब होने क` कारण अपराह्न 12:47 मिनट पर भारतीय वायुसेना ने ऐतिहासिक शौर्य दिखाते हुए मालवाहक विमान सहित राफेल, मिराज, जगुआर मिग-24 समेत 16 लड़ाकू विमानो को हवाई पट्टी पर लैंडिंग करके यहां से उड़ान भरी। नाइट लैंडिंग शो के लिए कटरा जलालाबाद राज्य मार्ग शाम 7:00 बजे से रात्रि 10 बजे तक पूरी तरह से बंद किया गया है। यहां सुरक्षा के लिए इस पूरे क्षेत्र में 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भारतीय वायुसेना का शक्ति प्रदर्शन देखने के लिए स्कूली बच्चों के साथ ग्रामीणों भारी संख्या में जुड़े।

वैदिक मंत्रोच्चार व विधि विधान से खुले बाबा केदार के कपाट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे 20 हजार से अधिक भक्त
■ पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई संपन्न
■ कपाट खुलने की मुख्यमंत्री धामी ने दी देशवासियों को बधाई

रुद्रप्रयाग। पौराणिक परंपराओं, रीति-रिवाजों व विधि-विधान के साथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों में अग्रणी भगवान केदारनाथ के कपाट शुक्रवार प्रात: सात बजे आम भक्तों के दर्शनों के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के साक्षी बीस हजार से अधिक भक्त बने। कपाट खुलने के बाद समाधि में लीन बाबा केदार को जागृत किया गया और फिर विशेष पूजा-अर्चना की गई। अब भक्त धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शनों का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

शुक्रवार प्रात: सात बजे केदारनाथ भगवान के कपाट आम भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। मंदिर समिति के अधिकारी- कर्मचारियों की मौजूदगी में केदारनाथ धाम के रावल भीमा शंकर लिंग और पुजारी बागेश लिंग ने कपाट खोलने की प्रक्रिया पूरी। इस दौरान सम्पूर्ण केदारनगरी जय श्री केदार के उदघोषों से गूंज उठी। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कपाट खुलने पर केदारनाथ धाम में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। केदारनाथ धाम में सबसे पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य के साथ ही संपूर्ण देश को इस पल की प्रतीक्षा रहती है। केदारनाथ धाम सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। हमारे राज्य के लिए यह उत्सव का समय है। मुख्यमंत्री ने बाबा केदार से सभी यात्रियों की मंगलमयी यात्रा की प्रार्थना की।

पाक पीएम शहबाज का यूट्यूब चैनल ब्लॉक

पाक ने दो दिन बाद खोला वाघा बॉर्डर, 21 पाक नागरिक लौटे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिया। इसके अलावा क्रिकेटर बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन आफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिए हैं।

इस बीच, पाकिस्तान ने 2 दिन बाद शुक्रवार को वाघा बॉर्डर खोल दिया है। 30 अप्रैल से बॉर्डर बंद कर दिया था। इसके बाद कई पाक नागरिक स्वदेश नहीं लौट पाए थे। शुक्रवार को 21 पाक नागरिकों को देश लौटने की इजाजत दी गई। ये लोग वीजा सस्पेंड होने के बाद भारतीय सीमा में फंसे थे। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों की गोलीबारी में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। पहलगाम की बैसरन घाटी में एनआईए और फोरेंसिक टीम शुक्रवार को जांच करने पहुंची। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

चार क्रिकेटरों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी किए बंद, नौ को वापस लेने से किया इन्कार, बैसरन में NIA जांच जारी

पहलगाम हमले के बाद इंडियन सिस्टम पर 10 लाख साइबर अटैक, वेबसाइट व पोर्टल्स को टारगेट किया

सैन्य प्रतिष्ठानों की वेबसाइट हैक करने की पाकिस्तान की कोशिश लगातार विफल

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत की घेराबंदी से हताश पाकिस्तान भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की वेबसाइटों को हैक करने की निरंतर कोशिश कर रहा है, लेकिन भारत की साइबर सुरक्षा एजेन्सियां इन कोशिशों को निरंतर विफल कर रही हैं। सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत द्वारा निरंतर उठाए जा रहे कदमों से बौखलाए पाकिस्तान प्रायोजित हैकर समूह , 'साइबर ग्रुप एचओएएक्स1337' और 'नेशनल साइबर क्रू' भारतीय वेबसाइटों पर निरंतर साइबर हमले कर रहे हैं।

नैनीताल: दुष्कर्म के आरोपी के घर पर नहीं चलेगा बुलडोजर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नैनीताल हाईकोर्ट ने दी राहत, पालिका व पुलिस को लगाई फटकार

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट से नैनीताल में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद उस्मान व रुक्कुट वासियों को बड़ी राहत मिली है। अब नगर पालिका मोहम्मद उस्मान व अन्य को अतिक्रमण हटाने के सम्बंध में दिए गए नोटिस को वापस लेगी। नगर पालिका ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का पालन न करने पर अपनी गलती स्वीकार की है।

मोहम्मद उस्मान के अधिवक्ता डा. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने नगर पालिका नैनीताल द्वारा मोहम्मद उस्मान को दिए नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि अतिक्रमण हटाने से पूर्व 15 दिन का नोटिस देना होता है, लेकिन नगर पालिका ने केवल तीन दिन का समय दिया जबकि आरोपी जेल में है। इसके अलावा क्षेत्र के कई दर्जन अन्य लोगों को नोटिस दिए हैं। यह अपने आप में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है। इस मामले की सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की स्पेशल बेंच बनी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल प्रह्लाद नारायण मीणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व नैनीताल नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रथम व द्वितीय कोर्ट में पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान तीन दिन का समय दिए जाने के नोटिस पर नगर पालिका ने अपनी गलती -शेष पृष्ठ दो पर

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस दिया। कोर्ट में मामले की दूसरी सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने मामले में सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, मेसर्स यंग इंडिया और मेसर्स डोटेक्स मर्केंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान फूंकता है। मामले की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी। 25 अप्रैल को कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में कुछ डॉक्यूमेंट्स गायब हैं, दाखिल करें।

छह लोगों के पाकिस्तान डिपोर्टेशन पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को श्रीनगर के अहमद तारिक बट्ट के परिवार के 6 सदस्यों को पाकिस्तान डिपोर्ट करने पर रोक लगा दी। कहा कि जब तक इन लोगों के आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हो जाते, तब तक उनको डिपोर्ट नहीं किया जाए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने देश में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया था। बट्ट परिवार को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने परिवार को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आदेश से खुश नहीं हैं, तो जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। कोर्ट ने ये भी कहा है कि इस मामले में दिया कोर्ट का आदेश मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटा, एनएच-44 बंद

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रामबन में शुक्रवार को बादल फट गया। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते जम्मू- श्रीनगर हाईवे (एनएच-44) दोनों तरफ से बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि हाईवे क्लियर हुआ या नहीं, सोशल मीडिया पर इसका स्टेटस चैक करके ही निकलें। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर-यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। दिल्ली एयरपोर्ट से 200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। 2 को जयपुर और एक को अहमदाबाद में लैंड करवाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेट करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन नार्मल है। दिल्ली एयरपोर्ट से रोज करीब 1,300 उड़ानों की आवाजाही होती है। इससे पहले गुरुवार को पश्चिम बंगाल के संदकफू में ताजा बर्फबारी हुई। जम्मू में भारी बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

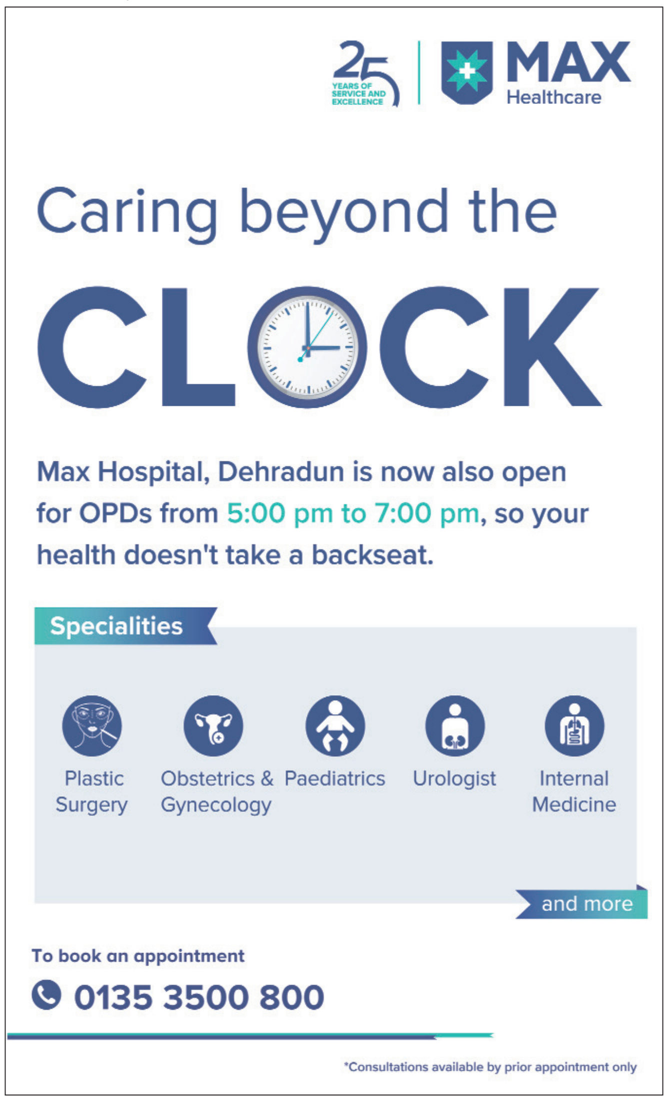

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकर के अपमान पर एसटी कमीशन दर्ज कराएगा केस

लखनऊ। प्रदेश अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत कहा कि संविधान रचयिता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान का स्वत: संज्ञान लेकर आयोग दोषियों के खिलाफ एफआईआर कराएगा। रावत ने कहा कि आयोग ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और लखनऊ के पुलिस आयुक्त को दोषियों के विरुद्ध मुक. दमा पंजीकृत करने को कहा। गौरतलब है कि समाजवादी लोहिया वाहिनी के पोस्टर जिसमें डा. अंबेडकर के चित्र के आधे भाग पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के चित्र को प्रदर्शित किया गया है। रावत ने इस कृत्य की निदा करते हुए कहा कि महापुरुषों का अपमान और राष्ट्र विरोधी तत्वों का महिमामंडन सपा की फितरत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अनु.जाति और अनु. जनजाति आयोग की ओर से स्वत: संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ को पत्र लिखा कि दोषियों के विरुद्ध अनु. जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करते हुए कार्रवाई करें।

गोरखपुर के वरिष्ठ पत्रकार कृपा शंकर पांडे का निधन

प्रतापगढ़। समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) में चार दशक से अधिक समय तक अपनी सेवा दे चुके वरिष्ठ पत्राकार कृपा शंकर पांडे का शुक्रवार भोर यहां हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। वह करीब 82 वर्ष के थे। आज भोर उन्होंने अपने पैतृक निवास प्रतापगढ़ में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में संगम तट पर किया जाएगा। पांडे के निधन पर सामाजिक संगठनो,राजनीतिक दलों और पत्रकार संगठनों ने दुख प्रकट किया है। हाल ही में पांडे के पुत्र का निधन लंबी बीमारी के बाद हो गया था, जिससे वह काफी व्यथित रहते थे। मृद भाषी और सरल स्वभाव रखने वाले पांडे ने करीब 42 वर्ष तक यूएनआई में अपनी सेवा दी। वर्ष 2005 में सेवानिवृत्ति से पहले वह गोरखपुर और कानपुर में यूएनआई के ब्यूरो प्रमुख भी रहे थे। वह 1993 में गठित प्रेस क्लब गोरखपुर की कार्यकारिणी में महामंत्री रहे और गोरखपुर के सर्वप्रथम पत्रकारिता संगठन गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन की पूर्ववर्ती संस्था गोरखपुर पत्रकार परिषद के अध्यक्ष और संरक्षक भी रहे थे।

उत्तर प्रदेश में फूड एंड रेस्टोरेंट बिजनेस को मिली ऊंची उड़ान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और व्यवसाय सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण में पिछले कुछ वर्षों में 200 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि न केवल खाद्य व्यवसायियों के लिए बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 1,16,316 फूड लाइसेंस और लगभग 7,43767 फूड रजिस्ट्रेशन सक्रिय हैं, जो प्रदेश में खाद्य व्यवसायों की बढ़ती संख्या और विभाग की सक्रियता को दर्शाता है। इसके साथ योगी मार्गदर्शन में प्रदेश का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग व्यापार सुगमता के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा के लिए भी पूरी सतर्कता से कार्यरत है।

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ें: योगी

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी करें प्रतिभाग

लखनऊ, वार्ता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्ताप. रक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, मगर आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए। इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। योगी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की

तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा विभाग की समीक्षा

■ राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहल की गई, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम मिल रहे हैं, आवेदन से पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री

अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024-25 हेतु कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें एमओओसी आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन 59.91 लाख रुपये रहा। इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों को 52 लाख रुपये वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। योगी ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्रा से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए। तकनीकी शिक्षा के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 2139 पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनमें 147 राजकीय, 18 पीपीपी मोड, 19 अनुदानित एवं 1948 निजी संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों में 2.68 लाख से अधिक प्रवेश क्षमता उपलब्ध है, जिनमें 1.15 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। विभाग द्वारा डिजिटल कक्षाएं, आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थिति, उद्योग-संलग्न पाठ्यक्रम, तथा फंटियर टेक्नोलॉजी जैसे ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग को पाठ्यक्रमों में समाहित किया गया है।

2030 तक निर्यात को तीन गुना करने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक निर्यात को तीन गुना करने की है। निर्यात बढ़ाने के इस लक्ष्य में खेतीबाड़ी की अहम भूमिका होगी। राष्ट्रीय स्तर के निर्यात के आंकड़े भी यही कहते हैं। इन आंकड़ों के मुता. बिक कोविड-19 के बाद से ही कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है। 2023-2024 की तुलना में 2024-2025 में वृद्धि की यह दर करीब 10 फीसद रही। कई फलों एवं सब्जियों को नए बाजार मिले। वैश्विक स्तर की बेहतरीन कनेक्टिविटी और देश के इकलौते अंतर्राज्यीय जलमार्ग (प्रयाग से हल्दिया) के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से खाड़ी के देशों को सब्जियों के निर्यात में वृद्धि हुई है। वैसे तो सेहत का सेक्टर शुरू से सर्वोपरि रहा है, पर कोविड के बाद यह क्रेज के रूप में उभरा है। लोगों के फूड बिहेवियर में आमूलचूल बदलाव आया है। यूरोप और अमेरिका में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी है। इन देशों के निर्यात के मानक उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर बेहद सख्त हैं। इसलिए योगी सरकार निर्यात के मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एशिया के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) के पास एक्सपोर्ट हब विक. सित कर रही है। इस हब में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला भी होगी। ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग से प्राकृतिक खेती करने वाले किसान खुशहाल होंगे। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ सरकार का पफोकस कृषि विविधीकरण और प्राकृतिक खेती पर भी है।

बुजुर्ग होते हैं अतीत की कड़ी व भविष्य के मार्गदर्शक: मुर्मू

नई दिल्ली, वार्ता

■ सम्मान के साथ वृद्धावस्था कार्यक्रम में बोली राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल- 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' नामक कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामा. जिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं, तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था आध्यात्मिक रूप से खुद को सशक्त बनाने, अपने जीवन और कार्यों का विश्लेषण करने तथा सार्थक जीवन जीने का भी एक चरण है। आध्यात्मिक रूप से सशक्त वरिष्ठ नागरिक देश और समाज को अधिक समृद्धि तथा प्रगति की ओर ले जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बुजुर्ग अतीत की कड़ी होते हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी होते हैं। एक राष्ट्र के रूप में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे वरिष्ठ नागरिक अपना बुढ़ापा गरिमा और सक्रियता के साथ जिएं।

पहलगाम आतंकी हमले में पाक का हाथ: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, वार्ता

पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने पर जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कोई भी हो सकता है, क्योंकि जब तक हम उन्हें पकड़ नही लेते, तब तक हम पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते, लेकिन हैंडलर वही हैं, उन्होंने पहले भी ऐसा किया है। यह कोई नई बात नहीं है। उरी के पीछे भी वे (पाकिस्तान) ही थे।

पुलवामा में जो हुआ, उसे देखिए, किसने किया? मुंबई, पठानकोट, बिलावर के पीछे कौन था? राजौरी और पुंछ में कौन काम कर रहा है? हैंडलर वही हैं। फारूख अब्दुल्ला से एक कार्यक्रम में जब पूछा गया कि क्या पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है, तो उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता, तो वे आज पीएम नहीं होते। प्रधानमंत्री के तौर पर हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है और वे उस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले में स्थानीय लोगों की संभावित संलिप्तता पर कारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि

■ भारत में सभी हमलों का हैंडलर है पाकिस्तान

ऐसा हो सकता है। ऐसी घटनाएं स्थानीय समर्थन के बिना भी हो सकती हैं। वे यहां कैसे और किस तरह से आए? मैंने पहले भी यही कहा था, जब मौलाना अजहर को रिहा किया गया था, तो मैंने इसके खिलाफ चेतावनी दी थी। मैंने कहा था, उसे रिहा मत करो, वह रास्तों को जानता है और उन्हें मैप भी कर चुका है। लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं सुनी, वे उसे सीमा पार ले गए। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बारे में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं वर्षों से कह रहा हूं कि इस संधि पर फिर से बातचीत होनी चाहिए।

कानपुर के एसडीएम और तहसीलदार समेत चार पर केस दर्ज

कानपुर। कोर्ट का आदेश पालन नहीं करने पर कानपुर के एसडीएम और तहसीलदार समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कानपुर के पनकी क्षेत्र की एक भूमि विवाद में लाप. रवाही बरतने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सूरज मिश्रा की कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है।

कोर्ट ने एसडीएम सदर, तहसीलदार, कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ प्रकीर्ण वाद दर्ज करने का आदेश दिया है। मामला भूमि की पैमाइश न किए जाने और कोर्ट के आदेशों की अनदेखी से जुड़ा हुआ है। ज्ञात हो कि पनकी निवासी सोबरन पाल ने मेवालाल से जमीन खरीदी थी, लेकिन अब तक पैमाइश नहीं हुई। आरोप है कि इसी बीच मेवालाल, सुरेश सिंह चौहान (निवासी गांधी गांव), सुरेंद्र सिंह (तात्याटोपे नगर) और सुभाष यादव (मेहरबान सिंह का पुरवा) ने मिलकर इस जमीन को अपनी जमीन में मिलाकर उसे अन्य लोगों को बेचना शुरू कर दिया। सोबरन पाल ने कई बार तहसीलदार को भूमि की पैमाइश के लिए आवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी से शिकायत की, जिस पर डीएम ने तहसीलदार को पैमाइश कराने का निर्देश दिया, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

50 प्रतिशत आरक्षण सीमा हटाई जाए: राहुल

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना का स्वागत करते हुए 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा हटाने और निजी संस्थानों में आरक्षण लागू करने की मांग की है। इस जनगणना से आरक्षण नीति में बड़ा बदलाव आ सकता है और निजी स्कूल-कॉलेज पर भी असर पड़ेगा।

जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना पहला कदम है, ये दरवाजा खोलने का तरीका है। उसके बाद विकास का काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 50 फीसदी आरक्षण की लिमिट खत्म की जानी चाहिए। इसके अलावा संविधान की धारा 15(5) के तहत प्राइवेट शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई, जिस तरह सरकारी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण कायम है। ऐसे में जातीय जनगणना और राहुल गांधी की मांग से निजी स्कूल और शिक्षण

■ निजी संस्थानों में आरक्षण लागू करने की मांग की

संस्थान पर पड़ेगा। देश में जातिगत जनगणना के आंकड़े सामने आने के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने का दबाव सरकार पर पड़ेगा। जातिगत जनगणना से हर जाति की गिनती होगी और प्रमाणिक आंकड़ा सबके सामने होगा। ऐसे में जातिगत जनगणना पर मोदी सरकार के फैसला लेने के बाद राहुल गांधी ने आरक्षण की लिमिट बढ़ाने की मांग उठा दी है। 1931 की जाति गणना में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी से अधिक बताम्र गई थी। मंडल आयोग में ओबीसी की आबादी 52 फीसदी मानी गई थी, पर राज्यों के सर्वे में ओबीसी की संख्या बढ़कर सामने आई है। जाति गणना से राष्ट्रीय स्तर पर हर जाति की जनसंख्या का पता लग सकेगा। राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक न्याय केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि निजी क्षेत्र में भी समान अवसर सुनिश्चित किए जाने चाहिए। इसके लिए उन्होंने बाकायदा अनुच्छेद 15(5) को लागू करने का सुझाव दिया, जिसके जरिए संविधान में ही प्राइवेट स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था का जिक्र है। इससे साफ है कि जातिवार जनगणना के साथ प्राइवेट क्षेत्र में भी आरक्षण की मांग तेज हो सकती है। कांग्रेस ने अहमदाबाद के अधिवेशन में निजी क्षेत्र में आरक्षण की वकालत की थी और उसके लिए प्रस्ताव लाई थी। राहुल गांधी ने अनुच्छेद 15(5) की बात करके निजी स्कूल और कॉलेज में आरक्षण के मुद्दे को सियासी चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

अर्थ व्यापार

लिवाली के बल पर शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, वार्ता

वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर सर्विसेस, एनर्जी, तेल एवं गैस और टेक जैसे समूहों की कंपनियों में हुई लिवाली के बल पर शेयर बाजार सप्ताहांत पर उतार चढ़ाव के बीच बढ़त बनाने में सपफल रहा।

शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 259.75 अंकों की बढ़त के साथ 80501.99 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 12.50 अंक बढ़कर 24346.70 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में जहां लिवाली देखी गई, वहीं मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली का दबाव दिखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप 0.41 प्रतिशत टूटकर

42707.87 अंक पर और स्मॉलकैप 0.07 प्रतिशत फिसलकर 47365.54 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में से बढ़त में रहने वालों में सर्विसेस 1.67 प्रतिशत, तेल एवं गैस 0.69 प्रतिशत, एनर्जी 0.57 प्रतिशत, टेक फोक्सड 0.49 प्रतिशत और आईटी 0.45 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। गिरावट में रहने वालों में टेलीकम्युनिकेसंस 2.06 प्रतिशत, सीडी 1.66 प्रतिशत, पावर 0.96 प्रतिशत, रियल्टी 0.56 प्रतिशत और धातु 0.62 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 4085 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2183 लाल निशान में जबकि 1761 हरे निशान में दिखी और 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर चीन के शंघाई कंपोजिट 0.23 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख समूहों में तेजी रही, जिसमें ब्रिटेन का एपफटीएसई 0.76 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.75 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.04 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.74 प्रतिशत शामिल है। बीएसई का सेंसेक्स 58 अंकों की बढ़त के साथ 80300.19 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 81177.93 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके दबाव में यह 80168.59 अंक के निचले स्तर तक उतरा।

पंडा ने सेल के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला

नई दिल्ली। डा. अशोक कुमार पंडा ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला है। सेल ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डा. पांडा ने 30 अप्रैल को कार्यभार संभाला था। डा. पंडा ने 1992 में सेल में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अपने करियर के दौरान, डा. पंडा ने सेल के विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों में विभिन्न पदों पर काम किया है। अपने वित्तीय एवं तकनीकी ज्ञान और प्रोएक्टिव अप्रोच के लिए व्यापक रूप से जाने जाने वाले डा. पंडा को वित्तीय लेखांकन, लागत और बजट, बिजनेस प्लानिंग, राजकोष संचालन, टैक्सेशन व रणनीतिक प्रबंधन तक के क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता हासिल है।

खाद्य तेलों व सभी जिंसों में टिकाव रहा

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में लगातार जारी गिरावट और स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 39 रिंगिट उतरकर 3971 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमे. रिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की गिरावट लेकर 49.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सोया रिफाइंड, पॉम आयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, वनस्पति तेल और सूरजमुखी तेल के भाव में कोई बदलाव

नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5850-5950, दाल चना 6850- 6950, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4500- 4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 15751 रुपये, मूंगफली तेल 18314 रुपये, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये, सोया रिफाइंड 14725 रुपये, पाम ऑयल 13919 रुपये और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

पाक पीएम...

पहलगाम हमला करने वाले आतंकी दक्षिण कश्मीर के जंगलों में छिपे हैं। उनके पास राशन-पानी है, ऐसे में ये इन पहाड़ी इलाकों में लंबे समय तक रह सकते हैं। 21 पाकिस्तानी नागरिक 2 मई को अटारी-वाघा बॉर्डर से अपने देश पहुंच गए। पाकिस्तानी नागरिकों के भारत छोड़ने की डेडलाइन खत्म होने के बाद ये लोग बॉर्डर पर फंसे हुए थे। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के हर तरह के वीजा रद्द कर दिए थे। उन्हें 30 अप्रैल तक भारत छोड़ने का आदेश था। इस बीच पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटरों बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन आफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अटारी बॉर्डर पर पहुंचे 9 नागरिकों को वापस लेने से इन्कार कर दिया। भारत सरकार के आदेश के बाद ये लोग अटारी बॉर्डर से पाकिस्तान वापस जाने के लिए पहुंचे थे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसका कारण नहीं बताया है। वहीं महाराष्ट्र साइबर ने शुक्रवार को बताया कि पहलगाम हमले के बाद इंडियन सिस्टम पर 10 लाख साइबर अटैक हुए हैं। महाराष्ट्र पुलिस की साइबर क्राइम डिटेक्शन विंग ने कहा कि 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद साइबर अटैक में तेजी आई है। महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट के डीजीपी यशस्वी यादव ने कहा कि इन अटैक्स में भारतीय वेबसाइट और पोर्टल्स को टारगेट किया गया। ज्यादातर हैकिंग ग्रुप्स ने खुद के इस्लामिक ग्रुप होने का दावा किया।

नैनीताल: दुष्कर्म...

स्वीकार करते हुए नोटिस वापस लेने की जानकारी कोर्ट को दी। हाईकोट ने दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद नैनीताल में हुए विरोध प्रदर्शन पर कड़ी नाराजगी जताई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल सहित पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने ऐसे मामले ने सख्ती से निपटने की सलाह दी है। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 6 मई (मंगलवार) को होगी। उस दिन पुलिस व नगर पालिका कोर्ट के आदेशों के पालन की रिपोर्ट देनी है। कोर्ट ने उस उस दिन महाधिवक्ता तथा मुख्य स्थायी अधिवक्ता तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित ईओ नगर पालि. का से भी पेश होने को कहा है।

सुनवाई पर कोर्ट ने कहा कि गाड़ी पड़ाव में घटना के समय लोग एक दूसरे की जान लेने के लिए उतारू थे लेकिन पुलिस उन्हें शांत करने के बजाय घूम रही थी। पुलिस के उच्चाधिकारी व प्रसाशन कई समय तक वहां मौजूद नहीं था। कोर्ट ने ईओ को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको एक मई को ही कैसे पता चला कि मकान अवैध भूमि पर बना है। कोर्ट ने जब आरोपी को पेशी के लिए हल्द्वानी कोर्ट में पेश किया, तो अधिवक्ताओं ने वहां भी विरोध प्रदर्शन किया, जबकि आरोपी पुलिस की कस्टडी में पकड़ा गया है। अब धरना प्रदर्शन करने की क्या जरूरत थी?

श्रेय लेना अखिलेश का बचकाना प्रयास: अंसारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि समा. जवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव जातिगत जनगणना के केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जो निहायत ही बचकाना है।

अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि जातिगत जनगणना का केंद्र सरकार का फैसला पिछड़े पसमांदा मुस्लिम समाज के सामाजिक न्याय को मजबूती देगा और समाज के सभी वर्गों के उत्थान और प्रगति में मददगार होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि पीडीए के दवाब में सरकार को यह फैसला लेना पड़ा, निहायत बचकाना और राजनीतिक स्वार्थ से परिपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि दलित, पिछड़ा अल्पसंख्यकों के हितचिंतक बनने का ढोंग करने वाले अखिलेश को

■ जातिगत जनगणना पर बोले यूपी के मंत्री

पता होना चाहिए कि 2009 में केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार सपा और बहुजन समाज पार्टी के सहयोग से बनी थी, उस समय जातिगत जनगणना का फैसला क्यों नहीं लिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के संकल्प के साथ देश को विकास के पथ पर ले जा रही है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में समाज के सभी तबकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर पारदर्शिता के साथ अमल हो रहा है और प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

अच्छी नीति का विरोध करती है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को जातिगत जनगणना को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा जातिगत जनगणना पर सरकार का फैसला उसके उन तरीकों के जैसा है, जिसमें पहले तो वो हर अच्छी योजना या नीति का विरोध करती है, उन्हें बदनाम करती है और फिर जनता के दबाव एवं हकीकत का सामना करने पर उन्हीं नीतियों को अपना लेती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार के पास न तो अपना कोई दृष्टिकोण है और न ही समस्याओं को हल करने की कोई दिशा है, बल्कि वो सिर्फ जनता का ध्यान भटकाने, असल मुद्दों से भागने और अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने में माहिर है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर हो सख्त कार्रवाईः सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने और नैनीताल में नाबा. लिक पीड़िता के साथ हुई घटना पर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं ᑊ उन्होंने जिला प्रशासन नैनीताल को निर्देश दिये कि पीड़िता की देखभाल एवं उनके परिवार को पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीड़िता और उसके परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़ी है।

■ मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, नैनीताल पीड़िता के परिवार को सुरक्षा देने के भी निर्देश,किरायेदारों के सत्यापन प्रमाण पत्रों आदि की तलब की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भ्रामक जानका. रियां देने और अफवाह फैलाने वालों की तत्काल पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भूमि और राज्य की अस्मिता के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी व्यक्ति या संगठन देवभूमि की एकता को तोड़ने का दुस्साहस करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सतर्कता बरती जाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। किरायेदारों के सत्यापन, रेहड़ी-पटरी, वालों, अवैध तरीके से भूमि पर कब्जा करने वालों और जिन लोगों के अवैध तरीके से प्रमाण पत्र बने हैं, उन पर की गई कार्रवाई की समस्त रिपोर्ट जिलाधिकारियों को तीन दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं।

बैठक में मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन, डीजीपी श्री दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरूगेशन, ए.पी. अंशुमन, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, वर्चुअल माध्यम से आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी कुमांऊ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी नैनीताल वंदना, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन भदौरिया, एसएसपी नैनीताल श्री पी.एन.मीणा और एसएसपी ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा मौजूद थे।

वन क्षेत्र में ईको टूरिज्म की संभावनाएं तलाशी जाएंः मुख्य सचिव

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में ईको टूरिज्म गति. विधियों को बढ़ावा दिए जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में ईको टूरिज्म के क्षेत्र में और संभावनाएं तलाशी जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का अधिकतम भू-भाग वन क्षेत्र हैं, जो प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने में सक्षम है। उन्होंने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही इसमें सामुदायिक सहभागिता बढ़ाए जाने की भी बात कही।पर्वतारोहण एवं ट्रेकिंग की अनुमतियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम किया जाए तैयार

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी गति. विधियों को निर्धारित समय पर शुरू किया जा सके, इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए और योजनाओं के कैलेंडर के अनुसार संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति से बिना छेड़-छाड़ किए छोटे-छोटे प्रयासों से पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि फॉरेस्ट वॉकिंग, नेचर ट्रेल जैसी गतिविधियों को बढ़ाया जाए।

कहा कि पर्वतारोहण और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने हेतु सिंगल विंडो सिस्टम में तैयार किया जाए, ताकि देश विदेश से सभी प्रकार की अनुमतियां एक बार आवेदन से प्राप्त हो सकें। उन्होंने वन विभाग को कैंपिंग साइट्स भी बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। फॉरेस्ट से सम्बन्धित गतिविधियों के लिए

■ ईको टूरिज्म की गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाएं

एकीकृत वेबसाइट की जाए तैयार मुख्य सचिव ने पर्यटकों की संख्या एवं राजस्व के लक्ष्यों को बड़ा रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अलग-अलग प्रभागों में अलग-अलग संचालित हो रही पर्यटन गतिविधियों अथवा योजनाओं के लिए अलग-अलग वेबसाइट्स के बजाय एक एकीकृत वेबसाइट तैयार की जाए, ताकि पर्यटकों को एक ही जगह पर सभी पर्यटन गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी मिल सके। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक बी. पी. गुप्ता एवं प्रमुख वन संरक्षक रंजन मिश्र, मुख्य वन संरक्षक पी.के. पात्रो आदि उपस्थित थे।

वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को मिली तैनाती

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालयों में वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को प्रथम तैनाती दे दी गई है। राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित इन असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति से पर्वतीय क्षेत्रों के महाविद्यालयों में विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी साथ ही प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों में भी युवाओं को मदद मिलेगी।

सूबे के दूरस्थ राजकीय महाविद्यालयों में विज्ञान शिक्षकों की कमी दूर की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित वनस्पति विज्ञान के 12 असिस्टेंट प्रोफेसरों को प्रदेश के दुर्गम एवं अति दुर्गम क्षेत्र के महाविद्यालयों में प्रथम तैनाती दे दी गई है। जिनमें डॉ. दिनेश गिरी को पी.जी. कॉलेज गोपेश्वर, प्रमिला को राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग, योगेन्द्र सिंह गुसाई को राजकीय महाविद्यालय अगस्तमुनि, डॉ. हिमानी बडोनी को राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट, उपेन्द्र सिंह को राजकीय महाविद्यालय जोशीमठ, स्वाति जोशी को राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसैड़, दीपिका को राजकीय महाविद्यालय जयहरिखाल, अभय सिंह पंवार को पुरोला महाविद्यालय, सुश्री प्रभा को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी, रिजवाना तबस्सुम को राजकीय महाविद्यालय द्वाराहाट, प्रतिभा ग्वाल को राजकीय महाविद्यालय बेदीखाल तथा सोनम को राजकीय महाविद्यालय भिकियासैण में प्रथम तैनाती दी गई है। इन नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसरों की तैनाती से प्रदेश के दुर्गम एवं अतिदुर्गम क्षेत्र के महाविद्यालयों में जहां विज्ञान शिक्षकों की कमी दूर होगी वहीं क्षेत्र के युवा अपने आस-पास के महाविद्यालयों में ही विज्ञान विषय की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों का लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

■ दूरस्थ क्षेत्र के महाविद्यालयों में दूर होगी विज्ञान शिक्षकों की कमी

राज्य के महाविद्यालयों में गुणात्मक उच्च शिक्षा के लिये राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। महाविद्यालयों में विभिन्न संकायों में रिक्त पदों पर शिक्षकों की निरंतर तैनाती की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को दूरस्थ क्षेत्र के महाविद्यालयों तैनाती दे दी गई है। इन शिक्षकों की तैनाती से महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होगा साथ ही प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। -

डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

तीन, चार व पांच मई को प्रदेश के भारी बारिश होने के आसार

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का रूख बदल रहा है। बारिश एक बार फिर से मुश्किल बढ़ाने वाली है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, मौसम विभाग ने शुक्रवार से अगले पांच दिनों के लिये जहां नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है तो वहीं अन्य जिलों के लिए येलो चेतावनी जारी है। तीन मई आनी आज के लिये पूरे प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार तीन, चार और पांच मई को प्रदेश के भारी बारिश होने के आसार है। इन तीन दिनों में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, खासकर चारधाम यात्रियों को।

मौसम विभाग की माने तो 6 मई को बारिश में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, इसीलिए 6 मई के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

सभी राज्यों को एनसीईआरटी से उपलब्ध हो पाठ्य पुस्तकेंः डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून/दिल्ली। उत्तराखंड के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 59वीं आम सभा में कई अहम सुझाव रखे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डा. रावत ने सभी राज्यों को 12वीं कक्षा तक की पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी से उपलब्ध कराने का सुझाव रखा। साथ ही बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश के लिए निर्धारित 06 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये टीचर्स ट्रेनिंग कराने की बात बैठक में रखी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य

■ एनसीईआरटी की 59वीं आम सभा में शिक्षा मंत्री ने रखे कई सुझाव, कहा, बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश को 6 वर्ष की बाध्यता में मिले रियायत

शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। इस दौरान बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कई अहम सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि 12वीं कक्षा तक की पाठ्यपुस्तकें एनसीईआरटी के माध्मय से सभी राज्यों को उपलब्ध कराई जाय ताकि नये शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो सके। वर्तमान में कई राज्य अपने स्तर पर पाठ्यपुस्तकें प्राकशित कर विद्यालयों में उपलब्ध कराते हैं, जिनमें तमाम खामियां सामने आती है साथ ही समय पर बच्चों को किताबें भी नहीं उपलब्ध हो पाती है। इसके अलावा उन्होंने पहली कक्षा में बच्चों के प्रवेश के लिये 6 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने की बात रखी और कहा कि उम्र की बाध्यता के चलते इस शैक्षिक सत्र में कई बच्चे प्रवेश से वंचित रह गये हैं। उन्होंने सभी राज्यों में बालवाटिका लागू करने का भी सुझाव दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये एनसीईआरटी को टीचर्स ट्रेनिंग पर विशेष फोकस करना चाहिये ताकि राज्य भी एससीईआरटी के माध्यम से अपने प्रदेश के शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर विशेष प्रशिक्षण देकर एनईपी-2020 के अनुरूप दक्ष बना सके।

डॉ. रावत ने कहा कि निपुण भारत योजना के तहत उत्तराखंड में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एनईपी-2020 की अनुशंसा के अनुरूप सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बैगलेस डे लागू कर दिया गया है और बच्चों के बस्ते का बोझ भी मानकों के अनुरूप कर दिया गया है, इसके अलावा राज्य में कलस्टर विद्यालय भी बनाये जा रहे हैं।

डॉ. रावत ने प्रदेश में पीएम-श्री स्कूल के अंतर्गत चयनित अन्य विद्यालयों को स्वीकृति प्रदान करने तथा एनसीईआरटी की आमसभा की अगली बैठक उत्तराखंड में आयोजित करने की मांग केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखी।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन तय समय पर पूरी करने के निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्य के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखंड में संचालित विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में मुरादाबाद और इज्जतनगर मंडल के रेल प्रबंधक, शासन के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित जिलों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना की अद्यतन प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण और वन विभाग से जुड़ी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जाएं, ताकि परियोजना तय समयसीमा में पूरी हो सके। उन्होंने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग की अध्यक्षता में रेलवे, राजस्व और वन विभाग की संयुक्त बैठक बुलाकर लंबित मामलों का जल्द समाधान करने को कहा।

■ मुख्य सचिव ने की रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा,सीएस ने रेलवे टनलों के आसपास की सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता जताई, हर्रावाला स्टेशन को विकसित करने पर जोर

चारधाम यात्रा के मद्देनजर, मुख्य सचिव ने रेलवे टनलों के आसपास की सड़कों की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई और इन्हें जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने हर्रावाला रेलवे स्टेशन को एक पूर्ण विकसित स्टेशन के रूप में तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्टेशन के विस्तार के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता होगी, राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। साथ ही, योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के आसपास का समेकित विकास प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को देखते हुए ज्वालापुर रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण और अपग्रेडेशन की योजना तैयार कर शीघ्र कार्यवाही शुरू की जाए, ताकि मेले के दौरान भीड़ प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इसके अतिरिक्त, डीआरएम इज्जतनगर वीना सिन्हा से टनकपुर-देहरादून कोच की संख्या बढ़ाने और टनकपुर-दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूर्ण कराने के लिए हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मुद्दों का त्वरित समाधान किया जाए, जिससे विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, अपर सचिव विनीत कुमार, रीना जोशी सहित शासन और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में लेखा संवर्ग सेवा में बड़ा सुधार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने लेखा संवर्ग के कर्मचारियों के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उन्हें संबंधित विभागों के नियंत्रण से हटाकर वित्त विभाग के अधीन लाने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड राजकीय विभाग अधीनस्थ लेखा संवर्ग (अराजपत्रित) सेवा (संशोधन) नियमावली-2025 को हाल ही में राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद शासन ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

इस संशोधन के लागू होने से अब राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत अकाउंटेंट किसी भी अन्य विभाग में स्थानांतरित किए जा सकेंगे। इसके साथ ही उनकी सेवा से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं, जैसे पदस्थापन, सीनियरिटी, और पदोन्नति, अब वित्त विभाग के अधीन संचालित होंगी।

अब सहायक लेखाकार और लेखाकार की नियुक्ति का अधिकार विभागीय लेखा निदेशक के पास होगा। सभी अकाउंटेंट्स की एक एकीकृत सीनियरिटी सूची तैयार की जाएगी, जिससे पदोन्नति में पारदर्शिता आएगी। जहां रिक्त पदों के लिए आवश्यक आहर्ता पूरी नहीं हो पा रही थी, वहां सीनियर कर्मियों को अन्य विभागों में पदोन्नति का अवसर मिलेगा। अकाउंटेंट अब केवल एक विभाग तक सीमित नहीं रहेंगे, जिससे उनकी विशेषज्ञता का व्यापक उपयोग संभव होगा।

लंबे समय से थी मांग

विभागीय लेखा संवर्ग को एकीकृत ढांचे में लाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। सरकार ने इस पर विस्तृत होमवर्क करने के बाद यह निर्णय लिया है। अपर सचिव ललित मोहन रयाल द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिससे यह संशोधन अब प्रभावी हो गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय लेखा कर्मियों के लिए पेशेवर विकास और पारदर्शी सेवा प्रणाली की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

श्रृद्धालु यात्रा के दौरान गाइड लाइन का करें पालनः महाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आस्था, तप और श्रद्धा से परिपूर्ण, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक देवाधिदेव महादेव के दिव्य, भव्य और अलौकिक धाम बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर देश-विदेश के सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि केदारनाथ धाम में भगवान शिव की पूजा और दर्शनों का लाभ लेने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं।

महाराज ने बताया कि मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से चारोंधामों में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा को

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की और से श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से 1000000 (दस करोड़ रुपए) का दुर्घटना सुरक्षा बीमा दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक धाम का दुर्घटना बीमा 2.50 करोड निर्धारित किया गया है। बीमा पॉलिसी के अनुसार मंदिर परिसर में भगदड़, इश्वरीय जोखिम कवर और आतंकवाद जोखिम कवर के लिए प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को 01 लाख की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि

■ मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से हुआ दस करोड़ का दुर्घटना बीमा

दर्शनार्थियों की सुरक्षा बीमा के तहत मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से उनके द्वारा बीमा प्रीमियम की धनराशि सेवाकर सहित 3,67,995 का चौक प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा दिया गया है।

उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए आवश्यक दवाएं और उपकरण साथ रखें। यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज, जैसे कि पहचान पत्र और यात्रा अनुमति, साथ रखें। यात्रा के दौरान सरकार की गाईड लाईन और दिशा-निर्देशों का पालन अवश्य करें और स्थानीय प्रशासन का सहयोग करते हुए आपनी यात्रा को सुरक्षित और सफल बना बनायें।

मुख्य सेवक भंडारा में सीएम ने श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

रुद्रप्रयाग/देहरादून विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर केदारनाथ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ परिसर में आयोजित मुख्य सेवक भंडारा में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान उन्होंने केदारनाथ की स्वच्छता में लगे पर्यावरण मित्रों, पुनर्निर्माण कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सपत्नीक मुख्य सेवक भंडारा के तहत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और भोजन परोसा। अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर श्रद्धालु बेहद खुश नजर आए। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने मुख्य सेवक भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ आए श्रद्धालुओं से मुलाक. ात की एवं उनसे यात्रा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया । यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के

■ केदारनाथ में विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

लिए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा 4 मई को बद्रीनाथ जी के कपाट खुलेंगे। राज्य सरकार देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत एवं उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष केदारनाथ क्षेत्र में आपदा आई थी, जिससे करीब 35 दिन यात्रा बाधित रही। सरकार और प्रशासन ने स्थानीय लोगों के सहयोग से यात्रा को पुनः शुरू किया, जिससे फलस्वरूप रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु चार धाम आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर स्तर पर यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करती है। यात्रा मार्गो में भी विभिन्न मूलभूत सुविधाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा चार धाम यात्रा राज्य की लाइफ लाइन भी है। यह यात्रा लाखों लोगों की आजीविका का साधन भी है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार का संकल्प है कि चार धाम यात्रा साल भर चले, जिसके लिए राज्य में शीतकालीन यात्रा को भी प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए मुखवा, उत्तरकाशी में मां गंगा के दर्शन किए थे।

मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार किया। उन्होंने कहा केदारनाथ का पुनर्निर्माण कार्य प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हो रहा है। प्रधानमंत्री केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्य की नियमित समीक्षा करते हैं। 2000 करोड़ की लागत से केदारनाथ का भव्य निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गौरीकुंड से केदारनाथ तक रोपवे निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की है। इस अवसर गीता पुष्कर धामी, विधायक आशा नौटियाल, डॉ. मधु भट्ट, कर्नल अजय कोठियाल, तीर्थ पुरोहित श्रीनिवास पोस्ती, अंकित सेमवाल, उमेश पोस्ती, हिमांशु चमोली एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कृषि व उद्यान के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे उत्तराखंड-नेपाल :जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून में हुई उच्चस्तरीय अंत. रराष्ट्रीय कृषि परिचर्चा, कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग की संभावनाएं तलाशना और कार्य योजनाएं बनाने पर हुआ मंथन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित एक निजी होटल में आयोजित उत्तराखण्ड एवं नेपाल के मध्य कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग पर आधारित ष्बैठक एवं परिचर्चाष् कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम कृषि विभाग द्वारा आयोजित किया गया ।देहरादून में आयोजित हुई उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय कृषि परिचर्चा में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग की संभावनाएं तलाशना और कार्य योजनाएं बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में कृषि विभाग द्वारा उत्तराखंड की कृषि, उद्यानिकी और सगंध पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से और लघु फिल्म के माध्यम से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जोशी ने नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह का उत्तराखण्ड आगमन पर पुष्पगुच्छ और बाबा केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर स्वागत किया। सकार्यक्रम के दौरान मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड और नेपाल की भौगोलिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि कई मायनों में एक जैसी है और दोनों क्षेत्रों में कृषि पर व्यापक निर्भरता है। उन्होंने बताया कि राज्य के तराई व भावर क्षेत्र खाद्यान्न उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं, वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में औद्यानिकी और सगंध पौधों की भारी संभावनाएं हैं।

बैठक में उत्तराखंड की ओर से कृषि सचिव डॉ सुरेंद्र नारायण पांडे, कृषि एवं उद्यान विभाग के महानिद. ेशक रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव डॉ आनंद श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

नेपाल प्रतिनिधिमंडल ने किया आईएचएम का दौरा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह के नेतृत्व में 10 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को आईएचएम देहरादून का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-नेपाल के बीच पर्यटन, आतिथ्य क्षेत्र और कौशल विकास में सहयोग को मजबूत करना था।

प्रतिनिधिमंडल में भूमि प्रबंधन मंत्री बीर बहादुर थापा, प्रांतीय विधायक घनश्याम चौधरी, नरेश शाही, झपट सऊद, मुख्य सचिव डॉ. कमल प्रसाद पोखरेल, और अन्य अधिकारी शामिल थे। उत्तराखंड सरकार के पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने नई पर्यटन नीति 2023 की जानकारी देते हुए बताया कि नीति का उद्देश्य

सीमापार सहयोग और आतिथ्य क्षेत्र में साझेदारी पर हुआ संवाद

स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री शाह ने भारत की प्रशिक्षण प्रणाली और आतिथ्य उद्योग के मानकों की सराहना करते हुए नेपाल में युवाओं के लिए आतिथ्य प्रबंधन, पाक कला और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। आईएचएम देहरादून के प्रधानाचार्य डॉ. शिव मोहन ने संस्थान की उपलब्धियों, वैश्विक प्लेसमेंट और प्रशिक्षण गुणवत्ता को रेखांकित किया। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे, अपर सचिव अभिषेक रूहेला आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या

काशीपुर। पावर लिफ्टर युवक द्वारा गोली मारकर खुदकुशी कर लिये जाने से यहां सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक दढ़ियाल रोड पर अरोरा पोल्ट्री फार्म पर 36 साल के पावर लिफ्टर अमनदीप अरोरा ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक का दढ़ियाल रोड पर अरोरा पोल्ट्री फार्म तथा जिम है। अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घरेलू गैस के दुरुपयोग पर सख्ती, सिलेंडर जब्त

धारी। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा पदमपुरी एवं धारी क्षेत्र के अंतर्गत सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिए छापेमारी की गई। पूर्ति निरीक्षक सरना सुनीति रावत व पूर्ति निरीक्षक मझेड़ा अनिता पंत के द्वारा शुक्रवार को पदमपुरी क्षेत्र के कमल पहाड़ी रेस्टोरेंट में औचक निरीक्षण के दौरान एक घरेलू सिलेंडर जब्त किया गया। इस दौरान धारी क्षेत्र में कौशल्या नेचर स्टे, बिष्ट भोजनालय, रैकवाल बिष्ट टी स्टाल, बिष्ट टी स्टाल, बिष्ट भोजनालय आदि का निरीक्षण किया गया जिनमे सभी के द्वारा व्यवसायिक गैस का प्रयोग किया जाना चाहिए। पूर्व में जांच कार्यवाही के दौरान अंकुर रेस्टोरेंट धारी के द्वारा घरेलू गैस का उपयोग किये जाने पर एक सिलेंडर जब्त किया गया था। परन्तु इस बार अंकुर रेस्टोरेंट में गैस कि स्थिति सही पाई गई। इस दौरान सभी होटल स्वामियों को साफ सफाई करने के निर्देश दिए गए व सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को घरेलू गैस का उपयोग न किये जाने के पूर्ति निरीक्षक द्वारा सख्त निर्देश दिए गए।

बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर। दिल्ली चाट भंडार में आए युवक बाइक लेकर अज्ञात चोर फरार हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आईटीआई थाना क्षेत्र के खाईखेड़ा निवासी तारा सिंह पुत्र लक्खा सिंह ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर सौंपकर बताया कि वह बीती 30 अप्रैल को चैती स्थित दिल्ली चाट भंडार में गया था। जहां उसने अपनी बाइक संख्या यूके18के 4108 को बाहर खड़ी की थी। जहां से उसकी बाइक को अज्ञात चोर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सांसद अजय भट्ट का जन्मदिन मनाया

काशीपुर। नैनीताल लोकसभा क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट का जन्मदिन भाजपा नगर मण्डल द्वारा दिव्यांग बच्चों के आवासीय विद्यालय बाल देखभाल संस्थान गृह में फल वितरण व केक काट कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान सांसद अजय भट्ट की दीर्घायु की कामना भी की गई। इस मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, भाजपा नगर मंडल पूर्व अध्यक्ष अभिषेक गोयल, सृष्टि आहूजा बंसल, मोहन बिष्ट, सतीश चौहान, सुशील शर्मा, श्याम मोहन, रवि प्रजापति, रिकी पोंटिंग, सचिन ठाकुर सहित अन्य भाजपाई उपस्थिति रहे।

दो बार राष्ट्रपति प्रमाण पत्र एवं पदक प्राप्त जोशी बने कमांडेंट

काशीपुर। उदयराज हिंदू इंटर कालेज के पूर्व छात्र रहे इंद्रा कालोनी निवासी स्व. अम्बा दत्त जोशी के पुत्र राजेश कुमार जोशी को कमांडेंट (सेनानी) पद पर पदोन्नति मिलने पर विद्यालय समेत क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए

उन्हें शुभकामनाएं दीं। बताते चलें कि श्री जोशी ने 1988 में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में बतौर उपनिरीक्षक पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। देश की विभिन्न दुर्गम इलाकों में उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। श्री जोशी ने अपनी सेवाकाल के दौरान 1994 से लेकर 2005 तक प्रधानमंत्री विशेष सुरक्षा बल (एसपीजी) में भी अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। श्री जोशी को पहली बार सन् 2009 में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रमाण पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया। वहीं दूसरी बार सन् 2020 में श्री जोशी को पुन: अतिविशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रमाण पत्र तथा पदक प्रदान किया गया। श्री जोशी को बधाई देने वालों में पूर्व सांसद केसी सिंह बाबा, शिवनंदन प्रसाद अग्रवाल, प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता, मेजर मुनीशकांत शर्मा, दीपक शर्मा, कौशलेश गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, मुकेश चन्द्र आर्या, पंकज कुमार तिवारी, नीलम सूंठा, रंजना सिंह, कल्पना नौडियाल आदि शिक्षक शिक्षिकाओं शामिल हैं।

नाटाडोल को जोड़ने वाली सड़क बदहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। लमगड़ा ब्लाक के ग्राम पंचायत नाटाडोल को जोड़ने वाली आठ किलोमीटर सड़क लंबे अरसे से बदहाल है। सड़क जगह-जगह टूट गई है। शुक्रवार को प्रशासक पुष्पा आर्या ने बताया कि सड़क मार्ग में कई स्थानों पर गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो चुके हैं। जबकि कई स्थानों पर सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी है। वहीं बदहाल सड़क के चलते ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कहा कि कई बार मांग के बाद भी सड़क सुधारीकरण को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिस कारण ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने सड़क सुधारीकरण को लेकर चार मई से आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है।

तकनीकी सशक्तिकरण बढ़ाने पर जोर

मानसखंड विज्ञान केन्द्र अल्मोड़ा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा में तकनीकी सशक्तिकरण और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विज्ञान केंद्र के प्रभारी डा. नवीन चंद्र जोशी एवं पूर्व वैज्ञानिक डा. जीसीएस नेगी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान केंद्र के नव प्रवर्तन केंद्र की ओर से किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विज्ञान केंद्र के डेमोंस्ट्रेटर्स एवं तकनीकी कर्मचारियों को विविध वैज्ञानिक और तकनीकी विषयों में सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। डा. नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों की कार्यक्षमता में वृद्धि करने तथा उन्हें बहुआयामी वैज्ञानिक विषयों से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स, (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित), कोशिका जीवविज्ञान, खाद्य अपमिश्रण की पहचान, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, विज्ञान आधारित रोचक प्रयोग, यांत्रिक उपकरणों का संच. ालन, और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डा. जोशी ने यह भी कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल कर्मचारियों को उनके वर्तमान कार्यक्षेत्र तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी नवाचार, समस्या-समाधान क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को व्यवहार में लाने के लिए प्रशिक्षित करना है। एमेरिटस वैज्ञानिक डा. जीसीएस नेगी ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बहु-विषयक समझ विकसित करते हैं, जो प्रतिभागियों को पारंपरिक सीमाओं से बाहर सोचने और सीखने हेतु प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पहल को युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मियों के लिए अत्यंत उपयोगी और समयानुक. ूल बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रशिक्षक अमृतांश तिवारी द्वारा आर्डुइनो ऊनो और मौलिक इलेक्ट्रॉनिक्स विषय पर एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रतिभागियों को माइक्रोकंट्रोलर की मूल संरचना एवं सरल कोडिंग तकनीकों की सहायता से इलेक्ट्रॉनिक सर्किट निर्माण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विज्ञान केंद्र के डेमोंस्ट्रेटर एवं तकनीकी कर्मचारी प्रदीप तिवारी, संजय कनवाल, भास्कर देवड़ी, शिवम् पंत, मनीष पालीवाल, तमन्ना बोरा एवं पारस कुमार आदि मौजूद रहे।

पलायन रोकने के लिए स्वरोजगार जरुरी: कोश्यारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी एक

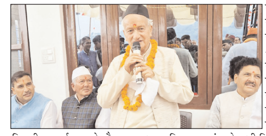

दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र नौबाड़ा के ककड़खेत गांव पहुंचे। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों और भाजपाईयों ने उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वरोजगार अपनाकर ही पलायन को रोका जा सकता है। कहा कि पशुपालन, गोट वैली, मतस्य पालन, कीवी उत्पादन, होम स्टे, जैविक खेती आदि के लिए सरकार सब्सिडी दे रही है। योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिकी को बढ़ाने के साथ पलायन को भी रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाहर रोजगार करना ठीक है। लेकिन अपने मूल गांव में भी घरों को सवारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सभी जिलों में अब लोग बाहर रोजगार के बाद भी वर्ष भर में दो-चार बार अपने घर आकर आर्थिकी को मजबूत करने का कार्य कर रहे है। इस दौरान रानीखेत के विधायक प्रमोद नैनवाल, भाजपा नेता अनिल शाही, जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट, गिरीश चौधरी, विजय बजेठा, महिपाल किरौला, विनोद भट्ट, युगल किशोर आर्या, सुभाष बिष्ट, हेम जोशी, चिंटू गोस्वामी मौजूद रहे।

श्रम विभाग ने श्रमिकों को बांटी हित लाभ सामग्री

काशीपुर। श्रम विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर काशीपुर, जसपुर क्षेत्र के पंजीकृत 400 निर्माण श्रमिकों को हितलाभ सामग्री कंबल, छाता का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में मजदूर दिवस के अवसर पर श्रमिकों मतदान हेतु जागरूक किया गया। तथा मतदाता शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रमिकों को मिष्ठान वितरण किया गया। श्रमिकों के कल्याण हेतु श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे विवाह आर्थिक सहायता योजना बच्चों की शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता योजना मृत्यु उपरांत आर्थिक सहायता योजना एवं बच्चे के जन्म प्रसुति आर्थिक सहित सहायता योजना की जानकारी दी गई।

निरंकारी फाउंडेशन का रक्तदान शिविर कल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में 4 मई रविवार को पंचायत घर हल्दुचौड़ में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन आशीर्वाद से आयोजित हो रहा है, जो युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह के परोपकारी जीवन को समर्पित है। इस संबंध में जानकारी देते हुए संत निरंकारी मंडल हल्दुचौड़ के मुखी प्रताप सिंह बिष्ट ने बताया कि रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग नि:स्वार्थ सेवा के रूप में रक्तदान कर मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। रक्त संग्रहण के लिए डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल तथा बलकृष्ण देवकी जोशी चैरिटेबल ब्लड बैंक की टीमें मौजूद रहेंगी। साथ ही, उसी स्थान पर सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर, लालकुआं, भवाली, कालाढूंगी सहित आसपास के क्षेत्रों से निरंकारी श्रद्धालु व गणमान्य नागरिकों के भाग लेने की संभावना है। अंत में श्री बिष्ट ने नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य कार्य में शामिल होकर रक्तदाताओं को अपना शुभाशीष प्रदान करें और कार्यक्रम की सफलता में सहयोग दें।

गीता ज्ञान पर दिया व्याख्यान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पन्तनगर। विश्वविद्यालय कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय

सभागार में इंटरनेशनल गीता सोसाईटी से केशव चोपड़ा, सेवा. निवृत्त इंजी, अमेरिका ने महाविद्यालय के प्रबंधन छात्रों को गीता ज्ञान से अभिप्रेरित व्याख्यान दिया। गीता के उद्धरणों से विद्यार्थियों को अपने कौशल विकास का मंत्र दिया। उन्होंने श्लोकों के माध्यम से बताया कि ऊच्च शिक्षित युवाओं में गीता के प्रति उत्साह बढ़ रहा है जो कि एक साकारात्मक पीढ़ी का संदेश दे रहा है। उन्होने कहा कि युवा पीढ़ी अपने बहुमूल्य सांस्कृतिक विरासत को समझ सके और उसे अपना सके। चालीस श्लोकी गीता का वितरण किया गया। कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की संरक्षण में कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरएस जादौन ने सभी का स्वागत किया और ऐसे व्याख्यान की सराहना की। कुलपति के निजी सचिव गोविन्द सिंह पटवाल, डा. श्रीराम सिंह एवं हरेन्द्र सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। महाविद्यालय प्लेसमेंट प्रभारी डा. रीतिका भट्ट अन्य महाविद्यालयों से डा. पुरवार, डा. वीपी सिंह, जगन यादव, लक्ष्मण सिंह, भीम सिंह व कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के सभी छात्र उपस्थित थे। श्रीगीता योग स्वाध्याय द्वारा गीता प्रचार, अध्ययन से जुड़ने की अपील की गयी।

सड़क और नालियों का निर्माण अधर में, आंदोलन की चेतावनी दी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वार्ड 19 रामपुर रोड क्षेत्र के पर्वतीय मोहल्ला गली नंबर 11 में सड़कों और नालियों के निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय समा. जसेवी विशाल वर्मा और अंजलि वर्मा ने नगर निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी माह में स्वीकृत 28 लाख रुपए की राशि के बावजूद आज तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समाजसे. वियों ने नगर आयुक्त और ठेकेदार की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि काम को जानबूझकर अधर

में लटकाया गया है। विशाल वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वह क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ मिलकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए वे पिछले तीन वर्षों से संघर्षरत हैं और 2014 में भी उन्होंने इसी क्षेत्र के लिए 37 लाख रुपए का बजट स्वीकृत करवाया था। इसके बावजूद पिछले 11 वर्षों में सड़क और नालियों का समुचित निर्माण नहीं हुआ। यहां तक कि 7 दिसंबर 2024 को विशाल वर्मा ने विरोधस्वरूप पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन भी किया था। क्षेत्र में सड़क और नालियों की खराब हालत के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को आने-जाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, और दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। समाजसेवियों ने आरोप लगाया कि धनराशि स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य न होना लोक निधि के दुरुपयोग और प्रशास. निक लापरवाही का उदाहरण है।

सोने की चेन चोरी होने का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। चैती मेले में माता का दर्शन करने आए एक युवक के गले से सोने की चेन चोरी हो गयी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुरादाबाद के आशियाना फर्स्ट एमडीए कॉलोनी निवासी आलोक चौहान पुत्र पुखराज सिंह ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर सौंपकर बताया कि बीती 6 अप्रैल को वह बाल सुंदरी देवी मंदिर प्रांगण में दर्शन के लिए खड़ा था। इस दौरान भीड़ का लाभ उठाकर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उसके गले की दो तोले की सोने की चेन चुरा ली और मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब उनकी तलाश कर रही है।

ज्ञानार्थी में 'ज्ञानार्थी मेधावी छात्र रत्न पुरस्कार समारोह'

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। ज्ञानार्थी कॉलेज परिसर में 'ज्ञानार्थी मेधावी छात्र रत्न पुरस्कार समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉलेज ने उन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया, जिन्होंने 12वीं की परीक्षा

में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि आज के ये प्रतिभाशाली विद्यार्थी ही हमारे राज्य और देश का भविष्य हैं। इनका उत्साहवर्धन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा काशीपुर, बाज़पुर, रामनगर, जसपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों से चयनित सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को 'मेधावी छात्र रत्न' के रूप में प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन संतोष मेहरोत्रा ने कहा हमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना का विकास करना है। कार्यक्रम में कॉलेज की इंस्टिट्यूशनल हेड प्रतिमा सिंह, रजिस्ट्रार सतीश कांडपाल, शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नाबालिग से दुष्कर्म का अल्मोड़ा में भी विरोध शुरु

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नैनीताल में नाबालिग से दुष्कर्म का अल्मोड़ा में भी विरोध शुरु हो गया है। शुक्रवार को नगर निगम सभागार में विश्व हिन्दू परिषद की

विहिप की बैठक में निंदा, राज्य सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग

ओर से बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों व महिलाओं ने दुष्कर्म की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। मामले में संबंधित आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। बैठक के दौरान लोगों ने कहा कि समाज में इस तरह की घटनाओं को

रोकने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को होने से रोका जा सके। बैठक के बाद लोगों ने एसएसपी अल्मोड़ा से मुलाकात की। मामले में उचित कार्रवाई को लेकर ज्ञापन भेजा। यहां विहिप जिलाध्यक्ष डा. गोपाल सिंह नयाल, जिला मंत्री विजय सिंह सिराड़ी, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह कनवाल, जिला कोषाध्यक्ष भानु प्रकाश जोशी, मेयर अजय वर्मा, पार्षद अमित साह (मोनू), अर्जुन बिष्ट कैलाश गुरुरानी जिला उपाध्यक्ष भाजपा, धर्मेंद्र बिष्ट, जिला महामंत्री भाजपा, राजीव राज गुरुरानी, राजीव गुरुरानी हरीश कनवाल, दीपक पांडेय, मनोज सनवाल, दीपक वर्मा, लता पांडेय, दीपा अधिकारी, नेहा उप्रेती, बीना नयाल, मीना नेगी, माया वर्मा, जगमो. हन बिष्ट, अनूप साह, कृष्ण बहादुर सिंह, भीमा पवार, जगत भट्ट, विनोद कनवाल प्रशाशक तलाड, दीपक वर्मा पूर्व सभासद आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं में आक्रोश

बागेश्वर। नैनीताल में किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म मामले में जिले के अधिवक्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने देवभूमि में घृणित अपराध करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन के माध्यम से कहा कि नैनीताल में बच्ची के साथ घोर घृणित अपराध हुआ है। उन्होंने मांग की है कि ऐसे अपराधियों की सुरक्षा में होने वाला सरकारी खर्च का भुगतान इनकी संपत्ति को बेचकर वसूला जाना चाहिए। घटना में पीड़ित किशोरी को तथा उसके परिवार को आजीवन भरण पोषण अपराधी की संपत्ति से दिलवाया जाए। इसके अलावा नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष व उनकी टीम ने भी इस घटना को बेहद शर्मसार करने वाली घटना बताया। उन्होंने सरकार एवं न्यायालय से अपराधी को मृत्यु दंड देने साथ पीड़िता को उचित मुआवजा व भरणपोषण अपराधी की ओर से देने की बात कही है। ज्ञापन देने वालों में अधिवक्ता राजेश रौतेला, मनोज जोशी, पंकज धपोला, नंद किशोर भट्ट, गो. विंद प्रताप, धन सिंह ठठोला, नवीन लाल आर्य, चंद्रावती आदि मौजूद रहे।

रानीखेत ने अल्मोड़ा को 62 रनों से हराया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ अल्मोड़ा के तत्वाधान में नर सिंह ग्राउंड रानीखेत में चल रही अंडर 19 पुरुष जिला लीग में आज के मैच में रानीखेत क्लब ने मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी अल्मोड़ा को 62 रन से हराया।

वर्षा से बाधित मैच 20-20 ओवर का खेला गया जिसमें मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। रानीखेत क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 117 रन बनाए। रानीखेत क्लब के विनय ने नाबाद 31 रन, अरमान ने 23 रन और सौरभ ने 22 रन की पारी खेली। मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी के लिए मोहित, सावन एवं सुमित गेंदबाजों ने 1-1 विकेट लिया। दूसरी पारी में 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी ने 11.2 ओवर में 55 रन बनाकर आल आउट हो गई। मेहरा स्पोर्ट्स एकेडमी के सुमित ने 19 रन बनाए।

रानीखेत क्लब के सौरभ एवं हर्षवर्धन ने 3-3 विकेट और रित्विक एवं अरमान ने 2-2 विकेट लिये। मैच का शुभारंभ पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष भूपेंद्र रावत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर के किया। इस अवसर पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ अल्मोड़ा संजय मेहरा, उपाध्यक्ष हेमंत बिष्ट, सचिव हर्ष गोयल, उप सचिव धीरज वर्मा, कोषाध्यक्ष उमेश बिष्ट, दीप उपाध्याय, पंकज जोशी, जयंत रौतेला, कैलाश मेहरा एवं राहुल नेगी आदि मौजूद रहे। कल का मैच रानीखेत क्रिकेटर्स एवं अल्मोड़ा चैलेंजर के बीच खेला जाएगा। आज के मैच के अंपायर विजय आर्या एवं सौरभ रहे साथ में रोहित स्कोरर की भूमिका में रहे।

वैदिक अध्ययन पर व्याख्यान माला सम्पन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी के इतिहास विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय

प्रो. विनय विद्यालंकार ने दिया ज्ञान का विस्तृत व्याख्यान

व्याख्यान माला के दूसरे दिन प्रो. विनय विद्यालंकार, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार साझा किए। उन्होंने वेद, उपनिषद, वेदांग एवं आरण्यक साहित्य के दार्शनिक, वैज्ञानिक और व्यवहारिक पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. विद्यालंकार ने आत्मा, संसार, ईश्वर जैसे विषयों की वैदिक व्याख्या के साथ भारतीय दर्शन की गूढ़ अवधारणाओं को सरल भाषा में छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में

बीए, बीएससी और बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर के 200 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने विषय विशेषज्ञ का स्वागत करते हुए छात्रों से भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करने का आह्वान किया और इतिहास विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह श्रृंखला छात्रों के लिए शैक्षणिक व व्यावहारिक रूप से उपयोगी सिद्ध हुई है। कार्यक्रम का संचालन डा. ज्योति टम्टा ने किया। इस अवसर पर डा. सुरेश टम्टा, डा. राजेश कुमार, डा. विमला देवी, डा. महिपाल सिंह कुटियाल सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक, शोधकर्ता रूकसार, अपर्णा और अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति केन्द्र मालिक व कर्मचारी पर मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। नशा मुक्ति केंद्र में इलाज कराने आए व्यक्ति ने केंद्र के मालिक व कर्मचारियों पर इलाज के नाम पर मारपीट व गाली गलौज करने का आरोप लगाया है। साथ ही किसी को बाहर बताने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने तहरीर के आधार मालिक समेत दो के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। गदरपुर के तेजाफौजा निवासी सूरज पुत्र सुखदेव सिंह ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि उसकी नशे की लत के चलते उसके परिवार वालों ने बैलजुड़ी स्थित जीवनदान नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया था। कहा कि केंद्र में ना तो उनको नशा छुड़वाने की कोई दवाई दी जाती है और ना ही समय पर खाना-पीना दिया जाता है। उनको खाना स्वयं बनाना पड़ता है। खाने की दिक्कत के संबंध में जब वह केंद्र के कर्मचारी तरनजीत सिंह व केंद्र के मालिक गुरदेव सिंह को बताते थे। तब वह उनके साथ गाली गलौज और मारपीट करते थे। साथ ही बाहर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते थे। केंद्र में भर्ती अन्य मरीजों को भी कोई दवा आदि नहीं दी जाती है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी कर्मचारी तरनजीत सिंह व केंद्र के मालिक गुरदेव सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अधिकारियों को निर्देश

बागेश्वर। जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने शुक्रवार को जिला कार्यालय में विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को त्वरित एवं पारदर्शी कार्यवाही के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में डीएम ने पुनर्वास, भू-अधिग्रहण, मुआवजा वितरण और निर्माण कार्यों में विलंब पर गहन चर्चा की और देरी के कारणों को समझा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाप. रवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग समयसीमा में कार्य पूर्ण करें। डीएम ने विभागीय समन्वय, योजनाओं की निगरानी और समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर जोर दिया। बैठक में डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया, सीडीओ आरसी तिवारी, सीएमओ डा. आदित्य तिवारी सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पारंपरिक स्रोतों के संरक्षण पर दिया जोर

बागेश्वर। जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने शुक्रवार को जिला कार्यालय में स्प्रिंगशेड एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी की बैठक लेते हुए जल संरक्षण व पुनर्जीवन कार्यों में वैज्ञानिक और समन्वित दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नौले-धारे जैसे पारंपरिक जल स्रोतों और नदियों के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया और सभी विभागों को दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। डीएम ने वर्षा जल संचयन, सघन वृक्षारोपण, चाल-खाल, चेक डैम जैसे संरचनाओं के निर्माण पर बल दिया। कृषि, उद्यान, सिंचाई, जल संस्थान और जल निगम सहित सभी विभागों को परस्पर समन्वय से कार्य करने और स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

कार्यालय-नगर निगम, काशीपुर
जिला-ऊधम सिंह नगर

पत्रांक मीमो मु.कार्यालय/2025-26 दिनांक 01/05/2025

तिथि परिवर्तन

दिनांक 24-04-2025 के शाह टाइम्स में पार्किंग नीलामी की तिथि 08-05-2025 के स्थान पर 09-05-2025 पढ़ी जाये। शेष यथावत रहेगा।

(मनीष कुमार)
नगर आयुक्त
नगर निगम, काशीपुर

(दीपक बाली)
महापौर
नगर निगम, काशीपुर

भाजपा नेता विपिन पांडे गिरफ्तार

विरोध: हल्द्वानी कोतवाली में हिन्दुवादी संगठनों का उग्र प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा नेता विपिन पांडे की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को हिंदूवादी संगठनों ने कोतवाली परिसर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विपिन पांडे को एक शांतिपूर्ण बैठक के दौरान उनके आवास से अनुचित ढंग से पुलिस ने हिरासत में लिया, जो

ठेले-फड़ व्यवसायियों के सत्यापन की मांग

पूरी तरह पक्षपातपूर्ण कार्रवाई है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हविपिन पांडे को रिहा करो के नारे लगाए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना था कि यह गिरफ्तारी हाल ही में नैनीताल में हुई नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म की घटना के विरोध में किए

गए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के चलते की गई है। इस दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह भी मौके पर पहुंचीं। प्रदर्शनकारियों ने उनसे फल-ठेले और फड़ चलाने वालों द्वारा नाम पट्टियों के न लगाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने पूर्व में यह निर्देश जारी किया था, लेकिन एक विशेष समुदाय के कई व्यवसायियों द्वारा इसका पालन नहीं किया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा व्यवसायियों का सत्यापन अभियान जारी है और जो भी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान कोतवाली में भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की तथा आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म की घटना निंदनीय और दरिंदगीपूर्ण: सुमित हृदयेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में 12 वर्षीय नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म की घटना पर हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कड़ी निंदा करते हुए दोषी को कठोर सजा की मांग की है। उन्होंने नैनीतालवासियों और प्रदेश के लोगों से शांति बनाए रखने तथा पुलिस-प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा यह घटना निंदनीय और दरिंदगीपूर्ण है। ऐसा कृत्य किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के व्यक्ति द्वारा किया गया हो, वह असहनीय है। हमारी प्राथमिकता अमन और शांति बनाए रखना होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून को अपने हाथ में न लेते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा किया जाए। विधायक ने पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने का आग्रह किया और कहा कि दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन किसी निर्दोष को प्रभावित न किया जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए त्वरित न्याय की उम्मीद जताई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपी की पहचान व गिरफ्तारी के लिए जांच तेज की गई है। प्रशासन ने भी घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात किए हैं।

नैनीताल में पर्यटक पूर्णतः सुरक्षित

अफवाहों पर न दें ध्यान: कुमाऊँ आयुक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल जनपद में हाल ही में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ की जा रही है। आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जानकारी दी कि नैनीताल व इसके आसपास के सभी पर्यटन स्थल पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि शहर में कानून व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है, और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं। क्षेत्र में शांति व्यवस्था को बहाल करने में प्रशासन, स्थानीय नागरिकों और सुरक्षाबलों की अहम भूमिका रही है। आयुक्त ने पर्यटकों से अपील की है कि वे बिना किसी चिंता के नैनीताल, कैंचीधाम, रामगढ़, मुक्तेश्वर, भीमताल जैसे पर्यटन स्थलों की यात्रा करें और सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। विशेष पुलिस सहायता केंद्र सक्रिय हैं और पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा के लिए तैनात हैं। जिला पर्यटन विभाग ने भी जानकारी दी है कि इस घटना का पर्यटकों की संख्या पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का आना-जाना सामान्य रूप से जारी है और सभी पर्यटक पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

लिफ्ट में फंसे पत्रकार, मची अफरातफरी

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्र स्थित चंदन डायग्नोस्टिक सेंटर और जलागम भवन में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पत्रकार वार्ता के लिए पहुंचे कई पत्रकार एक लिफ्ट हादसे का शिकार होते-होते बाल-बाल बच गए। यह घटना उस समय हुई जब पत्रकार भाजपा नेता और जलागम परिषद के उपाध्यक्ष शंकर कोरंगा की प्रेस कॉन्फ्रेंस को कवर करने के लिए सेंटर की तीसरी मंजिल पर जा रहे थे। जैसे ही पत्रकार लिफ्ट में सवार हुए, लिफ्ट पहले अचानक बेसमेंट में चली गई और फिर ऊपर की ओर बढ़ी, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद तेजी से नीचे गिर गई और सीधे बेसमेंट में आकर रुकी। इस झटके से लिफ्ट में सवार पत्रकारों में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। घटना की सूचना तुरंत एसडीएम, नगर आयुक्त और क्षेत्राधिकारी नितिन लोहनी को दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, और सभी पत्रकारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पत्रकारों ने प्रशासन से मांग की है कि बहुमंजिला व्यावसायिक, आवासीय इमारतों में लिफ्टों की जांच कराई जाए।

हल्द्वानी और नैनीताल में पुलिस का फ्लैगमार्च

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में हाल ही में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए हल्द्वानी में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। घटना की आंच

लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

हल्द्वानी तक भी पहुंची है, जिसको ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ शहर में विभिन्न स्थानों में फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन को यह विश्वास दिलाना था कि कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी अराजक

गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फ्लैग मार्च नैनीताल रोड, तिकोनिया, राजपुरा, रेलवे बाजार, तिरंगा चौराहा, बनभूलपुरा, शनि बाजार और बरेली रोड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च में एसपी सिटी प्रकाश चन्द्र, एसडीएम राहुल शाह, कोतवाल राजेश कुमार यादव, और थाना बनभूलपुरा के प्रभारी नीरज भाकुनी भी मौजूद रहे। भारी संख्या में तैनात पुलिस बल ने सड़कों पर मार्च कर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने का स्पष्ट संदेश दिया। एसएसपी पीएन मीणा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी व्यक्ति यदि माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा शांति और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों से अपील की वह शांति और संयम बनाए रखें। पुलिस और प्रशासन अपना काम कर रहे हैं। किसी तरह की अफवाह में न आएं। **नैनीताल।** सरोवर नगरी नैनीताल में शुक्रवार को पुलिस ने फ्लैग मार्च निकालकर आम जनमानस में कानून एवं सुरक्षा को प्रबल बनाए रखने का संदेश दिया। बता दें कि आम जनता में कानून एवं सुरक्षा का भाव बनाए रखने हेतु नैनीताल शहर में पुलिस कप्तान प्रहलाद नारायण मीणा के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। प्रशासन टीम, पुलिस अधिकारी अन्य पुलिस टीम द्वारा नैनीताल के थाने से खड़ी बाजार, बड़ा बाजार, चीनाखान, रिक्शा स्टैंड, माल रोड, घोड़ा स्टैंड आदि स्थानों में होते हुए नैनीताल शहर में फ्लैग मार्च करते हुए आम जनमानस में सुरक्षा के प्रति विश्वास को बढ़ाया गया। पुलिस कप्तान मीणा द्वारा बताया गया कि नैनीताल पुलिस जनता की सुरक्षा एवं सेवा के लिए कटिबद्ध है कानून एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों पर पुलिस की सख्त निगरानी है। कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भ्रामकता फैलाने व कानून एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असमाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

दुष्कर्मी को फांसी की सज़ा हो: सिद्दीकी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में बालिका से दुष्कर्म घटना की कड़ी निंदा करते हुए समाजवादी पार्टी के उत्तराखण्ड प्रभारी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कहा

अराजकता फैलाना निंदनीय

कि इस कृत्य की जितनी भी निंदा की जाए कम है, क्योंकि ऐसा घिनौना कृत्य तो जानवर भी नहीं करते हैं। श्री सिद्दीकी ने कहा इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और इस प्रकरण में जो भी दोषी हो उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही होनी चाहिए और दुष्कर्मी को तो कम से कम फांसी की सज़ा होनी चाहिए। जिससे और लोगों को भी कानून का

डर बना रहे। साथ ही श्री सिद्दीकी ने समस्त जनता से संयम बरतने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि नैनीताल में जिस अपराधी ने अपराध किया था उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन उसके बाद भी एक समाज के साथ जिस तरह से अराजकता फैलाई गई वह भी निंदनीय है। श्री सिद्दीकी ने कहा उक्त अपराधी तो एक साधारण व्यक्ति है। जबकि यदि किसी मस्जिद के मौलाना, मन्दिर के पुजारी, चर्च के पादरी या गुरुद्वारे के प्रमुख भी इस तरह के अपराध करते हैं तो भी उनके पूरे समाज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। श्री सिद्दीकी ने कहा कि नैनीताल में जो अराजकता का माहौल बना हुआ है। उससे वहां के पर्यटन सीजन पर भारी असर पड़ेगा क्योंकि पर्वतीय इलाकों की आर्थिक स्थिति पर्यटन पर ही निर्भर करती है और यदि इस तरह की घटना की सूचना जब पर्यटों तक पहुँचेंगी तो फिर क्या पर्यटन यहां आयेंगे और यदि पर्यटन यहां नहीं आये तो यहां के लोगों को आर्थिक तंगी से झूझना पड सकता है। श्री सिद्दीकी ने कहा कि उत्तराखण्ड हमेशा से ही आपसी भाईचारे का प्रतीक रहा है और समस्त उत्तराखण्ड वासियों की आस्था आपसी भाईचारे को बनाये रखने में अहम होनी चाहिए।

लापरवाह पुलिसकर्मियों पर एसएसपी की सख्ती जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जनपद नैनीताल में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी में लापरवाही पर एसएसपी पीएन मीणा लगातार सख्त कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ चौकियों और थानों में फरियादियों की शिकायतों को अनसुना किया जा रहा है। हालात यह हैं कि कई फरियादी सीधे एसएसपी दरबार में पहुंचकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं, जहां से आदेश मिलने के बाद ही मुकदमे दर्ज हो पा रहे हैं। हाल ही में एक महिला घर से लापता हो गई, जिसकी शिकायत मंडी चौकी में दी गई, लेकिन पुलिस ने उसे नजरअंदाज कर दिया। पीड़ित द्वारा एसएसपी से शिकायत करने के बाद ही मामला दर्ज किया गया। एक अन्य प्रकरण में एक व्यक्ति के साथ लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी हो गई। जब वह कोतवाली पहुंचा तो वहां भी उसकी बात नहीं सुनी गई। बाद में एसएसपी को अवगत कराने पर मुकदमा दर्ज हुआ। इन घटनाओं से साफ है कि कुछ पुलिसकर्मी अभी भी जिम्मेदारियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, हालांकि एसएसपी की ओर से लगातार चेतावनी दी जा रही है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई पुलिसकर्मी जनशिकायतों की अनदेखी करता है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गौला नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा थाना क्षेत्र के गौलापार पुल के नीचे गौला नदी में

स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल

एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने गौला नदी में एक शव पड़ा हुआ दिखाई

दिया। जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक सड़क से नदी में गिर गया होगा, लेकिन मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच का इंतजार है। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने गौलापार क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि चोरगलिया रोड के रेलवे फाटक से गौलापार पुल को जोड़ने वाली सड़क का एक हिस्सा पिछली बरसात से क्षतिग्रस्त है, लेकिन अभी तक इसकी मरम्मत नहीं की गई है। इसके अलावा सुरक्षा के नाम पर महज बांस के बैरियर लगाए गए हैं, जिन्हें आसानी से पार किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस खतरनाक मार्ग पर तुरंत पुख्ता क्रैश बैरियर लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बनभूलपुरा पुलिस ने मृतक की पहचान करने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। देर शाम तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई।

ऑनलाइन 38 हजार ठगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। तल्ला गोरखपुर निवासी नागेंद्र सिंह चौहान एक ऑनलाइन गेमिंग साइट के झांसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित के अनुसार फरवरी में उसके पास एक फोन आया, जिसमें खुद को ऋतिक शर्मा, एजेंट स्वस्तिक एक्सचेंज नामक ऑनलाइन गेमिंग साइट का प्रतिनिधि बताया गया। ठग ने कई गुना मुनाफे का लालच देकर नागेंद्र को अपनी साइट पर निवेश के लिए प्रेरित किया। झांसे में आकर नागेंद्र ने एक मार्च से चार मार्च के बीच अलग-अलग किश्तों में कुल 38 हजार रुपये निवेश कर दिए। कुछ दिन बाद वेबसाइट पर उसकी आईडी में 1.52 लाख दिखने लगे। जब नागेंद्र ने 1.20 लाख रुपये निकालने की कोशिश की, तो ठग ने औपचारिकताओं के नाम पर बैंक खाता और कोड की जानकारी भी ले ली। इसके बाद ठग से संपर्क नहीं हो पाया। आठ मार्च को नागेंद्र ने 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई और साइबर क्राइम पोर्टल पर मामला रिपोर्ट किया, जिसके बाद उसकी शिकायत कोतवाली हल्द्वानी को ट्रांसफर कर दी गई। 18 मार्च को शिकायत पहुंचने के बावजूद कोतवाली में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। अंततः नागेंद्र ने 19 अप्रैल को एसएसपी पीएन मीणा को मामले की जानकारी दी, जिनके आदेश के बाद कोतवाली में साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि साइबर अपराध के मामलों में लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

एनएचआई के प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण तलब

मानसून से पहले किए जा रहे कार्यों का आयुक्त दीपक रावत ने निरीक्षण किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आयुक्त दीपक रावत ने शुक्रवार को गौला पुल, रेलवे एवं मानसून से पूर्व किए जा रहे कार्यों का स्थानीय विधायक, सिंचाई, लोनिवि, एनएचएआई, रेलवे और वन विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। आयुक्त ने सिंचाई, एनएचएआई, लोनिवि और रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा कार्य मानसून से पूर्व पूर्ण कर ले। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं सक्षम अधिकारी की अनुपस्थिति पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और स्पष्टीकरण तलब किया। वही

गौला पुल पर बाढ़ सुरक्षा के दृष्टिगत एनएचएआई द्वारा चेक डैम एवं एप्रोच सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिस पर सिंचाई विभाग ने आपत्ति दर्ज की है। सिंचाई विभाग का कहना है कि चेक डैम बनने से जलधारा रुक सकती है, जिससे हल्द्वानी को जोड़ने वाली प्रस्तावित सड़क और एप्रोच दीवार को नुकसान हो सकता है। आयुक्त ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए शीघ्र ही एनएचएआई, सिंचाई और लोनिवि विभाग के साथ बैठक की जाएगी। आयुक्त रावत ने पुल के ऊपरी सतह पर नदी के चैनलाइजेशन के निर्देश देते हुए कहा कि इससे नदी का प्रवाह बीच में रहेगा और किनारों पर कटाव नहीं होगा जो आवश्यक है। इसके बाद आयुक्त ने तीनपानी ओवरब्रिज के नीचे रेलवे फाटक के निकट अंडरपास का निरीक्षण किया, जिसे एनएचएआई ने बंद कर दिया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अंडरपास स्वीकृत था, परंतु एनएचएआई की ओर से डिजाइन में परिवर्तन किए जाने के कारण इसे बंद कर दिया गया। आयुक्त ने कहा कि इस विषय पर एनएचएआई और रेलवे अधिकारियों के साथ शीघ्र बैठक कर समाधान निकाला जाएगा ताकि स्थानीय लोगों को सुविधा हो सके। निरीक्षण के दौरान विधायक लालकुआं डा. मोहन सिंह बिष्ट, प्रभागीय वन अधिकारी हिमांशु बांगरी, मुख्य अभियंता सिंचाई संजय शुक्ल, मुख्य अभियंता लोनिवि पीएस बृजवाल, उपजिलाधिकारी राहुल शाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अभ्युदय योजना का शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से राष्ट्रपति भवन दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने और उनके योगदान को सराहने के उद्देश्य

से एजिंग विद डिग्निटी (गरिमा के साथ वृद्धावस्था) थीम पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन से अटल वयो अभ्युदय योजना का औपचारिक शुभारंभ किया, जिसे देश के पांच राज्यों उत्तराखंड, तमिलनाडु, नागालैंड, आंध्र प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में क्रियान्वित किया गया है। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी संस्था की शिवानी के साथ सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य के हल्द्वानी स्थित श्रीआनंद आश्रम वृद्धाश्रम को भी शामिल किया गया है। श्री आनंद आश्रम वृद्धाश्रम में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में मौजूद सांसद अजय भट्ट ने श्रीआनंद आश्रम वृद्धाश्रम हल्द्वानी के चयन पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही आश्रम में निवासरत बुजुर्गों से मुलाकात की और भारत सरकार की इस योजना के माध्यम से सभी को लाभ मिलने की बात कही। समाज कल्याण विभाग के निदेशालय के नोडल अधिकारी कमलेश भंडारी ने बताया कि उत्तराखंड में बुजुर्गों की सेवा में संलग्न 32 एनजीओ में से केवल श्री आनंद आश्रम वृद्धाश्रम हल्द्वानी का चयन इस योजना के लिए किया गया है, जिसे आश्रम संचालन के लिए ग्रांट प्रदान की जाएगी।

अवैध गैस रिफिलिंग का पर्दाफाश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा क्षेत्र में चल रहे

अवैध गैस रिफिलिंग का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम के साथ अलग-अलग दो ठिकानों में छापेमारी करते हुए 6 सिलेंडर सहित रिफिलिंग मोटर, वेट मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए है। इसके साथ ही टीम ने दो लोगों को भी रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने बताया कि पिछले काफी समय से क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग की शिकायतें मिल रही थी। उन्होंनेबताया कि शिकायतों के आधार पर थाने में तैनात एसआई मनोज यादव के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने लाइन नंबर 7 बिलाली मस्जिद के पास छापेमारी की तो वहां से जमशेद पुत्र मजीद को अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। मौके से 6 सिलेंडर, रिफिलिंग मोटर, वेट मशीन और अन्य सामान जब्त किया गया। वहीं दूसरी ओर टीम ने एसआई जगवीर सिंह के नेतृत्व में लाइन नंबर 6 निवासी आमिर उर्फ शारुख पुत्र मोहम्मद रशीद के घर से टेम्पो में चल रही अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़ किया। इस दौरान सिलेंडर, इलेक्ट्रिक कांटा और रिफिलिंग मोटर सहित अन्य सामान जब्त किया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में संबंधित पूर्ति विभाग के अधिकारियों को सूचित कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा। शिक्षकों और बच्चों की तमाम समस्याओं के निराकरण को लेकर राजकीय शिक्षक संघ मुखर हो गया। शुक्रवार को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने डीएम और सीईओ को ज्ञापन सौंप जल्द समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा कि स्कूली खेल प्रतियागिताओं में कई होनहार खिलाड़ी बजट के अभाव के कारण प्रतिभाग नहीं कर पाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए बजट के आवंटन, 55 से अधिक उम्र और गंभीर रूप से बिमार शिक्षकों की पंचायत चुनाव में ड्यूटी नहीं लगाने, कार्यरत पति पत्नी में से भी सिर्फ एक की ड्यूटी लगाने आदि की मांग की।

रिंगरोड के लिए भगत ने सर्वेक्षण किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लामाचौड़ से रामपुर रोड को जोड़ने के लिए फोरलेन पेरीफेरल रिंग रोड का विभागीय अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों के साथ विधायक बंशीधर भगत ने शुक्रवार को सर्वेक्षण किया। इस दौरान जंगल के बीचोंबीच से रोड बनने पर वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण व वन्य जीवों को होने वाली परेशानी को देखते हुए भाखड़ा पुल लामाचौड़ से जंगल के किनारे होते हुए बेलबाबा मंदिर रामपुर रोड तक रिंग रोड बनाने की सहमति बनाकर प्रस्ताव शासन को भेजा गया। इस दौरान विधायक भगत ने कहा कि पूर्व के सर्वे में आबादी क्षेत्र होने के कारण कई मकान इसकी जद में आ रहे थे। इस कारण आम जनता के हित को देखते हुए दुबारा सर्वे कर

जंगल किनारे से रिंग रोड का प्रस्ताव तैयार किया गया है। शासन से सहमति मिलने के बाद अतिशीघ्र रोड का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, दीपू नेगी, प्रधान जसवंत सिंह, प्रधान सतवंत सिंह, भाजपा नेता रवि कुरिया, प्रधान कुंदन बोरा, गणेश जोशी, रघुवर पतलिया, प्रधान कमल पडलिया, प्रधान अजमेर सिंह, प्रधान ललित नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य गुंजन मेहरा, पंकज जोशी, नीरज चौरसिया, त्रिलोक निगल्टिया, तहसीलदार मनीषा बिष्ट, लोनिवि ईई प्रत्यूष सिंह, एई ललित तिवारी, वन दरोगा मनोज कुमार मेलकानी, वन दरोगा मोहन सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

युवक ने अपने ऊपर डाला पेट्रोल, मचा हड़कंप

- पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया
- अतिक्रमण हटाने का कर रहा था विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम ढिकुली क्षेत्र में एक बरसाती नाले पर लंबे समय से एक व्यक्ति द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण का मामला एसडीएम न्यायालय में चल रहा था। बताया जाता है कि इस मामले में सुनवाई के बाद एसडीएम द्वारा इस अवैध अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद सिंचाई विभाग को इस अवैध अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे। एसडीएम कोर्ट से जारी आदेश के बाद इस मामले में एक टीम का गठन किया गया था।

गुरुवार को गठित टीम मौके पर अवैध अतिक्रमण हटाने गई थी, लेकिन टीम को वापस बैरंग लौटना पड़ा।

शुक्रवार को फिर यह टीम दोबारा इस अतिक्रमण को हटाने गई टीम के साथ पुलिस बल भी तैनात था बताया जाता है कि सिंचाई विभाग के अधिकारी जब अवैध अतिक्रमण को लेकर मौके पर नाप जोख कर रहे थे तभी मौके पर आए एक युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल डालते हुए आग लगाने का प्रयास किया, जिसके बाद मौके पर मौजूद प्रशासनिक टीम में हड़कंप मच गया। वहीं मौके पर मौजूद उप निरीक्षक तारा राणा ने पुलिस कर्मियों के सहयोग से युवक को कड़ी मशक्कत के बाद दबोचते हुए अपनी हिरासत में लिया और उसके शरीर पर पानी डाला। वहीं पुलिस युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई है।

मामले में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता जगत नारायण सिंह रावत ने बताया कि पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध न होने के कारण यह अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका। उन्होंने बताया कि आज टीम द्वारा मौके पर नाप जोख करने की कार्रवाई की गई है और शनिवार को इस अवैध अतिक्रमण को तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं दो दिन से टीम के वापस बैरन लौट के बाद अब प्रशासन व संबंधित विभाग पर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं।

दो घरों में चोरों ने की सेंधमारी

शाह टाइम्स संवाददाता

गूलरभोज। क्षेत्र में चोरों ने रोशनपुर मासेवाला में दो घरों में सेंधमारी की है। चोर एक घर से पानी की मोटर और दूसरे घर से गोठ में बंधी दो बकरियां खोल ले गए।

गुरुवार रात करीब तीन बजे गूलरभोज के रोशनपुर मासेवाला गांव में चोरों ने कुलवंत कौर के घर पर लगी पानी की मोटर खोल ली। चोर मोटर खोलने के बाद घर में घुसने लगे। इसी बीच आहट सुनकर परिजनों की नींद खुल गई। परिजनों के उठाते ही चोर भाग गए। वहीं शोरगुल होने पर पड़ोसी विकास कुमार भी उठ गए। उन्होंने अपनी गोठ में देखा कि उनकी दो बकरियां नहीं थीं। दोनों पीड़ित परिवारों ने गूलरभोज पुलिस चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ा दी गई है। जल्द चोरी का खुलासा किया जाएगा।

दो बाइकों में हुई भिड़ंत, गार्ड की मौत

- नौकरी की तलाश में जा रहा था व्यक्ति
- परिवार का अकेला कमाने वाला था प्रीतम सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। स्कूल में नौकरी की तलाश में जा रहे है बाइक सवार व्यक्ति की सामने से आ रहे बाइक से टक्कर हो गई, जिसमें एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरे को हल्की चोटें आईं। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल को उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार ने हेलमेट नहीं पहना था, जिससे उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोट आई और अधिक खून बह गया था।

नगर पंचायत महुआ डाबरा निवासी प्रीतम सिंह (40 वर्ष)पुत्र मंगल सिंह काशीपुर के एक निजी अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात थे। कुछ समय पहले उन्होंने अस्पताल की नौकरी छोड़ दी थी और वह नई नौकरी के तलाश में थे। क्षेत्र में एक स्कूल में गार्ड की नौकरी का पता चलने पर वह स्कूल में जा रहे थे, तभी अचानक जसपुर- पतरामपुर मार्ग पर मेघावाला गांव के सामने उनकी बाइक सामने से आ रही बाइक से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सहायता से दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक घायल की गंभीर हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया, जबकि दूसरे घायल का सामान्य उपचार कर घर भेज दिया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही गंभीर रूप से घायल महुआडाबरा निवासी प्रीतम सिंह की रास्ते में ही मौत हो गई। प्रीतम सिंह अपने पीछे पत्नी और तीन बेटों को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। मृतक के चचेरे भाई शीशराम ने बताया कि मृतक की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। मृतक अपने परिवार का अकेला कमाने वाला था।

कोतवाल जगदीश सिंह ढकरियाल ने बताया कि इस मामले में अभी किसी पक्ष से कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर आने पर आवश्यक जांच कर विधिक अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता से मारपीट में पति, सास-ससुर पर केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। दहेज की खातिर विवाहिता के साथ मारपीट और घर से निकालने के आरोप में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पति व सास- ससुर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

खुशबू वर्मा पुत्री राजकुमार वर्मा निवासी पंजाबी मोहल्ला वार्ड 16 ने न्यायिक मजिस्ट्रेट किच्छा को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसका विवाह 10 मार्च 2021 को अनुज वर्मा पुत्र गोविन्द प्रकाश वर्मा निवासी श्रृद्धापुरी कंकर खेडा मेरठ के साथ हुआ था। खुशबू ने आरोप लगाया कि शादी के बाद ही सास ससुर व पति खुशबू को कम दहेज लाने का ताना देते हुए अमानवीय अत्याचार करने लगे। उन्होंने खुशबू के परिवार वालों से अनुज के लिए घर और कार की मांग शुरू कर दी, जिसके बाद खुशबू अपने घर आ गई। काफी दिनों तक जब ससुराल से खुशबू को लेने कोई नहीं आया तब खुशबू अपने पिता के साथ जालंधर पति के किराए के मकान में पहुंच गई।

आरोप है कि खुशबू का अनुज उसके साथ शराब पीकर मारपीट और दहेज की मांग करने लगा। अनुज के मारने पीटने के कारण खुशबू का गर्भपात हो गया। उसके दोबारा गर्भवती होने पर भी ससुराल वालों का व्यवहार ठीक नहीं रहा। खुशबू ने अपनी देखभाल के लिए के लिए माता को बुला लिया।

29 अप्रैल 2023 को अनुज उसे उसकी माता को किच्छा छोड़ गया। 21 सितबंर को खुशबू ने एक पुत्री को जन्म दिया। जिसके बाद अनुज उसे अपने साथ जालंधर ले गया लेकिन उसके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। अनुज की मारपीट में खुशबू के कान के पर्दे में चोट लगी। अनुज ने खुशबू को घर से निकाल दिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पति अनुज वर्मा, सुसर गोविन्द प्रकाश वर्मा, सास ललिता वर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है।

डाइट में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कौशल कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के 22 विद्यालयों को व्यावसायिक सहयोग निधि (बिजनेस सपोर्ट फंड) के अंतर्गत 5000 प्रति विद्यालय प्रदान किए गए। यह राशि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत श्रेष्ठ व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए दी गई।

प्रदर्शनी में इन चयनित विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत बिजनेस आइडिया के तहत निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए कौशलम् पाठ्यचर्या लागू कर उन्हें व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 उद्यमशील उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम कोआर्डिनेटर चेतना मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को नौकरी के पीछे नहीं भागना चाहिए, बल्कि स्वरोजगार व उद्योग की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर चेतना मिश्रा, सह-कोऑर्डिनेटर सीमा त्रिवेदी, डायट प्राचार्य गीता किरण, डा. विनीता, मनोज कुमार चौहान, ताबीदा अली, पवन कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

बिजली चोरी के आरोप में केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। ऊर्जा निगम की तहरीर पर पुलिस ने बिजली चोरी के आरोप में उपभोक्ता के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एसडीओ दिनेश चंद्र गुरुरानी की अगुवाई में ऊर्जा निगम की टीम ने बंडिया क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने गायत्री देवी पत्नी मोहन लाल निवासी बंडिया आदर्श कालोनी वार्ड 5 के परिसर में एलटी विद्युत पोल में डायरेक्ट दो कोर की केबिल डालकर विद्युत चोरी पकड़ी। टीम ने उपभोक्ता का कनेक्शन काट कर विद्युत केबिल को अपने कब्जे में ले लिया। ऊर्जा निगम के अवर अभियंता ओम कुमार की तहरीर पर पुलिस ने गायत्री देवी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के इंद्र सिंह बने जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ग्रमीण निर्माण विभाग जिला ऊधमसिंह नगर की ओर से गुरुवार को नयी कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें सर्वसमिति से इंद्र सिंह चिलवाल को अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। गुरुवार को अधिवेशन कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मो. हसिन अली और वित्त सचिव मथुरा प्रसाद चुने गए। इसके बाद सभी नर्व निर्वाचित कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण की। इस मौके पर प्रांतीय महासचिव चितरंजन, धीरज कुमार, अजय कुमार, रेनू, नीरज कांडपाल, कमल राय, ओपी भट्ट, सुशांत सिंह, साहिल कुमार, शिवम तिवारी, रजत कुमार आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर पार्क में मिला अज्ञात महिला का शव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गत रात्रि यहां अंबेडकर पार्क में एक अज्ञात महिला का शव पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आस पास स्थान का सूक्ष्म निरीक्षण किया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है। जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात्रि रह गुजरते लोगों ने अम्बेडकर पार्क में एक महिला को बेसुध अवस्था में पड़ा देखा। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ लग गई। पार्क में महिला का शव पाए जाने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने महिला को जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। समाचार लिखे जाने तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने आस पास के थाना क्षेत्र में इसकी जानकारी दे दी है।

बहाने से होटल में ले जाकर किशोरी से जबरन किया दुष्कर्म

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में किशोरी को ले जाकर दुष्कर्म करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले कर विवेचना महिला एसआई को दी गई है।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर दी। तहरीर में कहा कि बीते कुछ दिनों से उनकी 16 वर्षीय बेटी परेशान थी। बार-बार पूछने पर बेटी ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व उनकी मुलाकात लंबाखेड़ा निवासी मासूक अली पुत्र इस्लास हुसैन से हुई थी। आरोप लगाया कि मासूक ने उसे अपनी बात में फंसा लिया और 26 अप्रैल को बहला-फुसला कर उसे गावा चौक स्थित एक होटल में लेकर गया। आरोप है कि यहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया गया। साथ ही किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी मासूक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी की भी तलाश की जा रही है।

रिनेंसा कॉलेज के छात्रों को मिली देश की शीर्ष होटलों में नौकरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रिनेंसा कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट, रामनगर ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड को कायम रखते हुए शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रणाली के चलते कॉलेज के बीएचएम पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं का चयन देश के प्रमुख फाइव स्टार होटलों में हुआ है।

कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग ने छात्रों की रुचि और कौशल के अनुसार उन्हें सर्वोत्तम अवसर प्रदान किए। इस सफलता में शिक्षकों और प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने छात्रों को प्रतिष्ठित होटल ब्रांड्स में प्रशिक्षण और रोजगार दिलाने में अहम योगदान दिया। इसी के परिणामस्वरूप करन सिंह एवं सूरज रावत को द ऑबेरॉय, गुड़गांव में फूड एंड बेवरेज सर्विस में नियुक्ति मिली, जबकि भरत गोला और नितेश कुमार को होटल द ग्रैंड, नई दिल्ली में इसी क्षेत्र में कार्य मिला। आयुष मासीवाल और करन सिंह बोहरा को द लीला, गुड़गांव में हाउसकीपिंग में स्थान मिला, वहीं मोहित रावत को द लीला, उदयपुर में हाउस कीपिंग विभाग में नियुक्त किया गया। इसके अलावा राघव चन्देल को द ऑबेरॉय मेडेन्स, नई दिल्ली और शिवम सिंह नेगी को द लीला, गुड़गांव में फूड एंड बेवरेज सर्विस के लिए चुना गया। कॉलेज के निदेशक कुणाल मदान ने जानकारी देते हुए बताया कि रिनेंसा कॉलेज विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराता है, जहां हर छात्र को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

स्वयं सहायता समूहों ने की उत्पादों की ब्रिकी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित एपीजे अब्दुल कलाम सभागार के बाहर स्टॉल लगाकर उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई और ब्रिकी की।

शुक्रवार को एनआरएलएम योजना के तहत विकासखंड गदरपुर के महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने स्टॉल लगाकर उत्पादों की ब्रिकी की। महिलाओं ने बताया कि स्टॉल से मसाले, शहद, दालें, अचार, बड़ी, पापड़, हैंडी काफ्ट सामान आदि की ब्रिकी की गई। इस मौके पर उड़ान क्लस्टर संगठन, नारी शक्ति ग्रोथ सेंटर, गौरा महिला ग्राम संगठन, शुभलाभ क्लस्टर ने स्टॉल लगाए। इस दौरान बबीता, गायत्री, रश्मि रावत, ममता पानू, ज्योति सरकार, दीपिका सरकार, माधवी, उर्मिला, टूम्पा, शीला आदि रहे।

पुलिस की उदासीनता से खटीमा बना अपराधियों की शरण स्थली

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अपराधिक घटनाओं का ग्राफ आए दिन बढ़ता जा रहा है। बीते एक सप्ताह में तीन लाशें, महिला को हरियाणा से लाकर खटीमा में सर धड़ से अलग निर्मम हत्या करना, 22 अप्रैल से अपनी पत्नी की गुमशुदगी दर्ज करवाने को लेकर धक्के खा रहा बेचारा पति, क्या अपराधियों की शरण स्थली बन गया है खटीमा।

भारत नेपाल से सटा सीमांत क्षेत्र खटीमा इन दिनों अपराधियों के लिए मुफीद बन चुका है। बीती 23 अप्रैल को खटीमा में रेलवे लाइन के किनारे झाड़ी में दो शव मिले। जिसमे एक की गला घोटकर हत्या की गई थी। वहीं एक सप्ताह भी नहीं बिता कि 30 अप्रैल को हरियाणा पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर युवती का बिना सर वाला धड़ बरामद किया।

वहीं एक अन्य मामला जिसमे संजीव पुत्र रमेश निवासी ग्राम बरी अंजनिया (टेडाघाट) थाना-खटीमा निवासी बीती 22 अप्रैल से अपनी पत्नी की गुमशुदगी दर्ज करवाने को लेकर कोतवाली के धक्के खा रहा है। वाबजूद इसके पुलिस गुमशुदगी दर्ज नहीं कर रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पुलिस किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है।

बताते चलें कि 30 अप्रैल को मिली पूजा मंडल के परिजन भी अपनी बहन की गुमशुदगी दर्ज करवाने को लेकर कोतवाली सितारगंज का चक्कर काटते-काटते थक हार कर हरियाणा में गुमशुदगी दर्ज की गई, जिसके बाद उसकी बिना सर की लाश बरामद हुई।

आखिर क्या खटीमा की जनता की सुरक्षा राम भरोसे छोड़ दी गई है। बकौल फरियादी कोतवाली में कोतवाल साहब अपने कार्यालय में नहीं मिलते हैं। आवास से ही संचालन करते हैं। एसएसआई फंट में ना बैठकर अंदर बैठते हैं। जिससे वो फरियादियों की नजरों में नही आते हैं। सीओ साहब काफी लंबे समय से छुट्टियों पर चल रहे हैं। आखिर किसके भरोसे खटीमा की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है। यह भी एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

स्कूटी में चार किलो चरस ले जाता तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रभारी राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने स्कूटी सवार युवक से दस लाख रुपये से अधिक मूल्य की चरस बरामद की है। नशा तस्कर के विरुद्ध के मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स उधम सिंह नगर प्रभारी राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने चेकिंग करते हुए सूचना के आधार पर जाफरपुर मोड़ पर स्कूटी संख्या UK-04-AQ-1044 पर सवार को घेरा बन्दी कर कब्जे में ले लिया। हिरासत में लिए गए युवक के कब्जे से बरामद स्कूटी की तलाशी ली तो स्कूटी से 04 किलो 80 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। जिसकी कीमत दस लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। इसके अलावा एक मोबाइल फोन तथा छह सौ रुपये की नगदी बरामद हुई।

पूछताछ में नशा तस्कर ने अपना नाम राजेंद्र सिंह मेहता पुत्र हीरा सिंह मेहता निवासी-ग्राम बैंडुमहर थाना नाचनी, तहसील मुनस्यारी जिला पिथौरागढ़ हाल निवासी- चक्की मोड़ दिनेशपुर बताया है। बरामद अवैध चरस के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर बताया कि अवैध चरस जिला पिथौरागढ़ के अलग-अलग क्षेत्र ग्राम होकरा तहसील मुनस्यारी, सिमलगैर पिथौरागढ़ आदि स्थानों से अलग-अलग लोगों से एकत्र कर रुद्रपुर में महंगे दामों पर बेचना स्वीकार किया है।

आरोपित नशा तस्कर के विरुद्ध धारा 8/20/60 NDPS ACT के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा है। नशा तस्कर को गिरफ्तार करने वाली टीम में एएनटीएफ प्रभारी राजेश पाण्डेय, मनोज रतूड़ी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुद्रपुर, उ.नि. कौशल भाकुनी, उ.नि. चंदन सिंह बिष्ट, हे.का. भुवन चन्द पाण्डेय, कां. दिनेश चंद्र, विनोद खत्री, अजय रावत, म.का. कंचन चौधरी आदि थे। एंट्री नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश पांडेय ने बताया कि नशे के कारोबार के विरुद्ध लगातार कारवाई जारी है, जिससे नशा तस्करों में हडकंप मचा हुआ है।

सुकन्या विवाह योजना लाभ दिलाने के नाम पर लोन करा 15 लाख हड़पे

- बैंक मैनेजर सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। सुकन्या विवाह योजना का लाभ दिलाने के नाम पर एक युवक ने बैंक से लोन करा कर 15 लाख रुपये हड़पने के मामले में पुलिस ने बैंक मैनेजर सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रामनगर वन निवासी अवनीश कुमार पुत्र रामचंद्र सिंह ने बताया कि ग्राम अफजल टांडा (ठाकुर द्वारा) मुरादाबाद निवासी निपेंद्र कुमार पुत्र भीम सिंह की जसपुर में निवार मंडी रोड स्थित फ्रेंड सीडस नाम से दुकान है। रोड पर आते जाते उसकी जान पहचान निपेंद्र कुमार से हो गई। उसने अपने पीले राशन कार्ड को सफेद कार्ड बनवाने में निपेंद्र से मदद मांगी। निपेंद्र ने उसका विश्वास जीतने के लिए पीले राशन कार्ड को सफेद बनवा दिया। इससे अवनीश कुमार का विश्वास बढ़ गया। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उनकी पुत्री का विवाह संपन्न हो गया, जिस बात को उन्होंने निपेंद्र सिंह से साझा की तो निपेंद्र ने बताया कि वह भारत सरकार की योजना सुकन्या विवाह योजना के तहत उनको 10,0000 दिला सकता है। उसकी बातों में आकर उन्होंने फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, कोऑपरेटिव बैंक की पासबुक आदि कागजात दे दिए। निपेंद्र ने उनसे यस बैंक में नया खाता खुलवाने को कहा और उसने अपने परिचित से बात कर यस बैंक में नया खाता भी खुलवा दिया।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2022 में उन्होंने दोबारा निपेंद्र को यस बैंक की पासबुक, फोटो ,आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड आदि कागजात ले जाकर दे दिए। उनके सामने ही निपेंद्र ने येस बैंक जसपुर एम्पलाई उद्धो वाला निवासी राजीव कुमार पुत्र महेंद्र सिंह और उसके पिता महेंद्र सिंह जो पहले से वहीं मौजूद थे उनको सौंप दिए। उसके पश्चात निपेंद्र सिंह और दोनों ने अंग्रेजी में फॉर्म भरकर उसके हस्ताक्षर कराकर रख लिए।

नवंबर 2022 में अलग-अलग तारीख में उनके नाम पर पुराने खाते कोऑपरेटिव बैंक में डेढ़ लाख रुपये आए। जब उन्होंने निपेंद्र से पूछा कि रुपये 50,000 कैसे ज्यादा आए तो उन्होंने कहा कि वह उसके दोस्त परविंदर के पैसे हैं जो उसने निकालकर निपेंद्र को दे दिए। वर्ष 2024 में महेशपुरा भगतपुर प्रधान का उसे फोन आया कि तुम पर बैंक का लोन है तो उसने यस बैंक जसपुर में जाकर मालूम किया तो पता चला कि 29 अक्टूबर 2022 को 10 लाख रुपये आइसीआइसीआइ क्रेडिट कार्ड से डाले गए और पांच लाख का लोन यस बैंक से उसके नाम पर लिया गय। इस संबंध में जब उसने दीपेंद्र से बात की तो निपेंद्र ने उनसे समझौता कर दो-दो लाख के दो चेक वह एक स्टांप दे दिया।

चेक की धनराशि उसने प्राप्त कर ल। उसके उपरांत बाकी पैसा देने में वह एक दूसरे पर टालने लगे। अवनीश कुमार ने आरोप लगाया कि निपेंद्र कुमार पुत्र भीम सिंह निवासी टांडा अफजल ठाकुरद्वारा, यस बैंक एंप्लोई राजीव कुमार उसके पिता महेंद्र सिंह निहाल सिंह निवासी उध्धोवाला थाना अफजलगढ़ (बिजनौर) व यस बैंक मैनेजर मयंक ने धोखाधड़ी कर उसके नाम से 15 लाख रुपये का लोन ले कर हड़प लिए।

कोतवाल जगदीश ठकराल ने बताया कि उक्त चारों लोगों के खिलाफ 316 (2) 316 (5)336(4)336(3) 338, 340 (2)61 (2) बीएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एम.के. वाटर प्रूफिंग

मकान की वाटर प्रूफिंग, छत का टपकना, दीवारों पर सीलन आना, लिन्टर पर दारार से पानी आना, बेसमेन्ट में पानी या सीलन आना, किचन व बाथरूम लिकिज होना, फ्लोर ओपोक्सी व ब्रिक ओवा भी किया जाता है। प्रो.महबूब भाई

बिलासपुर रोड, रूद्रपुर (ऊ.सिंह नगर)
मो.: 9012051994, 6399038125

दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन व समाचार के लिए संपर्क करें।
9759273715
rudrapurst2020@gmail.com

फायरिंग का फरार आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

दिनेशपुर। जाफरपुर में हुई फायरिंग के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने नैनीताल से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर रामपुर जिले में पूर्व में दो मुकदमे दर्ज हैं। 12 अक्तूबर 2024 को जाफरपुर में दशहरे के दिन दो पक्षों में फायरिंग हुई थी। इस मामले में एक आरोपी शमशेर सिंह उर्फ शेरा भिंडर निवासी ग्राम मझरा डिलारी मिलक खानम रामपुर फरार चल रहा था। दिनेशपुर थाना प्रभारी नंदन सिंह रावत ने बताया कि एक मई को पुलिस को सूचना मिली कि फायरिंग का आरोपी शमशेर नैनीताल में देखा गया है। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने शमशेर उर्फ शेरा को नैनीताल की माल रोड से गिरफ्तार कर लिया।

होम्योपैथिक औषधियों का किया निशुल्क वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डा. महेश चंद्र जोशी के आदेशानुसार आयुष्मान भारत गाइडलाइंस समुदाय आधारित आउटरीच ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर, लाइफस्टाइल मोडिफिकेशन एवं निशुल्क होम्योपैथिक औषधि शिविर वार्ड नंबर 9 टाइप बी, बाजपुर शुगर मिल मे आयोजित किया गया।

शिविर में बाजपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) की प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. शिखा सम्मल द्वारा परामर्श और पोषण सम्बन्धित जागरूकता अभियान चलाया गया, साथ ही औषधीय पौध का वितरण किया गया। फार्मेसिस्ट वतन कुमार द्वारा 117 लाभार्थी को होम्योपैथिक औषधियों का निशुल्क वितरण किया गया, साथ ही 22 लोगों की निशुल्क ब्लड प्रेशर ब्लड शुगर की जांच की गई।

आशा कार्यकत्री सुनीता तिवाडी, देवकी दूबे और रेखा द्वारा जनसंपर्क कर प्रचार-प्रसार किया गया।

बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ दिया धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर में बढ़ते अपराध, सड़क हादसों और नशाखोरी के खिलाफ आम आदमी पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं समाजसेवी सतपाल सिंह ठुकराल ने लोगों के साथ शुक्रवार को गांधी पार्क में दो दिवसीय सांकेतिक धरना शुरू किया। उन्होंने कानून व्यवस्था की स्थिति को गंभीर बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। आप नेता ठुकराल ने कहा कि बीते दिनों शहर में पिता-पुत्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई। सड़क दुर्घटनाएं दिनोदिन बढ़ती जा रही हैं, जिससे लोगों की जान जा रही है। उन्होंने इन पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कहा कि शहर में नशे का कारोबार लगातार फैल रहा है, जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

नैनीताल कांड के बाद प्रशासन अलर्ट

■ **प्रशासन ने चलाया सत्यापन अभियान**

रामनगर। नैनीताल में हुए कांड के बाद रामनगर प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट हो गया है। जिसको लेकर प्रशासन ने फड़, ठेला एवं फेरी कर व्यापार करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर दिया है।

शुक्रवार को अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश के बाद रामनगर में भी फड़ ठेला एवं फेरी कर व्यापार करने वालों के खिलाफ सत्यापन करने को लेकर अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान में राजस्व विभाग, पुलिस, नगर पालिका एवं खाद्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 150 से अधिक लोगों का सत्यापन किया गया। उन्होंने बताया कि जिसमें कुछ लोग बाहरी प्रदेश के पाए गए। उन्होंने बताया कि जो बाहरी प्रदेश से आकर यहां बिना सत्यापन के रोजगार कर रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही उन्हें उनके क्षेत्र को भेजा जाएगा। एसडीएम ने कहा कि रामनगर में बाहरी राज्यों से आकर व्यापार करने वाले बिना सत्यापन के रह रहे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल, फूड इंस्पेक्टर असलम खान, महिला दारोगा सुरभि राणा, नगर पालिका परिषद के प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक लल्ला मियां, नगर पालिका परिषद के टेक्स कर निरीक्षक संजय मनराल आदि मौजूद रहे।

जोड़ मेले की तैयारियां हों चाक-चौबंद: डीएम

■ **नौ से 11 जून तक रीठा साहिब में होगा जोड़ मेले का आयोजन**

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। दुनिया में मीठे रीठे के चमत्कार के लिए प्रसिद्ध गुरुद्वारा श्रीरीठासाहिब में होने वाले सालाना जोड मेले की तैयारीयो में जिला प्रशासन जुट गया है। 9 से 11 जून तक होने वाले इस मेले में तीर्थ यात्रियों को सड़क यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता, पेयजल आदि व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी नवनीत पांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि यह ऐसा मेला है, जिसमें हमें प्रतिवर्ष देश-विदेश के तीर्थ यात्रियों की मेजबानी करने का अवसर मिलता है।

इस मेले में देश के कोने-कोने के अलावा विदेश से भी तीर्थ यात्री आते हैं। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमे तीर्थ यात्रियों को हम बेहतर सुविधायें देने के साथ एक मेहमान की तरह उनको सम्मान दें, जिससे वे यहां की यादों को समेटकर अपने साथ ले जा सके। इससे हमारे जिले का पर्यटन और धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा।

उन्होंने सूखीढांग से रीठासाहिब तक के मार्ग को हर हालत में सुगम यातायात योग्य बनाने के लिए 25 मई तक की लक्ष्मण रेखा खींच दी है। उनका कहना है कि टनकपुर से आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए यह ऐसा मार्ग है, जिसमे उनकी सफर की दूरी आधी रह जाती है। ऐसी स्थिति में इस सड़क में यात्रियों का अधिक दबाव होगा। ऐसे संवेदनशील स्थानों में जेसीबी रखी जाए ताकि आपात स्थिती में सड़क को चालू रखा जा सके। बैठक में मेले में तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ के चलते वहां सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध की जाएं। इसके अलावा विभिन्न स्थानों से आने वाली संगत द्वारा तीर्थ यात्रियों की सेवा के लिए सड़क मार्गो में जो लंगर सेवा चलाई जाती है, वहां पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा का विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, डीएफओ नवीन चंद पंत, सीडीओ संजय सिंह, एडीएम जयवर्धन शर्मा, एसडीम अनुराग आर्य, जल संस्थान के यूनुस बिलाल, जल निगम के ईई बीके पाल सहित तमाम लोग मौजूद थे।

आदि कैलाश में पार्वती कुण्ड के समीप स्थित शिव मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन को खुले

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। आदि कैलाश ओम पर्वत की पवित्र यात्रा के दौरान पार्वती कुण्ड के निकट विराजमान भगवान शिव का प्राचीन मंदिर आज श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही, लगभग 150 स्थानीय ग्रामीण एवं 50 तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

दोपहर 12 बजे शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। इस अवसर पर स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी उपस्थित थे। मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

पार्वती कुण्ड, जो कि आदि कैलाश के मार्ग में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि इस पवित्र कुण्ड में स्नान करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। कुण्ड के समीप स्थित शिव मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष यात्रा के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि सभी श्रद्धालु सुगमता से दर्शन कर सकें। उन्होंने यात्रियों से यात्रा के दौरान पवित्रता बनाए रखने और पर्यावरण का सम्मान करने की अपील की।

मंदिर के दर्शन करने आए श्रद्धालु कार्तिक भाटिया ने बताया कि श्रद्धालुओं में मंदिर के कपाट खुलने को लेकर भारी उत्साह है, उनके साथ साथ अन्य कई यात्रियों ने अपनी यात्रा की शुरुआत मंदिर में दर्शन के साथ की और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है और इसके कपाट खुलने से यात्रा और भी अधिक मंगलमय हो गई है।

पुलवामा हमले के बाद उत्तराखंड में सख्ती

केलाखेड़ा और बरहैनी में चला सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर/केलाखेड़ा/बरहैनी। पुलवामा हत्याकांड के उपरांत देशभर में सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार द्वारा सभी जिलों में सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुपालन में आज बाजपुर उपजिलाधिकारी के निर्देशन में केलाखेड़ा और बरहैनी क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया गया।

इस अभियान में बाजपुर तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका केलाखेड़ा, अधिशासी अधिकारी केलाखेड़ा पुलिस, बरहैनी पुलिस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। टीमों ने क्षेत्र में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों और श्रमिकों का रिकॉर्ड खंगाला तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे राज्य में संदिग्ध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। स्थानीय नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों में रह रहे किरायेदारों और श्रमिकों का समय-समय पर सत्यापन कराएं और प्रशासन को सहयोग दें। सत्यापन अभियान आगामी दिनों में अन्य क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा ताकि राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके।

एक नजर

बहुउद्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में लगेंगे विभागीय स्टॉल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा. दीपक सैनी ने बताया है कि सिविल जज (सी.डी.) / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अवगत कराया गया है कि आगामी 11 मई, 2025 (रविवार) को झौलखेत मैदान, मूनाकोट में प्रात: 10:00 बजे से बहुउध्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें माननीय वरिष्ठ न्यायमूर्ति / कार्यपालक, अध्यक्ष, माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल मनोज तिवारी द्वारा भी प्रतिभाग किया जाना है।

उक्त आयोजित बहुउद्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में विभागों द्वारा शिविर स्थल पर पात्र व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड) आदि जारी करने एवं शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र व्यक्तियों को उनकी पात्रता के आधार पर लाभान्वित किए जाने हेतु विभागीय स्टॉल स्थल पर स्थापित किये जाएं। स्थल पर विभागों के सुसज्जित स्टॉल ससमय स्थापित किये जाने हेतु मुख्य कृषि अधिकारी, पिथौरागढ़ एवं परियोजना प्रबन्धक, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना, पिथौरागढ़ को नोडल नामित किया जाता है। खण्ड विकास अधिकारी, मूनाकोट द्वारा क्षेत्रीय कार्मिकों के माध्यम से शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिला सूचना अधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा प्रिंट मीडिया सोशल मीडिया आदि माध्यमों से भी शिविर का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

माइनिंग टीम ने मिट्टी से भरी दो टैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। माइनिंग टीम ने बुधवार की देर शाम ग्राम चंदेली में बिना अनुमति के मिट्टी खनन कर रहे दो ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा। माइनिंग टीम को देखकर खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और मौके से फरार हो गए।

बुधवार की शाम कैलाश रिवर बेड मिनरल्स एलएलपी कम्पनी रॉयल्टी पेकिंग (खनन विभाग) के अधिकारियों ने ग्राम चंदेली बिना अनुमति के मिट्टी खनन कर परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा। खनन के विभागीय दस्तावेज ना दिखाने पर दोनों वाहनों टैक्टर ट्रॉली संख्या यूके 06एबाई, 0381व यूके 06एटी, 1034 को चालक सहित कब्जे में ले लिया और स्थानीय पुलिस चौकी सत्रहमील की हिरासत में चौकी परिसर में खड़ा कर दिया। वहीं चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट ने बताया खनन विभाग की टीम ने बिना अनुमति के खनन कर रहे मिट्टी से भरे दो ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ा है और अवैध खनन अधिनियम में दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया।

सांसद अजय भट्ट ने अधिकारियों के साथ की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री को नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने पंतनगर स्थित अपने आवास पर केंद्र सरकार द्वारा संचालित ईएसआईसी हॉस्पिटल रुद्रपुर के मेडिकल सुपरीटेंडेंट सहित अन्य डॉक्टरों को अधिकारियों के साथ बैठक कर अस्पताल की समीक्षा की।

श्री भट्ट ने मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर प्रवीण कुमार वर्मा और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर अतुल पांडे से समीक्षा बैठक कर अस्पताल के वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी देते हुए कमियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। श्री भट्ट ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 100 बेड के इस अस्पताल में अभी तक 68 बेड चल रहे हैं जबकि सभी 100 बेड संचालित होने चाहिए। इसके अलावा वेंटिलेटर की व्यवस्था करने सहित सीनियर नर्सिंग ऑफिसर्स के पद सहित खाली पड़े पदों पर जल्द नियुक्ति किए जाने और अन्य आवश्यक उपकरण जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्री भट्ट ने कहा कि मजदूर भाइयों और उनके परिवारों के उपचार के लिए संचालित इस 100 बेड के अस्पताल में यथा शीघ्र सभी कर्मियों को पूरा किया जाना आवश्यक है।

शराब की दुकान को बंद कराने को सड़क पर आई महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम मालधन क्षेत्र में शराब की दुकान को बंद करने, कच्ची शराब की बिक्री पर रोक लगाने व सरकारी अस्पताल में मानकों के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर महिला एकता मंच ने मालधन क्षेत्र में जनसंपर्क कर तीन मई शनिवार को चक्का जाम व धरना कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

मंच की भगवती आर्य ने बताया कि शनिवार 3 मई को दिन में 11 बजे से मालधन गोपाल नगर में शराब की दुकान के समक्ष धरना व चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने 21 अप्रैल को जनता ने प्रशासन से शराब की दुकान बंद किए जाने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था लेकिन प्रशासन द्वारा हमारी मांगों का समाधान न किए जाने के कारण मजबूर होकर हमें चक्का जाम व धरना पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस व स्कूल बसों को चक्का जाम से छूट दी गई है। जनसंपर्क के दौरान महिलाओं ने कहा कि जनता को नशा नहीं इलाज चाहिए। मालधन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टेक्नीशियन के अभाव में एक्स-रे मशीन डंप पड़ी हुई है। कहा कि पिछले लंबे समय से जनता मालधन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं की मांग कर रही है, लेकिन धामी सरकार जनता को इलाज की जगह नशा दे रही है जो हमें स्वीकार नहीं है। महिलाओं ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह मालधन क्षेत्र की जनता को वोट बैंक समझना बंद करे और शराब की दुकान तत्काल बंद करने का आदेश जारी करे। इस दौरान भगवती आर्य ,पुष्पा आर्य, देबी, विनिता टम्टा, सरस्वती जोशी ममता, रजनी, भगवती देवी, भावना, रेखा, नीमा, गीता, मुनीश कुमार, भोपाल राम, सुरेंद्रकुमार,शंकर लाल, गिरधारी लाल, हरीश चन्द्र आर्य आदि शामिल रहे।

पेयजल संकट को लेकर नागरिकों का धरना प्रदर्शन जारी

■ **आंदोलन को मिल रहा है व्यापक जनसमर्थन**

■ **2160 केएल के स्थान पर 560 केएल ही मिल रहा है लोगों को पानी**

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। नगर में गंभीर पेयजल संकट के चलते नगर विकास संघर्ष समिति के बैनर तले लोगों का स्थानीय कचहरी में धरना प्रदर्शन लगातार जारी है, जिसे व्यापक जन समर्थन मिल रहा है।

नगर के लोगों को कई वर्षों से हर तीसरे दिन उसमें भी थोड़ा पानी मिल रहा है, जिसके लिए लोग सरयू नदी से लिफ्ट पेयजल योजना बनाने की लगातार मांग करते आ रहे हैं। इस मांग को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अपनी स्वीकृति पहले दी जा चुकी थी। वर्तमान में बंसवाड़ से नगर को मिलने वाला पानी सूखे ने निगल लिया है। इस प्रकार लोगों को लोहावती नदी से 400, ऋषेश्वर से 30, फोर्ती से 30 तथा टैंकरों से 50 केएल पानी की आपूर्ति हो रही है , जबकी नगर की आवश्यकता 2160 केएल की है। वैसे देखा जाए तो लोगों को मांग का एक चौथाई ही पानी मिल रहा है।

हालांकि जल संस्थान द्वारा एक दिन छोड़कर लोगों को 35 से 40 लीटर तथा दो स्थानों में दो दिन छोड़कर 50 से 60 लीटर पानी की आपूर्ति का दावा किया जा रहा है, लेकिन आंदोलनकारी इस दावे को झुठला रहे हैं। उनका कहना है कि चार-पांच दिन में पानी मिल रहा है, उसमें भी पानी की गुणवत्ता अच्छी नहीं है।

इधर जल निगम के ईई बीके पाल का कहना है उनके द्वारा 106 करोड रुपये लागत की सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की डीपीआर शासन को भेजी गई है। इससे पूर्व जो डीपीआर भेजी गई थी, उसमें आपत्तियां लगाई गई थी, जिन्हें दूर कर दोबारा भेजा गया है।

आंदोलनकारीयो का कहना है कि नगर के लोगों की प्यास बुझाने का एकमात्र माध्यम ही सरयू नदी से लिफ्ट पेयजल योजना से आपूर्ति किया जाना है। स्थानीय कचहरी में आज पेयजल समस्या को लेकर शैलेंद्र राय, रणजीत अधिकारी, राज किशोर शाह, गणेश पुनेठा, डीडी पांडे, ममता ढेक, पूरण उप्रेती, उषा अधिकारी, दीपक शाह, अजय गोरख, रमेश बिष्ट आदि लोगों ने धरना दिया। धरना स्थल में हुई बैठक में आंदोलनकारीयो का साफ कहना था कि वह किसी शौक के कारण यह आंदोलन नहीं कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी के अभाव से हलक सूख चुके है।

पेयजल सचिव एवं जिलाधिकारी भी चाहते हैं कि जल्द बने सरयू पेयजल योजना

लोहाघाट। नगर की गंभीर पेयजल समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी नवनीत पांडे बराबर राज्य सरकार के संपर्क में है। उनका कहना है कि पेयजल के अभाव के चलते लोहाघाट में सीवर लाइन के निर्माण का भी प्रस्ताव नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी के अनुसार लोहाघाट नगर के लिए सरयू पेयजल योजना के अलावा कोई दूसरा विकल्प ही नहीं है जिसे माङ्क्ष मुख्यमंत्री जी द्वारा भी अपनी घोषणा में शामिल किया गया था। जल निगम द्वारा डीपीआर तैयार कर पुन: भेजी गई है। उधर पेयजल सचिव शैलेश बगौली भी चाहते हैं कि सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की स्वीकृति में आ रही बाधाओं को दूर कर उसे अंतिम रूप दिया जाए।

पूर्व प्राचार्य कमल किशोर पाण्डे की निदेशक पद पर पदोन्नति

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य कमल किशोर पाण्डे सर कर्मठ, जुझारू मृदुभाषी और ऊर्जावान व्यक्तित्व, जो प्रत्येक विषय के गहन ज्ञाता हैं। और नवाचार व रचनात्मक विचारों से परिपूर्ण हैं।

निदेशक पद पर पदोन्नति होने की और उच्च शिक्षा निदेशालय में निदेशक के तौर पर कार्य भार ग्रहण करने पर, समस्त महाविद्यालय परिवार ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। निदेशालय हल्द्वानी में निदेशक का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा. मनुहार आर्य, क्रीड़ा प्रभारी डा. विकास रंजन और कार्यालय से सत्येन्द्र यादव एवं विकास ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर सहायक निदेशक डा. गोविंद पाठक और मनीषा तिवारी, राजकीय महाविद्यालय बनबसा के प्राचार्य डा. आदित्य प्रकाश सिंह, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. यादव सर आदि मौजूद रहे। पाण्डे की उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया। ज्ञात हो की प्रो. पाण्डे ने बीते एक जुलाई 2023 को बाजपुर महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया था।

व्यापारियों ने रखी नेताओं के समक्ष अपनी पीड़ा

■ **कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने दिया व्यापारियों को भरोसा**

■ **जनता के साथ अन्याय किसी भी सूरत में नहीं करेंगे बर्दाश्त: यशपाल आर्य**

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। व्यापारियों ने कहा कि बेशक उत्तराखंड में भाजपा सरकार है, लेकिन बाजपुर में कांग्रेस का ही राज है। बाजपुर के अतिक्रमण को लेकर लोगों के आक्रोश को देखते हुए कांग्रेसी नेता प्रतिपक्ष एवं बाजपुर विधायक यशपाल आर्य द्वारा बाजपुर उप जिलाधिकारी और बाजपुर तहसीलदार एवं काशीपुर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तलब किया गया।

जन चर्चा रही कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बाजपुर विधायक यशपाल आर्य अतिक्रमण मुद्दे को लेकर चुनावी समर में प्रमुखता से धामी सरकार को घेरेंगे। बाजपुर में हाल ही में हुई अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को लेकर स्थानीय व्यापारियों में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा की गई नापतोल और दुकानों पर लगाए गए लाल निशानों के बाद व्यापारियों में डर और चिंता का माहौल है। इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को दर्जनों व्यापारी कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और पूर्व विधायक संजी आर्य से मिलने उनके कैंप कार्यालय पहुंचे। जहां व्यापारियों ने अपनी दुकानों पर लगे लाल निशानों और संभावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर अपनी पीड़ा दोनों नेताओं के समक्ष रखी। व्यापारियों की बात सुनते हुए यशपाल आर्य ने उन्हें आश्वस्त किया कि कांग्रेस उनके साथ है। उन्होंने कहा हम सरकार में नहीं हैं, इसलिए सीधे निर्णय नहीं ले सकते, लेकिन जनता के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम हर स्तर पर इस मुद्दे को उठाएंगे और बाजपुर को उजाड़ने से रोकने का हर संभव प्रयास करेंगे।

पूर्व विधायक संजीव आर्य ने भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर धामी सरकार पर दबाव बनाएगी और जल्द ही कोई ठोस कदम उठाया जाएगा। विधायक यशपाल आर्य ने इस संबंध में बाजपुर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और काशीपुर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तलब कर अतिक्रमण की समस्या पर समाधान के लिए चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने और हाई कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। जनचर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी और धामी सरकार को घेरेगी।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि भले ही उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है, लेकिन बाजपुर में कांग्रेस का ही दबदबा है। व्यापारियों ने नेताओं से अपील करते हुए अतिक्रमण के नाम पर की जा रही कार्रवाई को रोका जाए और उन्हें ऐसा वैकल्पिक समाधान दिया जाए जिससे उनकी आजीविका प्रभावित न हो।

नगर पालिका ठेकेदार की मनमानी से सभासदों में भारी आक्रोश

■ **सभासदों ने बोर्ड बैठक का बहिष्कार कर धरने पर बैठने को दी चेतावनी**

■ **आक्रोशित सभासदों ने मामले का संज्ञान लेकर जांच की मांग की**

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका परिषद के आक्रोशित सभासदों ने शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी को एक ज्ञापन सौंप कर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन फर्म/ठेकेदार के द्वारा अवैध वसूली करने तथा कार्य संतोषजनक न करने का गंभीर आरोप लगाया है तथा मामले में जांच की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि सत्र अप्रैल 2024 से मार्च 2025 में मै. आरिफ इंटरप्राइजेज एवं नगर पालिका के बीच अनुबंध के अनुसार फर्म को कूड़ा कलेक्शन के लिए अपने वाहनों को लगाना होगा और कूड़ा एकत्रित व पृथक करने के लिए भूमि भी ठेकेदार को उपलब्ध करानी होगी साथ ही यूजर चार्ज भी वसूलकर पालिका में जमा करना होगा। लेकिन ठेका लेने के बाद ही उपरोक्त कार्य विवादास्पद हो गया जो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी पैरवी में नगर पालिका के द्वारा मोटी रकम का भुगतान फीस के रूप में अधिवक्ता गणों को किया जा रहा है। जिससे पालिका को भारी आर्थिक क्षति हो रही है, जबकि उपरोक्त वादों से पालिका का कोई हित सुरक्षित नहीं है। सभासदों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा पूरा कलेक्शन करने के एवरेज में यूजर चार्ज की वसूली की जा रही है तथा जो रसीद भवन स्वामी को दी जा रही है वह पालिका द्वारा सत्यापित नहीं किया गया। सभासदों ने आरोप लगाया है कि यूजर चार्ज वसूली में भारी धांधली कर पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वहीं सभासदों का आरोप है कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा यूजर चार्ज के रूप में प्रत्येक घर/मकान से 30 के स्थान पर 50 की वसूली की जा रही है। साथ ही पालिका सीमा में स्थित मैरिज हॉल, होटल ढाबों अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों व अस्पतालों से भी वसूली की जा रही है, लेकिन प्रतिमाह एक लाख तीस हजार जमा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पालिका की लापरवाही का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा प्रतिमाह लाखों रुपये का गबन कर पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सभासदों का कहना है कि पालिका के द्वारा पूर्व फर्म को 13 लाख बीस हजार में ठेका दिया गया था, तब ठेकेदार के द्वारा पालिका द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहनों का संचालन किया जा रहा था और टचिंग ग्राउंड के रखरखाव की व्यवस्था भी ठेकेदार के द्वारा की जा रही थी, लेकिन वर्तमान समय में पालिका कर्मचारियों अधिकारियों की सांठगांठ से उपरोक्त ठेका 21 लाख रुपये में आरिफ इंटरप्राइजेज को दिया गया है। वर्तमान में पालिका सीमा विस्तार होने के बाद भी आरिफ इंटरप्राइजेज के द्वारा उतनी ही गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, जितनी पालिका के द्वारा उपलब्ध कराई गई है और टचिंग ग्राउंड भी पालिका के द्वारा उपलब्ध कराया गया है जो कि अनुबंध के विपरीत है। उन्होंने चेतावनी दी कि है यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो जनहित/पालिका हित में सभी सदस्यगण पालिका में धरने पर बैठने एवं पालिका बोर्ड बैठक का बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी पालिका अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी की होगी। ज्ञापन में सभासद निशा देवी, असलम अंसारी, लक्ष्मण सिंह भंडारी, विश्वनाथ यादव, मोहम्मद शरीफ, प्रकाश शर्मा, जीशान अहमद, गोकुल दत्त ओली, गुलफ्शा, रीना अंसारी, द्रौपदी देवी, स्मिता राणा, नफीस अहमद, आशीष कुमार तथा रमेश चंद आदि के हस्ताक्षर थे।

संत समाज अब मंदिरों में नहीं बैठेगा: स्वामी सच्चिदानंद

कश्मीर से सीधे नैनीताल पहुंचे हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव, बच्ची को इंसाफ दिलाने की बात कही

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में 12 साल की मासूम बच्ची के साथ जो हुआ उसने पूरे शांत शहर नैनीताल को झकझोर दिया है। मामले के आरा. ेपी मो. उस्मान को पुलिस ने पकड़कर जेल भेज दिया है लेकिन लोगों का गुस्सा अब भी कम नहीं हो रहा है। शुक्रवार को हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव आचार्य डा. स्वामी सच्चिदानंद नैनीताल पहुंचे। उन्होंने इस पूरी घटना का विरोध किया और बच्ची को इंसाफ दिलाने की बात कही। बता दें कि स्वामी सच्चिदानंद कश्मीर से सीधे नैनीताल आए हैं। उन्होंने कहा कि अब संत समाज सिर्फ मंदिरों में नहीं बैठेगा। अब सड़क पर उतर कर आवाज उठाएगा। उनका कहना था कि जब मासूम बच्चियों पर ऐसे जुल्म हो रहे हैं तो चुप बैठना पाप होगा। बताया जा रहा है कि वो कुछ खास धार्मिक स्थलों की ओर जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने जब उन्हें रोका तो वहां मौजूद लोगों में गहमागहमी हो गई। इसी दौरान धक्का मुक्की हुई और

स्वामी सच्चिदानंद सड़क पर गिर गए उनके साथ आए समर्थकों ने पुलिस से नाराजगी जताई। कुछ देर तक सड़क पर ही बैठकर विरोध किया गया। स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि अब भारत को साफ करने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि पहले इन्होंने कश्मीर को नुकसान पहुंचाया। अब उत्तराखंड को निशाना बनाया जा रहा है लेकिन अब ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि अब जो होगा वो सड़कों पर होगा। संत समाज अब शांत नहीं बैठेगा।उन्होंने कहा कि जिस बच्ची के साथ ये घटना हुई उसके भरण पोषण और पढ़ाई की जिम्मेदारी संत समाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने हमें मर्यादा में रहना सिखाया है। अब हमें इन लोगों को मर्यादा सिखानी होगी, अब भारत जागेगा और धर्म की रक्षा के लिए एक नई शुरुआत होगी। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से नैनीताल में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। पुलिस ने माहौल को संभालने के लिए भारी फोर्स तैनात कर रखी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी देहरादून में उच्चस्तरीय बैठक की है। पुलिस लगातार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रही है।

माहौल तीसरे दिन भी तनावपूर्ण रहा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिला मुख्यालय नैनीताल में मासूम बच्ची से दुष्कर्म की घटना के बाद तीसरे दिन यानी शुक्रवार भी शहर में गुस्सा और तनाव का माहौल बना रहा। लोगों ने सड़कों पर उतरकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। दूसरी ओर मल्लीताल कोतवाली के समीप पुलिस टीम व एसएसबी तथा पीएससी की भारी फोर्स के मद्देनजर शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसके बाद हिंदूवादी संगठन द्वारा रोड पर हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। भीड़ को काबू करने में प्रशासन को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। काफी देर तक बवाल होने बाद मामले को पुलिस ने जैसे तैसे शांत कराया गया। प्रशासन ने जुमे की नमाज को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती थी। एडीएम प्रशासन विवेक राय, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल, एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्र, एसडीएम नवाजिश खलीक और पुलिस के अन्य अधिकारियों की तैनाती मस्जिद के पास की गई थी।

कड़ी चौकसी में हुई जुमे की नमाज

नैनीताल में शुक्रवार को जुमे की नमाज शांतिपूर्वक हुई। पुलिस ने पहले से ही पूरी चौकसी कर रखी थी। नमाज के दौरान कोई हंगामा नहीं हुआ। जैसे ही नमाज खत्म हुई और लोग घरों को लौटने लगे। तभी दूसरी तरफ हिंदू संगठनों के लोग कोतवाली के सामने जुटने लगे। इस बीच चित्रगुप्त पीठ वृंदावन से जुड़े डा. स्वामी सच्चिदानंद शुक्रवार को नैनीताल पहुंचे और उन्होंने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने दोषियों को जल्द से जल्द कठोर सज़ा देने की मांग करते हुए कहा कि अब ऐसे अपराधों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नाबालिग से दुराचार करने वाले आरोपी को फांसी दी जाए नारेबाजी शुरू हो गई। स्वामी सच्चिदानंद अपने समर्थकों के साथ मल्लीताल मस्जिद की ओर बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की लेकिन धक्का मुक्की में जगतगुरु नीचे गिर गए। उनके गिरते ही भीड़ में गुस्सा और भड़क गया। उनके समर्थक वहीं बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। इस बीच जगतगुरु की एसपी जगदीश चंद्रा और सीओ सुमित पांडे से तीखी बहस हो गई। उन्होंने कहा कि आरोपी का घर पीड़िता को सौंपा जाए तभी उसे न्याय मिलेगा। वहां मौजूद लोगों ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि आरोपी को बचाने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने किसी तरह हालात काबू में किए लेकिन माहौल देर तक तनावपूर्ण बना रहा।

मातृशक्ति ने जुलूस निकाला

नैनीताल। जिला मुख्यालय नैनीताल में शुक्रवार को खराब मौसम के बाद भी सुबह के वक्त मासूम बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के आरोपी को कठोर से कठोर सजा दिए जाने की मांग को लेकर निर्वतमान पालिका सभासद प्रेमा अधिकारी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान गुस्साई मातृ शक्ति ने तल्लीताल गांधी चौक पर जमकर नारेबाजी की बाद में इंडिया होटल तक जुलूस निकाल. कर विरोध दर्ज किया। इस दौरान ममता रावत, सुशीला शाह, शोभा लोहनी, जय भट्ट, कमला तिवारी, खष्टी भट्ट, कविता गंगोला, दीपिका बिनवाल, भावना रावत, विमला ठठोला, आनंदी रौतेला, बानिया रावत तथा महक बिष्ट आदि कई महिलाएं मौजूद रही।

फोरम ने किया प्रदर्शन

नैनीताल। नैनीताल पीपुल्स फोरम ने नैनीताल में विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा नाबालिग हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म करने की घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। बाद में मामले को लेकर आयुक्त के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा साथ ही दूसरा ज्ञापन पुलिस कप्तान को दिया गया। इस दौरान उन्होंने हाथों में बैनर व पोस्टर भी लिए हुए थे। तल्लीताल गांधी चौक में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फोरम से जुड़े प्रतिनिधियों ने कहा कि वह घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं तथा घटना की निष्पक्ष जांच की जाए तथा दोषी को कठोर सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में बच्चियों की सुरक्षा के लिए शासन व प्रशासन सख्त कदम उठाएं। इस दौरान माया चिलवाल, कैलाश जोशी डा. सरस्वती खेतवाल, कमला कुंजवाल, प्रो.उमा भट्ट, गीता उप्रेती, शैला नेगी, मेहनाज, शिखा, महिका तथा लतिका जलाल लोग मौजूद रहे।

सभासदों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर पालिका परिषद के सभासदों ने शुक्रवार को संयुक्त मजिस्ट्रेट वरूणा अग्रवाल के माध्यम से जिलाधिकारी वंदना सिंह को ज्ञापन सौंपा। सभासदों ने दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। नगर के सभी सभासदों ने 12 वर्षीय बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म को लेकर संयुक्त मजिस्ट्रेट के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें सभासदों ने कहा कि शहर में हुई घटना निन्दनीय है जिससे शहर में चारों तरफ अशांति का माहौल बना हुआ है। विभिन्न संगठनों ने जनाक्रोश रैलियां निकालकर पीडिता को न्याय दिलाने की मांग की है। इस दौरान सभासद अंकित चंद्रा, मुकेश जोशी, जितेंद्र पांडे, गजाला कमाल, शीतल कटियार, लता दफौटी, भगवत रावत, गीता उप्रेती, राकेश पवार, रमेश प्रसाद तथा सुरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

समाज पर गहरा कलंक: डा. जोशी

नैनीताल। राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. उर्मिला जोशी ने कहा है कि नैनीताल में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुआ कृत्य हमारे समाज के लिए गहरा कलंक है। उन्होंने कहा कि वह उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की ओर से पीड़िता व उसके परिवार को यह भरोसा दिलाना चाहती हूं कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे उसकी पहुंच या ताकत या पहचान कुछ भी हो अगर उसने कानून तोड़ा है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए। कहा कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि उत्तराखंड की बेटिया सुरक्षित रहेंगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने पर भड़के अधिवक्ता

न्यायपालिका पर टिप्पड़ी की निंदा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में शुक्रवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता की अध्यक्षता में एक आम बैठक आहुत की गयी जिसमें नैनीताल शहर में नाबालिग मासूम बच्ची के साथ हुई अमानवीय घटना तथा नैनीताल शहर में कानूनी व्यवस्था पर असमाजिक तत्वों द्वारा धज्जियां उड़ाए जाने व सोशल मीडिया में असमाजिक तत्वों द्वारा अधिवक्ताओं व न्याय पालिका पर अभद्र भाषा का प्रयोग व वीडियो जारी करने पर रोष जाहिर कर वक्ताओं द्वारा अपने विचार रखे गये। बैठक में सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया कि नाबालिग बच्ची को शीघ्र न्याय दिलवाये जाने हेतु इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुना जाय और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाय। नैनीताल शहर में जिन असमाजिक तत्वों द्वारा इस घटना को साम्प्रदायिक रूप दिये जाने की को. शिश की जा रही है इसके लिए पुलिस प्रशासन को सही व्यवस्था बनाये रखना होगा जिससे बेकसूर लोगो को किसी प्रकार का भय अथवा परेशानियों का सामना न करना पड़े और कोई भी अप्रिय घटना न घटित हो। इसके अतिरिक्त यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि जिस असमाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया में अधिवक्ताओं एवं न्याय पालिका के लिए अभ्रद्र भाषा के साथ वीडियो जारी किया जा रहा है उनके खिलाफ कन्टेप्ट ऑफ कोर्ट की जाय। बैठक का संचालन एसोसिएशन के महासचिव वीरेन्द्र सिंह रावत ने किया। बैठक में डा. एमएस पाल चेयरमेन बार कौसिंल समेत नवनीश नेगी, कमलेश तिवारी, डीसीएस रावत, जयवर्धन काण्डपाल, सुखबानी सिंह, योगेश पचोलिया, विनोद तिवारी, संजय भट्ट तथा प्रभा नैथानी आदि ने अपने विचार रखे।

सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वालों पर भी हो कार्रवाई: पांडे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म की घटना पर भाकपा (माले) और किसान महासभा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाकपा माले के जिला सचिव डा. कैलाश पांडे ने कहा कि आरोपी को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। उन्होंने नैनीताल में घटना के बाद धार्मिक उन्माद और हिंसा फैलाने की निंदा करते हुए कहा कि यह समाज को बांटने की कोशिश है और ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बहादुर सिंह जंगी ने भी कहा कि दुष्कर्म के दोषी को सजा मिलनी जरूरी है, लेकिन उन्माद फैलाने और तोड़फोड़ करने वालों पर कार्रवाई कौन करेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ऐसे मामलों में अक्सर सांप्रदायिक माहौल को संरक्षण देती है, जो खतरनाक है।

खाद्य प्रतिष्ठानों की चैकिंग

नैनीताल। उच्चाधिकारियों के निर्देशों के अनुपालन में शुक्रवार को तहसीलदार युगल किशोर पांडे के नेतृत्व में राजस्व व खाद्य सुरक्षा विभाग और खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नैनीताल स्थित लगभग 14 प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट के मुताबिक नैनीताल में विभिन्न प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान इंद्रा बाजार, बैकरी में लाइसेंस न होने पर चालान की कार्यवाही की गई तथा न्यू मार्डन बैकरी में कोई अनियमितता प्रकाश में नहीं आई। गजेन्द्र जनरल स्टोर से सौस का सैंपल लिया गया तथा बंटी जनरल स्टोर का निरीक्षण करने पर आटे का सैंपल लिया गया। इस दौरान एक फल विक्रेता का लाइसेंस न होने पर चालान की कार्यवाही की गई। गाड़ी पडाव स्थित सिंह रेस्टोरेंट का निरीक्षण करने पर कोई अनियमितता प्रकाश में नहीं आई तथा अपनी रसोई का निरीक्षण करने पर सफाई न होने पर चालान की कार्यवाही की गई वहीं पैराडाइज होटल में भी सब कुछ ठीक मिला जबकि अशोका रेस्टोरेंट माल रोड में अनियमितता प्रकाश में आने पर धारा 32 के अन्तर्गत एफएसएस नोटिस जारी किया गया वहीं न्यू बावर्ची रेस्टोरेंट में ब्रेड एक्सपायरी डेट की मिलने पर चालान की कार्यवाही की गई और मक्खन में ब्रश रखने पर ब्रेड और मक्खन को नष्ट करने की कार्यवाही की गई। इसी क्रम में अन्नपूर्णा होटल से पनीर का सैंपल लिया गया और गंदगी पाए जाने पर चालान की कार्यवाही की गई जबकि बूचड़खाना तल्लीताल में सफाई न होने पर इकबाल अहमद का चालान किया गया और सुभान अहमद का लाइसेंस निलंबित करने की कार्यवाही की गई जबकि शशि होटल का निरीक्षण करने पर होटल में स्नैक्स सॉस एक्सपायरी डेट की मिलने पर चालान की कार्यवाही की गई।

बाल विवाह सामाजिक सामाजिक अपराध

रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ग्राम पंचायत रानीबाग स्थित जन मिलन केंद्र में बाल विवाह रोकने को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बाल विकास परियोजना, भीमताल के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रानीबाग की प्रशासक कलावती थापा रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कलावती थापा ने कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक अपराध ही नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन का साथ दें और इसकी सूचना समय पर दें। सीडीपीओ रेनू मरतोलिया ने बताया कि बाल विवाह न केवल शिक्षा और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है, बल्कि यह कानूनी रूप से दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को शिक्षित करने और उनके सपनों को पूरा करने का अवसर देने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस प्रशासन ने बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस मौके पर डा. उषा ओली ने बाल विवाह के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों पर प्रकाश डाला और ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का उज्ज्वल आधार समझें। इस दौरान सीडीपीओ रेनू मर्तोलिया, सुप. रवाइजर रीना यादव, डा. उषा ओली, पुलिस प्रशासन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

संस्कृत विद्यालय को भूमि उपलब्ध करवाने की मांग

श्रीनगर। श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय, श्रीनगर में नवीन प्रवेशोत्सव एवं राज्य स्तरीय वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शुक्रवार को कल्याणेश्वर धर्मशाला में श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय श्रीनगर का प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पुस्तक लेखन पर कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कालाढूंगी रोड हल्द्वानी में 1 व 2 मई को दो दिवसीय विज्ञान प्रायोगिक पुस्तक लेखन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

नैनीताल जनपद के 9 शिक्षकों ने किया प्रतिभाग

हुआ। कार्यशाला में नैनीताल जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए विज्ञान और गणित के कुल 9 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रयोगों पर आधारित सामग्री तैयार करना था। प्रतिभागियों द्वारा प्रयोगों का लेखन कार्य किया गया, साथ ही उनके प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किए गए। यह कार्यक्रम डाइट भीमताल के विज्ञान समन्वयक डा. पूरन सिंह बुगला के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यशाला में संतोष कुमार जोशी, विजेता बिष्ट, बलवंत सिंह रौतेला, गीता नेगी, डा. विजेता मनराल, राजेंद्र सिंह राठौर, इंदर सिंह रमोला, सुनील सिंह नेगी एवं डा. श्वेता मजगई ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य सुरेश चंद्र आर्य, राजेश पांडे एवं हरीश बिष्ट सहित कई शिक्षाविद् एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

हिंदी साहित्य पर रखे विचार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। कुमाऊंनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति प्रचार समिति की ओर से शुक्रवार को कुमाऊंनी भाषा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने समकालीन हिंदी साहित्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रा वृतांत, अनुवाद और पटकथा लेखन आदि को लेकर विचार रखे। नगर के लक्ष्मी भंडार हुक्का क्लब में आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में समकालीन हिंदी के प्रख्यात लेखक डा. हरिसुमन बिष्ट मौजूद रहे। कहा कि एक लेखक के तौर पर उनका मानना है कि पढ़ना बेहद महत्वपूर्ण है। जब तक एक लेखक दुनिया भर के साहित्य का अध्ययन नहीं करता तब तक उसके दृष्टिकोण का विकास नहीं होता। उन्होंने कहा

कि कुमाऊंनी लेखन में आम जनमानस की समस्याओं व उनकी पीड़ाओ तथा सामाजिक विसंगतियों को भी जगह मिलनी चाहिए। कहा कि कुमाउनी भाषा को बचाने के लिए सभी को आगे आने की जरूरत हैं। इस अवसर पर महेश प्रसाद टम्टा को डा. नारायण दत्त पालीवाल स्मृति मंदिर पर लेख लेखन पुरस्कार व डा. पवनेश ठकुराठी को भारतेन्दु निर्मल जोशी स्मृति समालोचना लेखन पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यहां नीरज पंत, डा. हयात सिंह रावत, डा. एसएस पथनी, महंत त्रिभुवन गिरी महाराज, जमन सिंह, कमला, बलवंत सिंह, दीवान सिंह बिष्ट, केबी पांडे, रूप सिंह, ध्रुव, चन्दन, शशि शेखर आदि रहे।

एक नजर

कोहरे में लिपटा रहा नैनीताल

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में शुक्रवार को हल्की बारिश के बाद नगर कोहरे में लिपट गया। नगर में सुबह के समय हल्की रिमझिम बारिश हुई। नगर में सुबह 10 बजे से बारिश शुरू हो गई और हल्की रिमझिम की बारिश का क्रम लगभग एक बजे तक जारी रहा। वर्षा थमने के बाद घने बादल छाए रहे और सांय चार बजे मौसम सफ़ हो गया और धूप निकल आई। मौसम विभाग देहरादून के राज्य निदेशक डा. बिक्रम सिंह के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले कुछ दिन मौसम का मिजाज खराब रहने की संभावना है। हल्की से मध्यम बारिश कई हिस्सों मे होगी। पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना रहेगी। इस बीच तेज हवा के साथ अंधड़ का पूर्वानुमान भी है। साथ ही तापमान में गिरावट आएगी। इधर जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 28 व न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रहा।

आतंकियों को सख्त सजा देने की मांग

अल्मोड़ा। एनएमओपीएस के बैनर तले देघाट के भगवती मंदिर से मुख्य बाजार तक शिक्षक और कर्मचारियों ने कैंडल मार्च निकाला। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आतंकियों की इस कायराना हरकत को कतई बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

सरकार को आतंकियों को चुन-चुन कर उनके किए की सजा देनी चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों ने बाजार में कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कैंडल मार्च में स्थानीय जनप्रतिनिधि और व्यापारी भी शामिल हुए। यहां डा. नवीन जोशी, व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक तिवारी, मान सिंह रावत, थानाध्यक्ष दिनेश महंत, राजस्व उप निरीक्षक सुरेन्द्र, गोपाल रावत, दिनेश तिवारी, गिरीश कुमार, प्रकाश पपनोई, वीरेंद्र रावत, जगत अधिकारी, अशोक अग्रवाल, महेंद्र चौहान, चारू, दीपक खाती, मंजू, स्वाति, पंकज बहुगुणा, नारायण मेहरा, नीलम, धीरेंद्र चौहान, किशोर कुमार, संजय भंडारी, सुरुचि देवरानी, प्रभुदयाल, कल्याण सिंह, नरेंद्र रावत, दिनेश पंत, शंकर पपनोई, शेखर तिवारी, आनंद पोखरियाल, संजय रावत आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण आंदोलन जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आह्वान पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2024 को लेकर जारी किया जा रहा अनूठा पौधारोपण आंदोलन शुक्रवार को 301वें दिन भी जारी रहा।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनाकर आइए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत शुक्रवार को देहरादून से आए पर्यटकों राजन, विनय, नमिता तथा भारती ने पौधारोपण आंदोलन से जुड़ते हुए पर्यटक आवास गृह परिसर पिथौरागढ़ में पौधरोपण किया। पर्यटकों ने कहा कि वह उत्तराखंड में कई पर्यटक स्थलों पर गए लेकिन जैसी हरियाली यहां देखी ऐसी कहीं नहीं मिली। वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के लिए यहां पर बहुत काम हुआ है और जो उन्होंने नई मुहिम पर्यटकों को पौधारोपण से जोड़ने की चलाई है जिसमें पर्यटकों के माध्यम से पौधारोपण कर रहे हैं सराहनीय है।

डबल इवेंट के लिए तीन खिलाड़ी चयनित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स बिहार 2025 के लिए उत्तराखंड की सेपक टाकरा बालक वर्ग डबल इवेंट टीम के लिए प्रदेश के 3 खिलाड़ियों

बिहार में होगी 7वें खेलो इंडिया गेम्स प्रतियोगिता

का चयन प्रशिक्षक सहित कर लिया गया है।

बता दें कि खेलों इंडिया यूथ गेम्स के सातवें संस्करण खेल जो बिहार राज्य द्वारा 4 से 15 मई 2025 तक बिहार के अलग-अलग जनपदों में कराए जाने हैं इन खेलों में कुल 28 खेलों को शामिल किया गया है जिसमें से 27 खेलों को पदक सूची मे रखा गया है। इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में सेपक टाकरा को पदक सूची में रखा गया है जिसमें उत्तराखंड के द्वारा डबल इवेंट में क्वालीफाई किया गया है। इस प्रतियोगिता हेतु 16अप्रैल 2025 को स्पोर्ट्स स्टेडियम रुद्रपुर में चयन ट्रायल प्रक्रिया को पूर्ण कर प्रदेश की टीम का गठन किया गया था। उक्त अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी ऊधम सिंह नगर जानकी कार्की द्वारा बताया गया कि 7 वे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रतिभाग करने के लिए उत्तराखंड प्रदेश की बालक वर्ग के डबल इवेंट टीम का चयन ट्रायल की प्रक्रिया को पूर्ण कर प्रदेश के 3 खिलाड़ियों क्रमश: हिमांशु गड़िया, मोहित उप्रेती तथा प्रियांशु भट्ट का चयन किया गया। उक्त चयन ट्रायल प्रक्रिया में प्रदेश भर के एक दर्जन से ऊपर खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी अपनी खेल प्रतिभाओं को दर्शाया। उक्त चयन ट्रायल प्रक्रिया को जिला ओलंपिक उधम सिंह नगर के अध्यक्ष डा. नागेन्द्र प्रसाद शर्मा द्वारा सफल एवं पूर्ण किया गया। डा. नागेंद्र शर्मा द्वारा बताया गया कि उक्त टीम का प्रशिक्षण शिविर 18 अप्रैल से 2 मई 2025 तक रुद्रपुर कल्याणी व्यू स्थित सेपक टकरा कोर्ट में लगाया गया। शुक्रवार को प्रशिक्षण शिविर का समापन किया गया। अब शनिवार (आज) प्रात: 10 बजे रुद्रपुर से टीम बिहार पटना में आयोजित सेपक टाकरा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में प्रतिभाग करने जाएगी। इस अवसर पर तीनों खिलाड़ियों और प्रशिक्षक गौरव बिनवाल को भी सम्मानित किया गया।

सेंट मैरी में एजुकेशन फेयर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित सेंट मैरी कालेज में कैरियर काउंसलिंग एजुक. ेशन फेयर आयोजित किया गया।

फेयर में नगर के अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न विश्व विद्यालयों के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग की गई। आयोजक ईशा साह ने बताया कि पिछले कई वर्षों से कैरियर काउंसलिंग करवाते आ रही हैं। जिसके चलते बच्चों को उनका भविष्य संवारने का मौका मिलता है। प्रधानाचार्य सिस्टर मंजूषा ने कहा कि इस तरह के फेयर के आयोजन से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में चयन करने का मौका मिलता है। इसी उद्देश्य से यह फेयर विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें देश के विभिन्न महानगरों में स्थित विश्व विद्यालय शामिल हुए और बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए मार्ग दर्शन किया गया। काउंसलिंग में बिड़ला विद्या मंदिर, मोहन लाल साह बाल विद्या मंदिर, सनवाल स्कूल, सेंट जोजफ़ कालेज, आल सेंट्स कालेज, बिशप शॉ इंटर कालेज, सेंट मैरी कालेज, हरमन माइनर विद्यालय भीमताल व लौंग व्यू पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी शामिल शामिल हुए। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मंजूषा उपस्थित रहीं।

तुगनाथ में स्थित हैप्रेक का फील्ड स्टेशन शोध कार्यों के लिए खुला

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र का तुंगनाथ में स्थित अल्पाइन शोध स्टेशन ग्रीष्मकाल के कार्यों के लिए खुल गया है।

उत्तराखण्ड के प्रसिद्द सिद्धपीठों में से एक भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलने के साथ ही एशिया का समुद्र तल से अधिकतम दूरी पर स्थापित गढ़वाल विवि का अल्पाइन फील्ड शोध स्टेशन ग्रीष्मकाल में किए जाने वाले शोध कार्यों के खोल दिया गया है। तुंगनाथ स्थित फिल्ड़ स्टेशन में बहुमूल्य एवं संकटग्रस्त अतीस, मीठा, जटामांसी, ब्रहमकमल, ऋभक, डोलू, आर्चा सहित अनेक बेसकिमती औषधीय पादपों का संरक्षण किया जा रहा है। गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) के निद. ेशक एवं फील्ड शोध स्टेशन के प्रभारी डॉ. विजयकांत पुरोहित ने बताया गया है कि अल्पाइन शोध केन्द्र की स्थापना 1989 में पद्मश्री प्रो. आदित्य नारायण पुरोहित द्वारा उच्च हिमालय की वनस्पतियों पर शोध किए जाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में शोध स्टेशन में पचास से अधिक बहुमूल्य औषधीय पादपों का संरक्षण किए जाने के साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से जड़ी-बूटियों पर हा रहें प्रभावों की निगरानी तथा बचाव की तकनीकियों को निजात करने पर शोध कार्य किए जा रहे हैं।

आरसीबी की नजरें सीएसके के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने पर

● आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण भुवनेश्वर की अनुभवी गेंदबाजी पर निर्भर करता है

बेंगलुरु, वार्ता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने गृह मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 52 वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत की लय को बरक. रार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण भुवनेश्वर कुमार की अनुभवी गेंदबाजी और जोश हेजलवुड की जबरदस्त फॉर्म की बदौलत इस बार बहुत मजबूत दिख रहा है। दूसरी तरफ, सीएसके की टीम इस सीजन में न अच्छी बल्लेबाजी कर पा रही है और न ही गेंदबाजी में असर दिखा पाई है, जिससे उनके लिए आरसीबी को हराना आसान नहीं होगा। इस सीजन में आरसीबी की गेंदबाजी पूरी रंग में दिखाई दे रही है और यही उनकी जीत की बड़ी वजह भी बनी है। भुवनेश्वर कुमार की स्विंग, जोश हेजलवुड की सटीक गेंदबाजी और क्रुणाल पांड्या के ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम को एक मजबूत गें. दबाजी इकाई बना दिया है। पिछले सीजन की गेंदबाजी की कमजोरी इस बार नजर नहीं आ रही हैं।

वहीं, सीएसके की गेंदबाजी इस सीजन में तालमेल नहीं बिठा पाई है, जिससे आरसीबी को कल के मुकाबले में जीत के लिए पुरानी लय बरकरार रखनी पड़ेगी। हालांकि आरसीबी ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर लय में आयी है, लेकिन घर पर उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस सीजन में उन्होंने अपने चार में से तीन मेजबा. नी मैच हारे हैं। इसके बावजूद, बाहर के मैदानों पर उनका मजबूत प्रदर्शन और बल्लेबाजी और गेंदबा. जी दोनों में गहराई उन्हें इस मुक. ाबले को दिलचस्प बनायेगी। आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन टीम की कमान संभालते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं विराट कोहली ने भी इस बार अच्छी लय पकड़ ली है और देवदत्त पडिक्कल लगातार रन बना रहे हैं। ये तीनों बल्लेबाज आरसीबी की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, सीएसके इस सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रही है। टीम ने लगातार तीन मुकाबले हारे हैं और प्रदर्शन काफी निराशा. जनक रहा है। इस बार एमएस धोनी की कप्तानी का अनुभव भी टीम के काम नहीं आया है। इसकी वजह उनकी गेंदबाजी है उनके गेंदबाज लगातार विकेट लेने में नाकाम रहे हैं। सीएसके के अहम गेंदबाज मथीशा पथिराना और खलील अहमद फॉर्म से बाहर चल रहे हैं, जबकि स्पिन विभाग में रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद धोनी की उम्मीद में खरे नहीं उतर पा रहे हैं। सीएसके की बल्लेबाजी में गहराई तो है, लेकिन आक्रामकता की कमी के कारण टीम बड़े स्कोर बनाने या प्रभावी तरीके से लक्ष्य का पीछा करने में असफल रही है। सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस कुछ अच्छे फॉर्म में दिखाई दिये, लेकिन टीम निरंतरता बनाए रखने में संघर्ष करती रही है। आगामी मैच में सीएसके वापसी की कोशिश करेगा, लेकिन उनकी वर्तमान फॉर्म और आरसीबी की मजबूत गेंदबाजी को देखते हुए यह चुनौती सीएसके के लिए बहुत बड़ी होगी। चिन्नास्वामी की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, जो दोनों टीमों को बड़े स्कोर बनाने का मौका देगी।

● केसीए पर विवादित टिप्पणी ●

श्रीसंत पर लगा तीन साल का बैन

श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सहमालिक है

तिरुवनंतपुरम, वार्ता। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में संजू सैमसन को नहीं चुने जाने को लेकर हुए विवाद में भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत के खिलाफ एक्शन लिया है। केसीए ने श्रीसंत पर सैमसन का समर्थन करने के बहाने उनके क्रिकेट संघ पर कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया और उन्हें तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने बयान में कहा कि यह फैसला 30 अप्रैल को कोच्चि में विशेष बैठक में लिया गया। केसीए के मौजूदा अध्यक्ष जयेश ने भी श्रीसंत पर इस मामले के लिए निशाना साधा था। श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सह मालिक हैं। इससे पहले उनके विवादित बयान के सिलसिले में श्रीसंत, कोल्लम टीम, अलपुझा टीम लीड और अलपुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। बयान में कहा गया, फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दे दिया लिहाजा उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन बैठक में तय किया गया कि टीम प्रबंधन के सदस्यों की नियुक्ति के समय काफी एहतियात बरतने की सलाह दी जाएगी। बयान में यह भी कहा गया कि संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन का नाम लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा किया जाएगा। केसीए ने दो बार के विश्व कप विजेता श्रीसंत को एक मलयालम टीवी चैनल पर परिचर्चा के दौरान सैमसन और केसीए से जुड़ी टिप्पणियों के कारण नोटिस जारी किया। केसीए ने बयान में स्पष्ट किया कि नोटिस सैमसन का समर्थन करने के लिए नहीं दिया गया है बल्कि केसीए के खिलाफ भ्रामक और अपमानजनक टिप्पणियां करने पर दिया गया है। श्रीसंत ने टीवी पर सैमसन के प्रति कथित तौर पर समर्थन जताते हुए केसीए पर आरोप लगाये थे।

भारतीय टीम में वापसी को अब भी उत्सुक अजिंक्य रहाणे

रहाणे घरेलू सर्किट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और आईपीएल में केकेआर के लिए खेल रहे

नई दिल्ली, वार्ता। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। रहाणे का कहना है कि वह राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर उत्सुक हैं क्योंकि उनमें अभी भी रन बनाने की भूख और जुनून बाकी है।

रहाणे एक समय में भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान थे, लेकिन उन्होंने देश के लिए आखिरी बार 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर मुकाबला खेला था। रहाणे घरेलू सर्किट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और आईपीएल 2025 में केकेआर के लिए उन्होंने दम दिखाया है। रहाणे मौजूदा आईपीएल सीजन में 10 मैचों में 297 रन बना चुके हैं। रहाणे ने कहा कि उनके अंदर भारतीय टीम के लिए भूख, इच्छा और जुनून अभी भी बाकी है। रहाणे के लिए गौरव का सबसे बड़ा क्षण शायद 2020-21 का आस्ट्रेलिया दौरा था जिसमें उन्होंने चोटों से जूझ रही टीम का नेतृत्व करते हुए भारत को टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत दिलाई थी। रहाणे ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, हां, मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से अधिक देता हूं।

यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं और इस समय मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। रहाणे ने 2011 में डेब्यू किया था और वह तीनों प्रारूप मिलाकर भारत के लिए 195 मैच खेल चुके हैं। रहाणे ने भारत के लिए खेलते हुए 8414 रन बनाए हैं। रहाणे के नेतृत्व में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने उतरी है और अभी प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार है। उन्होंने कहा, हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बढ़कर कुछ नहीं है। मैं फिर से भारतीय जर्सी पहनना चाहता हूं।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

● टी-20 में एक टीम के लिए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान

जयपुर, वार्ता। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा शानदार फार्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को राजस्थान रायल्स के खिलाफ सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ा और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी-20 में एक टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। हिटमैन के लिए सत्र की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी। शुरुआती पांच मैचों में वह 0, 8, 13, 17 और 18 रन की पारी खेलकर आउट हो गए थे। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और धमाकेदार वापसी करते हुए पिछली पांच पारियों में तीन अर्धशतक बना डाले। राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 31 गेंदों में आईपीएल 2025 का अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ वह एक टीम के लिए टी-20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में रोहित ने हैम्पशायर के जेम्स विंस को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 6000 से ज्यादा रन बना लिए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा पारी के दूसरे ओवर में आउट होने से बाल-बाल बचे थे। इसके बाद उन्होंने जीवनदान का भरपूर लाभ उठाया और 36 गेंदों में 53 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस शानदार पारी के दौरान उनके बल्ले से नौ चौके निकले। हिटमैन ने पहले विकेट के लिए रेयान रिकेल्टन के साथ 116 रन की साझेदारी निभाई।

जडेजा ने चेन्नई के खराब प्रदर्शन की वजह बताई

ऑक्शन में गलती की, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा: अजय

नई दिल्ली, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल में लगातार दूसरे सीजन में खराब प्रदर्शन जारी है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी और इस सीजन भी उम्मीद कम ही लग रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि फ्रैंचाइजी ने आक्शन में गलती की, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है। आईपीएल 2025 के जियोस्टार एक्सपर्ट अजय जडेजा ने सीजन के प्ले-ऑफ की रेस में टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों पर सोमवार को मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस का बहुत बड़ा फैन हूं। धोनी और तेंदुलकर ही वो कारण हैं जिनकी वजह से हमारी पीढ़ी के ज्यादातर लोग शायद इन दो टीमों को देखते हैं। इसलिए सीएसके के प्रदर्शन से मैं भी थोड़ा निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि नीलामी में आप देख सकते हैं कि उनके पास वह ताकत नहीं है जो अन्य टीमों के पास है। इसलिए शायद यही कारण रहा। और फिर, स्वाभाविक रूप से, जब चीजें ठीक नहीं होती हैं, तो आप हार जाते हैं।

खेल विशेष

मैरीकाम का खुलासा, डेढ़ साल पहले हुआ तलाक

● कहा: अफेयर के बातें गलत, करुंग ओनलर से 2005 में हुई थी शादी

नई दिल्ली, वार्ता। ओलिंपिक मेडल विजेता एमसी मैरीकाम का उनके पति करुंग ओनलर से तलाक हो चुका है। छह बार की विश्व चैंपियन रह चुकीं मैरीकाम ने करीब 16 महीने बाद इसका खुलासा किया। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर उन अफवाहों के बाद दी, जिनमें उनके हितेश चौधरी या एक अन्य बाक्सर के पति से संबंध होने की बात कही जा रही थी। दोनों का अलगाव 20 दिसम्बर 2023 को आपसी सहमति से दोनों परिवारों और बुजुर्गों की उपस्थिति में, काम प्रथागत कानून के तहत हुआ। 2005 में दोनों की शादी हुई थी। अफेयर को लेकर दी सफाई मैरीकाम ने हितेश चौधरी के साथ अफेयर को लेकर सफाई दी। हितेश बिजनेस पार्टर और मैरी काम बाक्सिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। मैरी पर एक अन्य बाक्सर के पति के साथ अफेयर के आरोप भी थे। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर, मैरी काम ने अपनी ओर से जारी एक कानूनी नोटिस शेयर किया। नोटिस में यह स्पष्ट किया गया कि उनका तलाक सौहार्दपूर्ण ढंग से महीनों पहले हो गया था और वह आगे बढ़ चुकी हैं और अपने पिछले विवाह पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती हैं। बयान के अनुसार हितेश चौधरी या किसी और को डेट करने की उनकी अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं। बयान में मीडिया प्लेटफार्म से उनकी गोप. नीयता का सम्मान करने और गलत सूचना फैलाने से बचने का भी आग्रह किया गया। मैरी ने कानूनी करवाई और मानहानि करने की चेतावनी दी मैरी काम ने झूठी अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके निजी जीवन का सम्मान नहीं किया गया।

श्रीलंका की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराया

मालकी ने चार विकेट और देवमी विहंगा ने तीन विकेट लिए, हर्षिता ने 77 और कविशा ने 61 रन बनाए

कोलंबो, वार्ता। मालकी मदारा (चार विकेट), देवमी विहंगा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (77) और कविशा दिलहारी (61) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने शुक्रवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 21 गेंदे शेष रहते दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के 235 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर कप्तान चामरी अटापट्टू (छह) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद विष्मी गुणारत्ने ने हसिनी परेरा के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 15वें ओवर में एन म्लाबा ने विष्मी गुणारत्ने (29) को पगबाधा आउटकर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने मोर्चा संभाला। 18वें ओवर में सुने लूस ने हसिनी परेरा (42) को आउटकरा पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आयी कविशा दिलहारी ने समाराविक्रमा के साथ 128 रनों की रिकार्ड साझेदारी कर श्रीलंका की जीत की नींव रखी। कविशा दिलहारी ने 75 गेंदों में (61) रनों की पारी खेली। कविशा को एन म्लाबा ने आउट किया। हर्षिता समाराविक्रमा ने 93 गेंदों में (77) रन बनाये। श्रीलंका के पांचवें विकेट के रूप में हर्षिता को डी क्लर्क ने आउट किया। श्रीलंका ने 46-3 ओवर में पांच विकेट पर 237 रन बनाकर मुक. ाबला पांच विकेट से जीत लिया। नीलाक्षी डिसिल्वा (11) और अनुष्का संजीवनी (एक) रन बनाकर नाबाद रही। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिए। मासाबाटा क्लास, नडीन डी क्लर्क और सुने लूस ने एक-एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कप्तान लॉरा वुलफार्ट (10) और तेजमिन ब्रिट्स (14) रन के विकेट जल्द गवां दिये। मालकी मदारा ने वुलफार्ट को और सुगंधिका कुमारी को ब्रिट्स ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद करबो मेसो (नौ) रन बनाकर आउट हुई। लारा गुडॉल और सुने लूस ने पारी संभालने का प्रयास किया। लेकिन वे भी अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सकी। 29वें ओवर में देवमी विहंगा ने सुने लूस (31) को बोल्ड कर श्रीलंका पांचवीं सफलता दिलाई। क्लोई ट्राइऑन (35), एन डी क्लार्क (17), मासाबाटा क्लास (चार) और म्लाबा (शून्य) पर आउट हुई। एनेरी ने 60 गेंदों में (नाबाद 61) रनों की पारी खेली।

कोको गॉफ-सबालेंका फाइनल में भिड़ेंगी

मैड्रिड ओपन

मैड्रिड, वार्ता। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और बेलारुस की आर्यना सबालेंका के बीच मैड्रिड ओपन के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल में चार बार की फेंच ओपन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में जगह बनाई। 21 वर्षीय गॉफ ने एक घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में स्वियाटेक को 6-1, 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। यह पहली बार है जब गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियाटेक को हराया है। एक अन्य मैच में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-3, 7-5 से हराकर महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। इसी के साथ अब कोको गॉफ फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से भिड़ेंगी।

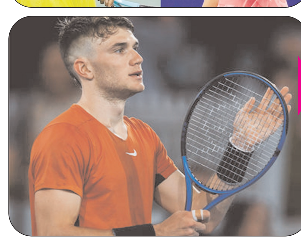

माटेओ अर्नाल्डी को हराकर जैक ड्रेपर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, वार्ता। ब्रिटेन के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ड्रेपर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी को 6-0, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। ड्रेपर का सेमीफानइल में मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि मैं हर बार खेलने पर स्वयं को मजबूत महसूस करता हूं। मैं सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा कर रहा हूँ और उम्मीद है कि यह आगे भी जारी रहेगा।

गुजरात ने हैदराबाद को 225 रन का लक्ष्य दिया

गिल ने 76, बटलर ने 64 रन बनाए, साई सुदर्शन सबसे तेज 2 हजार टी-20 रन बनाने वाले भारतीय बने

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने आईपीएल के 51वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को जीत के लिए 225 रन का टारगेट दिया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हैदराबाद ने बालिंग चुनी। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर के बाद 6 विकेट खोकर 224 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 76 रन बनाए। जबकि जोस बटलर 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 48 रन की पारी खेली। जयदेव उनादकट ने 3 विकेट झटके। पैट कमिंस और जीशान अंसारी को एक-एक विकेट मिला। 19वें ओवर में ट्रैविस हेड ने वाशिंगटन सुंदर का कैच ड्राप कर दिया। हालांकि अगली बाल पर अभिषेक शर्मा ने जोस बटलर का कैच पकड़ा। जोस बटलर 64 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। 18वें ओवर की आखिरी बाल पर जोस बटलर ने छक्का लगाकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। हर्षल पटेल के इस ओवर से 15 रन आए। जोस बटलर ने 17वें ओवर में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 31 बाल पर अर्धशतक बनाया। यह बटलर की मौजूदा सीजन में 5वीं फिफ्टी है। 14वें ओवर में कप्तान शुभमन गिल 76 रन बनाकर रनआउट हुए। उन्हें हर्षल पटेल के थ्रो पर विकेटकीपर हेनरिक क्लासन ने आउट किया। बटलर ने गुड लेंथ की बाल पर फाइन लगे की दिशा में खेला और रन लेने के लिए निकल पड़े। हर्षल पटेल ने बाल को स्टंप पर थ्रो किया। जिसे कलेक्ट करके हेनरिक क्लासन ने विकेट पर मारा। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद गिल ने फील्ड अंपायर से नाराजगी जताई। उनका कहना था कि गिल्लियां क्लासन के ग्लब्स से गिरी हैं। 12वें ओवर में शुभमन गिल और जोस बटलर ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। इसी ओवर में पैट कमिंस से कवर में बटलर का कैच ड्राप भी हो गया। शुभमन गिल ने 10वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने मोहम्मद शमी की बाल पर चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 25 बाल पर हाफ सेंचुरी लगाई।

बांग्लादेश शारजाह में यूएई के साथ खेलेगा दो टी-20 मैच

दुबई, वार्ता। बांग्लादेश अपने पाकिस्तान के दौरे से पहले 17 मई और 19 मई को शारजाह में यूएई के साथ दो टी-20 मैच खेलेगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सीओओ सुभान अहमद ने बताया कि पिछले तीन सालों में हमने आईसीसी के पूर्ण सदस्य न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान टीमों की मेजबानी की है, जबकि बांग्लादेश का यह दूसरा द्विपक्षीय टी-20 दौरा तीन सालों बाद हो रहा है। बांग्लादेश के साथ यह दो मैचों की सीरीज इस साल होने वाली टी-20 एशिया कप से पहले यूएई की तैयारी का अवसर है। इस दौरे को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा कि हम इस टी-20 सीरीज के आयोजन के लिए अमीरात क्रिकेट बोर्ड की पहल की सराहना करते हैं। ये मैच आगामी एशिया कप सहित व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले हमारी टीम की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बंग दर्शन और शास्त्री का विजय अभियान जारी

नई दिल्ली, वार्ता। आशीष और सौरभ रावत ऽे दर्शनीय गोलों की मदद से बंग दर्शन एफसी ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2 -1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग के रोमांचक मैच में पूरे अंक अर्जित किये। नेहरू स्टेडियम में खेले गए उतारचढाव वाले इस मुकाबले में पराजित टीम का गोल जांगूनहाओ ने किया मैच के सभी गोल आकर्षक रहे।

उधर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन मुकाबले में शास्त्री एफसी ने भारतीय वायुसेना को 4-2 से परास्त किया। विजेता की जीत का आकर्षण एंडी जाखरी के दो गोल रहे। गोपी सिंह और वाशलांग दखार ने एक-एक गोल जमाए। वायुसेना के गोल समुएल वनलाल्पेका और अमन खान ने किए। युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय वायुसेना ने पहले हाफ में दमदार प्रदर्शन किया लेकिन जैसे जैसे खेल आगे बढ़ा वायुसैनिकों की अनुभवहीनता भारी पघ्ने लगी। खासकर, दूसरे हाफ में शास्त्री एफसी ने रफ्तार पकड़ी और बेहतरीन गोल जमा कर पूरे अंक झटक लिए। आमतौर पर पाला बदलने के बाद वायुसैनिकों के तेवर बदल जाते हैं लेकिन प्रतिद्वंद्वी फारवर्ड एंडी जाखारी, सेमन, गोपी और होकिप को रोक पाने में वायुसैनिक विफल रहे। उनके फारवर्ड भी आसान मौकों का फायदा नहीं उठा पाए।

चाचा ही निकला भतीजी से दुष्कर्म का आरोपी, गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कस्बे में नौ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे बाद पुछताछ के चालान कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

लंढौरा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 27 अप्रैल की शाम उसके चचेरे भाई का लड़का उसकी नौ वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर जंगल में ले गया था। जहां उसने उसकी मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म के बाद आरोपी बच्ची को मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए उसे उसके घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपी की धर पकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए मंगलौर पुलिस को मानवता को शर्मसार करने वाली घटना का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए थे। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल की लीडरशिप व सीओ विवेक कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने पुलिस टीम का गठन कर आरोपी तलाश शुरू की। बुधवार की देर शाम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलौर-लंढौरा मार्ग पर बाल्टी वाले पीर के पास से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि नौ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के आरोपी अफजल पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला बाहर किला बाजार

लंढौरा को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब आरोपी कही भागने की फिराक में था। पुलिस टीम में महिला उप निरीक्षक नीलम कास्टेबल पुनीत, राजेन्द्र व रविंद्र का अहम योगदान रहा।

कर्नल ने बीएसएम कॉलेज में एनसीसी की गतिविधियों का किया निरिक्षण

प्राचार्य ने किया एनसीसी अधिकारी का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कर्नल रामाकृष्णन समेश, कमान अधिकारी ने बीएसएम. पी.जी. कॉलेज, रूडकी में एनसीसी की गतिविधियों का औचक निरिक्षण किया। कॉलेज के एनसीसी कक्ष, उपकरण एवं अन्य सुविधाओं के निरीक्षण के साथ-साथ एनसीसी का उपस्थिति रजिस्टर, गतिविधि रिकॉर्ड, कैडेट्स की जानकारी आदि का निरीक्षण भी किया। अभिलेख अद्यतन पाए गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी मेजर प्रोफेसर गौतमवीर ने बुके देकर महाविद्यालय में स्वागत किया। इस अवसर पर कर्नल रामाकृष्णन रमेश ने इस बात पर बल दिया

❖कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन समेश का कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य कैप्टन गौतमवीर ने बुके देकर किया इस्तकबाल

कि एनसीसी कैडेट्स को केवल शारीरिक या सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित न रखा जाए बल्कि उन्हें एक बहुआयामी, जागरूक और नेतृत्व क्षमता युक्त नागरिक बनाने के लिए इन कैडेटस को सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों की दिशा में भी प्रेरित किया जाना चाहिए। मेजर प्रोफेसर गौतमवीर ने इस बात पर फोस किया कि एनसीसी कैडेट्स को देशभक्ति गीत, नृत्य, लघु नाटिका (स्किट) या नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे उनका आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति दोनों का विकास हो सके। इस अवसर पर सूबेदार मेजर अमर सिंह, बीएचएम केशवानन्द सहित एनसीसी के समस्त कैडेट उपस्थित रहे।

बुग्गावाला पुलिस ने 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया नाबालिग का अपहरणकर्ता

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। नाबालिक के अपहरण मामले को एक चुनौती मानते हुए बग्गा वाला थाना पुलिस ने मामले में शानदार कार्रवाई की है। पुलिस मात्र 12 घंटे के अंदर नाबालिक को शक उसे बरामद करने के साथ अपहरण करता को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से खुश क्षेत्र के लोगों ने बुग्गावाला थाना पुलिस को शाबाशी दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 मई.2025 को पीड़ित मालो पुत्र राजेश कुमार निवासी शहीदवाला बुग्गावाला ने एक लिखित तहरीर देते हुए बताया था कि आसिफ निवासी बन्दरजूड द्वारा उसकी नाबालिग बहन उम्र 17 वर्ष को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। घटना की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा अपहृता की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी के थानाध्यक्ष बुग्गावाला को निर्देश दिये गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर मामले में प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की धर पकड़ के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए 12 घंटे के भीतर ही अपहरणकर्ता आशिफ पुत्र युनुस के कब्जे से नाबालिग को कुडकावाला तिराहे के पास से सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया गया। अपहरणकर्ता को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 ममता रानी, कानि0 विक्रम, महिला कां0 नीलम आदि शामिल रहे।

पुलिस ने दबोचे तीन वाहन चोर, 8 बाइकें बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए तीन मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार किए हैं। उनसे चोरी की आठ मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार शेखर सुयाल एसपी देहात रुड़की ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार के आदेश अनुसार संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस क्षेत्र अधिकारी लक्सर कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा एसएसआई मनोज गैरोला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुख्यवीर की सूचना पर छापेमारी करते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से आठ चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ करने पर उन व्यक्तियों ने अपने नाम साहिल अंसारी पुत्र रियाजुल हसन निवासी ईदगाह के सामने बसेड़ी कोतवाली लक्सर उम्र 24 वर्ष गुलजार अली पुत्र कालू हसन निवासी निकट संगम पैलेस बसेड़ी उम्र 25 वर्ष आरीश पुत्र फुरकान निवासी मजार के पास बसेड़ी उम्र 20 वर्ष बताया। उनके कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल बरामद हुई। उनको गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर लक्सर पुलिस चौकी प्रभारी विपिन कुमार अपर उपनिरीक्षक रंजीत

नौटियाल हेड कांस्टेबल मोहन खोलिया कांस्टेबल किशोर नेगी मनोज शर्मा शामिल रहे। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक संदिग्ध दबोचा

शाह टाइम संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा जानकारी दी गई की एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम के द्वारा 1 मई 20 25 को सूचना मिली थी की व्यक्ति संदिग्ध घूम रहा है जो किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। उस सूचना पर पुलिस टीम को भेजा गया पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम नदीम पुत्र शराफत निवासी ग्राम मोहम्मदपुर कुन्हारी थाना कोतवाली लक्सर उम्र 26 वर्ष बताया। उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नवीन सिंह चौहान हेड कांस्टेबल मनोज मीनान कांस्टेबल आशीष पांडे शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

अंबेडकर की मूर्ति के बराबर में गोशाला बनाने को लेकर बढ़ता जा रहा है विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर नगर पालिका क्षेत्र वार्ड नंबर 1 के बराबर में वार्ड नंबर 8 में संविधान निर्माता परम पूज्य बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के बराबर में गौशाला बनाने को लेकर लगातार विरोध बढ़ता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज भी बसपा के जिला अध्यक्ष हरिद्वार आदेश कुमार द्वारा चेतावनी भरे लहजे में कहा गया कि जिस तरह से लक्सर गांव में बाबा साहब की मूर्ति के बराबर में गौशाला बनाने की तैयारी चल रही है। वह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा 7 मई को बहुत बड़ी तादाद में बसपा कार्यकर्ता लक्सर पहुंचेंगे और गौशाला बनाने का पुरजोर विरोध करेंगे वहीं मुकेश कुमार रवि जिला प्रभारी बसपा हरिद्वार ने यह भी कहा कि संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद का क्षेत्र बहुत बड़ा होता है गौशाला किसी और जगह बनाई जाए उसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है हम उसमें हर तरह का सहयोग देने के लिए तैयार है।

झूठी सूचना देना युवक को पड़ा भारी पुलिस ने पकड़ा

रूडकी। डायल 112 पर पुलिस को झूठी देना युवक को भारी पड गया। पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने में उसे गिरफ्तार किया है। कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा दिनांक 02/05/25 को कोतवाली गंगनहर क्षेत्रातर्गत रामनगर ठेके के बाहर आमदा फसाद कर रहा था तथा डायल 112 पर बार-बार कॉल करके झूठी सूचना देने पर 01 अभियुक्त मुकेश त्रेहन पुत्र गणेश त्रेहन निवासी ज्ञान विहार कॉलोनी को अंतर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार किया गया बाद आवश्यक कार्यवाही न्यायालय पेश किया जाएगा। पुलिस टीम अपर उप निरीक्षक कांता प्रसाद, हेड कांस्टेबल अशोक तिवारीकांस्टेबल स्वरूप शामिल रहे।

जमीनी विवाद में पिता-पुत्रों समेत पांच के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम संवाददाता

लंढौरा। तीन दिन पूर्व जैनपुर झंझेडी में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर हुए संघर्ष में पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर पिता पुत्रों समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है जल्द आरोपियों को पकड लिया जायेगा।

जानकारी के अनुसार जैनपुर झंझेडी निवासी वाजिद पुत्र इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी उसके चाचा के साथ जमीनी बटवारे को लेकर आपस में कई वर्षों से रंजिश चली आ रही हैं। इसी रंजिश के चलते 30 अप्रैल की रात जब वह अपने पिता व भाई साजिद के साथ अपने खेत से टैक्ट्रर-ट्राली में भूसा लेकर घर आए तो पहले से ही घात लगाये गये बैठे उसके चाचा व उसके पुत्रों ने अपने हाथों में लिये धारदार हथियारों व लाठी-डण्डों व सरियों से उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि उसके चाचा के लड़कों में से एक ने उसके भाई साजिद को जान से मारने की नीयत से देशी तमंचे से साजिद के ऊपर फायर कर दिया। साजिद के सिर पर गन-पाउडर लगने से साजिद लहूलुहान हो गया। पिडित का कहना है कि मारपीट व फायर की आवाज सुनकर राह चलते राहगीर व गांव के बहुत से लोग इकट्ठा होते देख आरोपी भविष्य में जान से मारने की धमकी देकर लाठी-डण्डे, सरिये व तमंचा लहराते हुए चले गए पिडित का कहना है कि घटना के संबंध में उसके द्वारा 112 नंबर जानकारी देने के बाद घंटों बाद तक भी लंढौरा पुलिस चौकी का कोई पुलिस कर्मी मौके पर कोई पर नहीं पहुंचा। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि वाजिद की तहरीर पर इरशाद पुत्र मजीद आमिर, अजीम, सुहेब, सुहैल पुत्रगण इरशाद के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मजदूरी के रुपये मांगने पर ठेकेदार ने महिला को पीटा

शाह टाइम संवाददाता

लंढौरा। भट्ठे पर ईट पथाई का काम करने वाली महिला द्वारा मजदूरी के रुपए मांगने पर ठेकेदार ने महिला को गाली गलौच करते हुए मारपीट कर डाली। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

जानकारी के अनुसार जिला बरेली निवासी साहीन ने तहरीर देकर बताया कि वह सहपरिवार लंढौरा में रुड़की लक्सर मार्ग पर स्थित एक भट्ठे पर ईट पथाई का काम करती है। महिला का कहना है कि ठेकेदार पर उसकी मजदूरी के दो लाख रुपये से अधिक की रकम बकाया चल रही है। बार-बार मांगने के बाद भी ठेकेदार मजदूरी की रकम नहीं दे रहा है। महिला का कहना है कि 15 दिन बाद उसकी बेटी की शादी है। आरोप है कि शुक्रवार को मजदूरी के बकाया रुपयों की मांग करने पर ठेकेदार ने उसे गाली गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। पीड़ित महिला ने आरोपी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी नवीन चौहान का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

भगवानपुर पुलिस ने तीन वारन्टियों को धर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। पुलिस ने न्यायालय के आदेशानुसार 03 वारन्टियों को धर दबोचा है। वारंटीयो को समय सीमा न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दिनांक- 02/05/25 को थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा न्यायालय रुड़की हरिद्वार द्वारा जारी वाद सं0 375/24 धरा 498ए/323,504 भादवि व दहेज अधि0 से सम्बन्धित अभि0गण 1-शाहिद पुत्र स्व0 जाहिद 2-श्रीमति जमीला पत्नि स्व0 जाहिद 3-श्रीमति शहरोज पत्नि शाहिद निवासी गण ग्राम सरवट जनपद मु0नगर उ0प्र0 को ग्राम सरवट से गिरफ्तार किया गया है। वारंटीयो को समय सीमा न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में उ0नि0 मुकेशदत्त नोटियाल ख्रथाना भगवानपुर, का0 राहुल कुमार- थाना भगवानपुर, हो0गार्ड राजकुमार-थाना भगवानपुर, म0पीआरडी गुलशाना थाना भगवानपुर शामिल रहे।

महिला की तहरीर पर 15 के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने एक महिला की तहरीर पर 6 महिलाओं 15 लोगो के खिलाफ घर मे घुसकर लाठी डंडो से मारपीट गाली गलौज, तोड़फोड़ तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। पिरान कलियर थाना क्षेत्र के ईमलीखेड़ा निवासी नगमा ने तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 20 फरवरी 2018 को शौकीन निवासी शांतरशाह गांव में हुआ था।उसका पति ओर ससुराल वाले उसे परेशान करते थे।इन लोगों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया था। वह अपने घर पर ताला लगाकर बेलड़ा गांव में अपनी मायके में गई हुई थी।ससुराल वालों ने उसके घर का फर्जी बैनामा इमलीखेड़ा निवासी शहबान के नाम कर दिया है। ब्रस्पतिवार को उसे जानकारी मिली कि शहबान ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके घर पर ताला लगा दिया है। वह अपने घर पहुंची ओर पुलिस को सूचना दी। इसी बीच शहबान अपने साथियों के साथ लाठी डंडे ओर तमंचा लेकर उसके घर मे घुस आया ओर तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देने लगा।उसके साथ लाठी डंडो से मारपीट करते हुए घर में तोड़फोड़ कर दी।घर में रखी हजारों रुपयों की नगदी मायके से लाया गया सामान वाशिंग मशीन, फ्रिज, बर्तन फर्नीचर अन्य सामान उठाकर ले गए।पीड़ित महिला ने तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। एसएसआई बीएस चौहान ने बताया कि महिला की तहरीर पर शहबान, साकिब, शाहिद, आमिल, वसीम ,जव्वाद, शौकीन, गुलबशर, जाहिद, फय्याज, सिबरा, मेविश, मिसया, गुलिस्ता, रिहाना निवासी इमलीखेड़ा थाना पिरान के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चेन छीनने पर मुकदमा

रूडकी। चार दिन पूर्व महिला से चेन छीनने के मामले में पुलिस ने अज्ञात बाईक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। गंगनहर कोतवाीी के गणेशपुर निवासी महिला ने बताया कि वह स्कूटी से मालवीय चौक की तरफ जा रही थी जैसे ही स्कूटी रोकी तभी अज्ञात बाईक सवार गले से चेन झपटकर फरर हो गया।

पुलिस ने एक वारंटी को पकड़ा

रूडकी। वारंटियो के विरुद्ध कोतवाली गंगनहर पुलिस की धर पकड़ लगातार जारी य न्यायालय के आदेशानुसार लगातार फरार चल रहे 01 वारंटी को किया गया गिरफ्तार' मा० न्यायालय से प्राप्त गैर जमानतीय वारण्टो की शत प्रतिशत तामील किये जाने हेतु 'च हरिद्वार महोदय' द्वारा निर्देशित किया गया है। आदेश के अनुपालन में कोतवाली गंगनहर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दिनांक 02-05-2025 को दबिश देकर '01 वारंटी' को गिरफ्तार किया गया। बाद गिरफ्तार वारंटी को नियमानुसार मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। 'नाम पता गिरफ्तार वारंटी शिवम पुत्र कपिल निवासी पुरानी तहसील कोतवाली गंगनहर है।

पुलिस ने सात लोगों को शांति भंग मे किया गिरफ्तार

शाह टाइम संवाददाता

रूडकी। कोतवाली रुडकी पुलिस द्वारा 07 व्यक्तियो को शांतिभंग करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार दिनाँक 01.05.2025 को सती मोहल्ला रुड़की के दो पक्षों में पैसो के लेनदेन को लेकर हुये विवाद की सूचना पर पुलिस ने मौके पर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया तो दोनों पक्ष लड़ाई झगड़े पर आमादा हो गए। काफी समझाने पर नहीं माने तो जिस कारण शांति व्यवस्था के दृष्टिगत सभी 07 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण 1.मेहरबान पुत्र अनीश निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 2.जुबेर पुत्र अनीश निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 3.इमरान पुत्र अनीश निवासी गण माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 4.बिलाल पुत्र उनरदराज निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 5.साहिल पुत्र नौशाद निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 6.शाकिब पुत्र नौसाद निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 7.जुनैद पुत्र तसलीम निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार है। आरोपियों को पकडने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 आनन्द मेहरा कोतवाली रूडकी का0 गोविन्द, कोतवाली रूडकी का0 रविन्द्र, कोतवाली रूडकी, का0 नरेश जोशी कोतवाली रूडकी शामिल रहे।

वक्फ को लेकर विपक्षी दल फैला रहे भ्रम

वक्फ में संशोधन मुस्लिम समाज के हित में: शालिनी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। समाजसेवी मुस्लिम विद्वान डॉ. शालिनी अली ने कहा कि देश आज जिस दौर से गुजर रहा है उसमें देश के बाहर ही नहीं देश के अंदर भी कुछ कट्टरपंथी लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे है। ओवैसी मुस्लिमों के हितैषी बनने का नाटक कर वक्फ पर भ्रम फैला रहे हैं। बत्ती गुल कर ओवैसी क्या बताना चाह रहे हैं।

वक्फ में 2013 में भी संशोधन हुआ, 2024 के संसोधन में लंबा समय लग गया। वक्फ जमीन किसी की जागीर नहीं, वह अल्लाह के नाम पर है, लैंड जेहाद को सरकार समाप्त करना चाह रही। भारत में तीसरे नंबर पर वक्फ के पास जमीन है। खाली पड़ी जमीन पर हम हास्पिटल, डिजिटल मदरसे, वक्फ की जमीन पर राजनिति हो रही है। जेबें भरी जा रही है, समय आ गया है जब मुसलमान खुद खडा हो। वक्फ बोर्ड के तहत शिक्षा दी जा सकती है। रोजगार दिया जा सकता है, वक्फ कमेटी में दो महिलाएं रह सकती है, पहले सरकारों ने महिलाओं को मौका नहीं दिया। वक्फ बोर्ड की बहुत सी ऐसी कमर्शियल प्रॉपर्टीज है, जो दूसरे धर्म के लोगों किराए पर दे रखी है, जिससे किराया आ रहा है। मुसलमानों में विपक्षी दल जमीन छीनने

की अफवाह फैला रहे है, शरीयत में एक बार में तीन बार तलाक का प्रावधान नहीं है।

अखिल भारतीय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष बने ठाकुर शेखर पुंडीर

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान ने देहरादून में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने अखिल भारतीय करणी सेना की मजबूती के लिए एवं समाज की आवाज को उठाने के लिए उत्तराखंड में संगठन का विस्तार किया गया।

जानकारी के अनुसार इस दौरान अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान ने उत्तराखंड का प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर शेखर पुंडीर को नियुक्त किया और उसी के साथ-साथ उपाध्यक्ष के पद पर शशि पुंडीर और प्रदेश मंत्री के तौर पर शुभम चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान हजारों की संख्या में करनी सैनिक वहां मौजूद थे और पदाधिकारी ने करणी सेना की मजबूती के लिए समाज की मजबूती के लिए विचार विमर्श किया गया। उत्तराखंड के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री का करणी सैनिकों ने स्वागत किया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भी समाज की आवाज उठाने के लिए अपने आप को हमेशा तत्पर बताया मंच से अध्यक्ष शेखर पुंडीर ने कहा जब-जब समाज को मेरी आवश्यकता पड़ेगी मैं समाज के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा।पदाधिकारियो ने संगठन और राष्ट्रीय

अध्यक्ष का आभार जताया। प्रदेश मंत्री शुभम चौहान ने समाज को एक सूत्र में बांधने का संकल्प लिया और समाज में जो कुछ कुरीतियों हैं उन कुरीतियों का समाप्त कर समाज को एक साथ लेकर चलने का संकल्प वहां से लिया गया।कार्यक्रम में भारी संख्या में करनी सैनिक मौजूद रहे। मंच पर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज सिंह चौहान उत्तराखंड के नए अध्यक्ष शेखर पुंडीर उपाध्यक्ष शशि पुंडीर प्रदेश मंत्री शुभम चौहान व असलम राणा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 3 मई 2025

प्रेस की आजादी पर संकट

दुनिया में प्रेस की आजादी को लेकर पेरिस स्थित इंटरनेशनल एनजीओ हर साल रिपोर्ट जारी करता है। रिपोर्ट विदाउट बार्डर्स (आरडब्ल्यूयूबी) 2025 में उसने दुनियाभर के 180 देशों के विषय में प्रेस की आजादी के बारे में बताया। प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत को 151वीं रैंक में रखा है। यह रैंक बताती है कि भारत में पिछले वर्ष की अपेक्षा भारत ने इसमें सुधार किया है। पिछले बार भारत की रैंकिग 159 थी। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका जैसे देश जो अपने आप को दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षक बनता है वहा भी प्रेस की आजादी में गिरावट की बात सामने आ रही है। इंडेक्स में अमेरिका को 57वें पायदान पर रखा है। जबकि पिछले वर्ष उसकी रैंकिंग 55 थी। रिपोर्ट कहती है कि यह गिरावट डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद हुई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि वह 42 देश जिनमें दुनिया की आधी आबादी रहती है वहां प्रेस की स्थिति बेहद गंभीर है और वहां प्रेस को लगभग न के बराबर आजादी है। रिपोर्ट में जहां नार्वे को पहले स्थान पर रखा है तो वही सबसे निचले स्थान पर इरीट्रिया देश है। इस तरह भारत की स्थिति भूटान, पाकिस्तान, चीन, रूस, सीरिया, फलस्तीन, अफगानिस्तान और उत्तर कोरिया से बेहतर है। निश्चित रूप से प्रेस की आजादी वर्तमान समय में काफी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक तो है ही बल्कि आर्थिक भी है। रिपोर्ट में इसी तरफ इशारा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर का मीडिया फंडिंग की कटौती से जूझ रहा है। सूचना के संसाधनों को गूगल, एप्पल, फेसबुक, एमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे कंपनियों के दबदबे की वजह से हो रहा है। क्योंकि जो पहले विज्ञापन मीडिया आउटलेट्स को मिलते थे अब वह इनके पास जा रहे है। रिपोर्ट बताती है कि भारत सहित कुछ देशों में मीडिया आउटलेट्स नेताओं और बिजनेसमैन से मिलने वाली सशर्त फंडिंग की वजह से अपना अस्तित्व बचाए हुए है कहने का मतलब साफ है कि मीडिया दिन-प्रतिदिन अपनी साख खो रहा है जिसके लिए वह कभी जाना जाता था और यह सब इस लिए हो रहा है क्योंकि इस पर अब राजनेताओं और पूंजीपतियों का दबाव बन चुका है। चीन, वयतनाम जैसे देशों में तो मीडिया सरकार के मुखपत्र का काम करता है। हाल ही में हम देख रहे है कि फलस्तीन में किस तरह मीडिया को निशाना बनाया जा रहा है अब तो 200 से अधिक पत्रकार वहां अपनी जान गंवा चुके है। इजरायल ने अपनी बमबारी से वहां तमाम मीडिया के ऑफिस बर्बाद कर दिए है। कोई भी देश अपनी मनमानी के चलते किसी भी विदेशी मीडिया को अपने यहां काम करने से रोक देता है। इस तरह हम कह सकते है कि आज के दौर में मीडिया अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है यह स्थिति ठीक नहीं है। सही सूचना आम लोगों तक पहुंचे इसकी व्यवस्था होना बेहद जरूरी है, लेकिन यह तभी संभव होगा। जब मीडिया को शक्ति प्रदान करने के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाए। जो कि आज दूर की कोड़ी की बात लगती है।

बुजुर्ग परिवार के भावनात्मक स्तंभ

बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए, माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है, आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं, बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं, जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं, तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं, प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है, वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है।

द्रौपदी मुर्मु
राष्ट्रपति

अंततः देश में जाति जनगणना: प्रतिनिधित्व या पुनरुत्थान

प्रियंका सौरभ

भारत में दशकों से केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती होती रही है, जबकि अन्य जातियाँ नीति निर्माण में अदृश्य रहीं। जाति जनगणना केवल गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की नींव है। बिना सटीक आंकड़ों के आरक्षण, योजनाएं और संसाधन वितरण अधूरे रहेंगे। विरोध करने वालों को डर है कि उनके विशेषाधिकार चुनौती में पड़ सकते हैं। लेकिन यह गिनती वंचितों की दृश्यता और भागीदारी सुनिश्चित करने का औज़ार है, न कि समाज को तोड़ने का। जब नीति जाति पर आधारित हो, तो डेटा भी होना चाहिए।

भारत को जातियों में बांटा गया, लेकिन उसे जोड़ने की कोशिश कभी पूरी ईमानदारी से नहीं हुई। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया, मगर समान अवसर की नींव जातिगत असमानता को पहच. ानने पर ही टिकती है। इसी बुनियाद पर जब आज जाति जनगणना की मांग ज़ोर पकड़ रही है, तो सवाल खड़ा होता है क्या यह सामाजिक न्याय का औज़ार है या समाज को और अधिक खांचों में बांटने की कवायद।

भारत में पिछली बार व्यापक जातिगत जनगणना 1931 में हुई थी। उसके बाद, आज़ादी के बाद के राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में एक आदर्श सामने रखा गया 'जातिविहीन समाज'। इस आदर्श का आकर्षण था, पर व्यवहार में यह एक तरह की चुप्पी थी। 1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की गिनती होती रही, बाकी जातियां 'अदृश्य' रहीं। लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों न हों। क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो।

बिहार की जाति आधारित सर्वेक्षण ने एक नई लहर पैदा की। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की पहल ने अन्य राज्यों को भी सोचने पर मजबूर किया। एक ओर जातिगत गणना को सामाजिक न्याय की बुनियाद बताया गया, तो दूसरी ओर कुछ वर्गों ने इसे सामाजिक विभाजन का उपकरण कहा। कई राजनी. तिक दल इस मांग को समर्थन दे रहे हैं, खासकर वे जिनकी राजनीति वंचित तबकों पर आधारित है। लेकिन केंद्र सरकार की भूमिका झिझकभरी रही है। केंद्र का कहना है कि यह बेहद जटिल प्रक्रिया है और इससे सामाजिक तनाव पैदा हो सकते हैं। जाति जनगणना के समर्थन में कई मजबूत तर्क दिए जा रहे हैं। अगर हम यह नहीं जानते कि कौन-सी जातियां किस आर्थिक व सामाजिक स्थिति में हैं, तो योजनाएं महज अंदाज़ों पर चलती रहेंगी। आरक्षण का पुनर्मूल्यांकन करना हो या सामाजिक योजनाओं का लक्ष्य तय करना हो, सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की जनसंख्या कई राज्यों में 40-50 प्रतिशत तक मानी जाती है, जबकि उन्हें 27 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। यदि सही आंकड़े हों तो नीति ज्यादा न्यायसंगत हो सकती है।

1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की गिनती होती रही, बाकी जातियां 'अदृश्य' रहीं, लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों ने हों, क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो

विरोध करने वालों की मुख्य दलील यह है कि जाति जनगणना समाज में जातीय पहचान को और मजबूत करेगी। इससे सामाजिक एकता को खतरा होगा और राजनीतिक दल केवल जाति कार्ड खेलकर वोट बटोरने लगेंगे। कुछ वर्गों को डर है कि अगर सही आंकड़े सामने आ गए, तो उनका 'निहित अधिकार' छिन सकता है ख्र जैसे सवर्ण वर्गों को लगता है कि ओबीसी या दलितों की संख्या के अनुपात में अगर आरक्षण बढ़ा, तो उनके लिए मौके और कम हो जाएंगे।

जब बिहार ने अपना जातिगत सर्वेक्षण कराया, तो केंद्र सरकार ने उससे दूरी बनाए रखी। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी मांग उठी, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन सकी। कई बार यह तर्क दिया गया कि यह विषय केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर ही किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में जाति आधारित जनगणना पर सीधे रोक नहीं लगाई, लेकिन कहा कि यह नीति का विषय है और सरकारें अपने विवेक से निर्णय लें।

वंचित समुदायों के लिए जाति जनगणना केवल गिनती नहीं है, यह उनकी दृश्यता का सवाल है। अगर समाज में कोई वर्ग आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा है, तो सबसे पहले यह जानना ज़रूरी है कि वह है कहां? कितना है? डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था 'यदि आपको सुधार करना है, तो पहले तथ्यों को जानिए।' जातिगत आंकड़े भी ऐसे ही तथ्य हैं। यह आंकड़े केवल आरक्षण तय करने के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वरोजगार जैसी नीतियों के लिए जरूरी हैं। आश्चर्य की बात है कि जाति जनगणना जैसे गहन विषय पर मुख्यधारा मीडिया में गंभीर बहस कम होती है। जो बौद्धिक वर्ग खुद को प्रगतिशील मानता है, वह या तो इसे 'रिग्रेसिव' बताकर खारिज कर देता है या चुप रहता है। दरअसल, समस्या यह नहीं कि जाति की गिनती हो रही है। समस्या यह है कि जिन्हें अपने 'विशेषाधिकार' की चिंता है, वे इस गिनती से असहज हैं। अब सबसे बड़ा सवाल मान लीजिए कि जाति जनगणना होती है और सभी जातियों के आंकड़े सामने आते हैं। तब क्या होगा? क्या सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण नीति में बदलाव करेंगी? क्या यह संभव होगा कि किसी जाति की संख्या ज्यादा निकलने पर उन्हें ज्यादा हिस्सेदारी दी जाए? या फिर आंकड़ों को दबा दिया जाएगा, जैसा 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) के साथ हुआ? 2011 में हुई एसईसीसी के आंकड़े आज भी सार्वजनिक रूप से अधूरे हैं। सरकारें आती गईं, लेकिन किसी ने इसे पूरी पारदर्शिता से नहीं जारी किया। जाति एक सामाजिक सच्चाई है, जिसे नज़रअंदाज़ करना संभव नहीं। जो सत्ताएं जातिविहीन समाज की बात करती हैं, वे चुनावी टिकट देने, मंत्रिमंडल गठन, और अफसरों की नियुक्ति में जाति ही देखती हैं तो फिर आंकड़ों से डर क्यों? जाति जनगणना न सामाजिक टूटन लाएगी, न समाज की बुनियाद को कमजोर करेगी बशर्ते इसका उपयोग न्यायपूर्ण नीति निर्माण के लिए हो। डर उन्हें है जिनके पास पहले से ही ज्यादा है। जो वंचित हैं, वे तो सिर्फ अपनी मौजूदगी की पुष्टि चाहते हैं। आखि़र यह देश सभी जातियों का है तो सभी की गिनती क्यों नहीं?

एक पादप मॉडल का अनदेखा पहलू...

सरसों परिवार (ब्रेसिकेसी) का एक छोटा सा पौधा है थेल क्रेस (**Arabidopsis thaliana**)। 20-25 से.मी. लंबे इस पौधे में अधिकतर पत्तियां ज़मीन से सटकर, फूलनुमा आकृति बनाते हुए लगती हैं और बहुत थोड़ी पत्तियां ऊपर तने पर भी लगती हैं। इसके फूल सफेद रंग के होते हैं। यह पौधा मूलतः युरेशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में यह हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है। यह खाली पड़े मैदान, सड़क किनारे, रेललाइन किनारे, खेतों में, कहीं भी उगता देखा जा सकता है, इसलिए इसे खरपतवार की तरह देखा जाता है, हालांकि कुछ जगहों पर इसे खाया भी जाता है।

स्रोत फीचर्स

थेल क्रेस पौधे की कुछ खास बातें हैं। एक तो इसका जीवन चक्र छोटा होता है, अंकुरण से लेकर वापस बीज बनने तक का इसका चक्र 6 हफ्तों में पूरा हो सकता है, यह खरपतवार की तरह आसानी से फल-फूल जाता है, इसका पौधा साइज़ में छोटा तो होता ही है, साथ ही इसका जीनोम भी सरल होता है। अपनी इन सभी खूबियों के कारण 1900 के दशक से ही पादप विज्ञान में थेल क्रेस पर अध्ययन किए जाने लगे थे। फूलदार पौधों की जेनेटिक, आणविक कार्यप्रणाली को समझने में थेल क्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे पहला संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण भी इसी पौधे का किया गया था। और तो और, पादप विज्ञान का यह मॉडल पौधा 2019 में चांग ई-4 लैंडर के साथ चांद की भी सैर कर चुका है। और अब, इस पौधे के एक अनछुए पहलू का अध्ययन कर पादप विज्ञानी रियुशिरो कासाहारा और उनके दल ने इसकी एक ओर खासियत उजागर की है जो खेती के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। पता चला है कि (कम से कम) यह पौधा बड़ी चतुराई से अपने सिर्फ उन्हीं बीजांडों तक पोषण पहुंचने देता है जो निषेचित हो चुके होते हैं। और, अपने गैर-निषेचित बीजांड तक पोषण पहुंचने से रोकता है, जिससे पोषण का सदुपयोग होता है और बीज बड़ा बनता है। और, बड़ा बीज यानी पैदावार में वृद्धि, लेकिन अन्य फसलों में बीज कैसे बड़ा किया जाए? इस पर बात करने के पहले थोड़ा इस पर बात कर लेते हैं कि शोधकर्ताओं को यह बात पता कैसे चली। दरअसल, कासाहारा यह समझना चाह रहे थे कि पौधे बीज कैसे बनाते हैं? इसके लिए कासाहारा ने थेल क्रेस को अध्ययन के लिए चुना और अपना सारा ध्यान इसके फूल के उस स्थान पर केंद्रित किया जहां कई सारी नलिकाओं (फ्लोएम) के माध्यम से पोषक तत्व पहुंचकर विकासशील भ्रूण को पोषण देते हैं।

नीले रंजक का इस्तेमाल कर उन्होंने इस हिस्से में कैलोस का असर देखा। गौरतलब है कि कैलोस पौधों में अस्थायी कोशिका भित्ति बनाकर पौधों के लिए कई काम करता है और पौधों को सुरक्षा प्रदान करता है, जैसे यह पौधों के घावों को भरने में मदद करता है। पता चला कि फ्लोएम के अंतिम छोर पर बीजांड के पास की कोशिकाओं में कैलोस बन रहा था। कैलोस ने फ्लोएम के सिरे के चारों ओर एक तश्तरी जैसा अवरोध (भित्ति) बना दिया था। फिर, अधिकांश निषेचित बीजांडों से वह अवरोध गायब हो गया था, और वहां मात्र एक छल्ला रह गया था जल्द ही वह छल्ला भी लुप्त हो गया था। लेकिन जो बीजांड निषेचित नहीं हुए थे उनमें अवरोध जस-का-तस बना रहा। इससे समझ आया कि कैलोसयुक्त कोशिकाएं एक दीवार का काम करती हैं, जो फ्लोएम के पोषक तत्वों को गैर-निषेचित बीजांडों में जाने से रोकती हैं। इस तरह पौधा गैर-निषेचित बीजांड में अतिरिक्त पोषण ज़ाया करने से बच जाता है। अब सवाल था कि वह क्या शय है जो निषेचित बीजांड से कैलोस-अवरोध हटा देती है। शोधकर्ताओं की यह

तलाश एक ऐसे एंज़ाइम, **AtBG&ppap**, पर जाकर खत्म हुई जो कैलोस को विघटित करने (या हटाने) की क्षमता रखता है। और इसी एंज़ाइम को बनाने वाले जीन को अधिक सक्रिय कर कुछ फसलों की पैदावार बढ़ाई जा सकती है।

इस बात का खुलासा भी थेल क्रेस पर किए गए अध्ययन से हुआ। शोधकर्ताओं ने जब इस पौधे में **AtBG&ppap** एंज़ाइम को बनाने वाले जीन को शांत किया तो पाया कि पौधे में सभी बीजांड (निषेचित और गैर-निषेचित) पर कैलोस भित्ति काफी हद तक वैसी की वैसी बनी रही थी। इसके कारण इस जीन के प्रभाव से मुक्त पौधों के बीज सामान्य पौधों के बीज के साइज़ की तुलना में 8 प्रतिशत छोटे बने थे। लेकिन जब टीम ने इन पौधों में **AtBG&ppap** एंज़ाइम के जीन को अति सक्रिय किया तो पाया कि ऐसा करने पर बीज सामान्य पौधों के बीजों की तुलना में 17 प्रतिशत बड़े विकसित हुए। संभवतः इसलिए कि निषेचित बीजांड की कैलोस-भित्ति आसानी से टूट गई होगी और अधिक पोषक तत्व निषेचित बीजांड तक पहुंचे होंगे। ऐसा ही उन्होंने धान के पौधों पर भी करके देखा तो उन्हें ऐसे ही नतीजे मिले-**AtBG&ppap** एंज़ाइम के जीन को अधिक व्यक्त करवाने पर चावल के दाने की साइज़ 9 प्रतिशत बढ़ गई थी। लेकिन चावल के बड़े दाने होने से शायद इसके स्वाद पर फर्क पड़े, हालांकि स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने जैसी बात तो अध्ययन में सामने नहीं आई है। लेकिन बड़े बीज वाली फसलें सोयाबीन, मक्का और गेहूं जैसी फसलों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

भारत में यह हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है, यह खाली पड़े मैदान, सड़क किनारे रेललाइन किनारे, खेतों में कहीं भी उगता देखा जा सकता है, इसलिए इसे खरपतवार की तरह देखा जा सकता है हालांकि कुछ जगहों पर इसे खाया भी जाता है, थेल क्रेस पौधे की कुछ खास बातें है, एक तो इसका जीवन चक्र छोटा होता है, अंकुरण से लेकर वापस बीज बनने तक का इसका चक्र 6 हफ्तों में पूरा हो सकता है

केवल अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है पत्रकारिता की स्वतंत्रता

कलम की आजादी पर कसता शिकंजा

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन विड़म्बना है कि विगत कुछ वर्षों से यहां भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में लगातार कमी देखी जा रही है। इसीलिए प्रतिवर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है।

पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विड़म्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है। पेरिस स्थित 'रिपोर्टर्स सैन्स फंटियर्स' (आरएसएफ) अथवा 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' नामक संस्था द्वारा हर साल अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, वे सदैव चौंकाने वाले होते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि कुछ देश इस रिपोर्ट में जारी किए जाने वाले आंकड़ों को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताकर खारिज भी करते रहे हैं। 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वभर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स' अर्थात् 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक' नामक रिपोर्ट पेश करता है। 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019' में उसने भारत सहित विभिन्न देशों में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करते हुए स्पष्ट किया था कि किस प्रकार विश्वभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे दुनियाभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 के मुताबिक भारत 180 देशों में से 159वें स्थान पर है जबकि 2023 में भारत 180 देशों में से 161वें स्थान पर और 2022 में 150वें पायदान पर खड़ा था। यह रिपोर्ट प्रेस स्वतंत्रता के लिए भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट का संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकारों के साथ व्यवहार के लिए 'संतोषजनक' माने जाने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ऐसी संख्या भी कम नहीं है, जहां स्थिति 'बहुत गंभीर' है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स द्वारा जारी दुनियाभर के देशों की प्रेस फ्रीडम रैंकिंग में भारत जहां जहां 2024 में 2023 के मुकाबले दो पायदान ऊपर चढ़ा, वहीं 2023 में 2022 के मुकाबले 11 पायदान नीचे गिरा था और 2022 में भी 2021 की रैंकिंग के मुकाबले 8 स्थान नीचे फिसला था। 2021 की रैंकिंग में भारत का स्थान 142वां था। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 की सूची में शीर्ष 10 देशों में नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, नीदरलैंड, फिनलैंड, एस्तोनिया, पुर्तगाल, आयरलैंड, स्विट्जरलैंड तथा जर्मनी शामिल हैं। भारत के लोकतंत्र को तो दुनिया का सबसे सफल और बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहीं अगर नार्वे जैसा छोटा सा देश प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर विराजमान है तो यह स्थिति भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सही स्थिति नहीं है। ऐसे में हमें गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि हम इस मामले में वर्ष दर वर्ष क्यों फिसल रहे हैं? प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में यह गिरावट स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आने का सीधा और स्पष्ट संकेत यही है कि लोकतंत्र की मूल भावना में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार निहित है, उसमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। समाज में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसीलिए इसे लोकतंत्र का चौथा मजबूत स्तंभ माना गया है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार खासकर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा बगैर किसी जानकारी को जांचे-परखे केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए झूठ का बवंडर तैयार किया जाता है, उसे देखकर कई बार तो ऐसा प्रतीत होता है मानो टीवी चैनल पर समाचार या कोई न्यूज कार्यक्रम नहीं बल्कि कोई मसालेदार राजनीतिक फिल्म चल रही हो। इसका सबसे बड़ा नुकसान यही हो रहा है कि लोगों का विश्वास मीडिया पर निरंतर कम हो रहा है और लोगों का आकर्षण सोशल मीडिया की ओर बढ़ रहा है, जहां पहले से ही फेक न्यूज बहुत बड़ी समस्या मौजूद है तथा एआई इस समस्या को और ज्यादा बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रही है।

भारतीय संविधान में प्रेस को अलग से स्वतंत्रता प्रदान नहीं की गई है बल्कि उसकी स्वतंत्रता भी नागरिकों की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता में ही निहित है और देश की एकता तथा अखण्डता खतरे में पड़ने की स्थिति में इस स्वतंत्रता को बाधित भी किया जा सकता है किन्तु ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होने पर भी देश में पत्रकारिता का चुनौतीपूर्ण बनते जाना लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं है बल्कि यह स्पष्ट रूप से कुछ शक्तियों द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के चौथे स्तंभ को ध्वस्त करने का ही प्रयास माना जाता है। कल्पना की जा सकती है कि प्रेस की स्वतंत्रता अगर इसी प्रकार सवालों के घेरे में रही तो पत्रकार कैसे पारदर्शिता के साथ अपने कार्य को अंजाम देते रहेंगे? प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने के प्रयासों के चलते कैसे सच को उजागर कर उसे निष्पक्ष तरीके से जनता तक पहुंचाया जाना संभव होगा? देश में प्रेस की स्वतंत्रता बरकरार रहे, इसके लिए किसी मीडिया संस्थान से जुड़े पत्रकार हों या स्वतंत्र पत्रकार, उनकी सुरक्षा को लेकर कड़े कानून बनाए जाने की सख्त दरकार है ताकि बगैर किसी दबाव या भय के पत्रकार अपना कर्त्तव्य बखूबी निभाते रहें।

गर्मियों में रूटीन में ऐसे शामिल करें चमेली का तेल

ताजगी से भरपूर होगी आपकी सुबह

गर्मियों की सुबह चिपचिपी और उमस भरी होती है। सुबह उठने के बाद ताजगी नहीं महसूस होती है। ऐसे में अगर आप भी सुबह के समय ताजगी महसूस नहीं करते हैं, तो एक खास तेल आपकी मदद कर सकता है। जो आपकी सुबह शांति और ताजगी से भरपूर बन सकती है। चमेली के तेल को प्रकृति का खजाना कहा जाता है। इस एसेंशियल ऑयल में वह शक्ति छिपी है, जो आपकी इंद्रियों को जगाता है और आपके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चमेली के तेल को अपनी रूटीन में कैसे शामिल कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं रूटीन का हिस्सा

अगर आप अपने दिन की शुरुआत को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो आपको नहाने के पानी में चमेली के तेल की कुछ बूंदे डालनी चाहिए। इसकी भीनी-भीनी खुशबू आपके मन को शांत करने के साथ आपको तरोताजा महसूस कराएगा। इससे आपका मूड पूरा दिन पॉजिटिव बना रहेगा।

सप्ताह में एक बार बॉडी स्क्रब का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप थोड़ी सी चीना, नमक और ग्लिसरीन ले लें। फिर इसमें नींबू का रस मिलाएं और इसमें 2-3 बूंद चमेली के एसेंशियल ऑयल डालें। फिर इसे शरीर पर लगाकर 5-8 मिनट तक स्क्रब करें, जिससे डेड स्किन निकल जाएंगे और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाएगा। इससे भी पॉजिटिव संचार होता है। आप चाहें तो अपने मॉइस्चराइजर में 2-3 बूंद चमेली का तेल और 1 बूंद पेचौली मिलाकर लगा सकते हैं। यह आपके मूड और स्किन दोनों को तरोताजा करेगा और यह त्वचा को जबरदस्त चमक देगा।

चमेली एसेंशियल ऑयल वाली मोमबत्ती जलाकर आप अपने आसपास खुशनुमा माहौल बना सकते हैं और यह आपके मूड को बेहतर बना सकता है। कई बार जब हम सुबह सोकर उठते हैं, तो अजीब सी निराशा होती है। ऐसे में जब भी आप लो फील करने लगें, तो हथेली पर एक बूंद तेल लेकर इसको रब करें और सूंघें।

बिलावल ने कबूला कड़वा सच

पाकिस्तान का इतिहास है आतंकवाद को पालना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने आतंकवाद को पालने की बात कबूली है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बिलावल ने माना कि पाकिस्तान ने पश्चिमी देशों के साथ मिलकर आतंकी संगठनों को बढ़ावा दिया है। बिलावल ने कहा कि यह पाकिस्तान का एक इतिहास और यह किसी से छुपा नहीं है। इसकी वजह से पाकिस्तान को भी नुकसान उठाना पड़ा है और इस समस्या से निपटने के लिए हमने सुधार किए हैं। बिलावल का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद आया है। बिलावल से पहले आसिफ भी आतंकवाद को बढ़ावा देने की बात कबूल चुके हैं। पाकिस्तान के रक्षामंत्री पिछले हफ्ते एक बयान में कहा था कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कही थीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गति. विधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा था कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया है। उन्होंने माना कि अगर हम, सोवियत यूनियन के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होते और 9/11 के हमलों के बाद जो हालात बने, वो न बनते तो पाकिस्तान का रिकार्ड बेदाग होता। ख्वाजा आसिफ ने यह भी माना था कि आतंकियों का समर्थन करना या ट्रेनिंग देना बड़ी गलती थी। हम इसकी सजा भुगत रहे हैं। बिलावल ने गुरुवार को एक बार फिर सिंधु में खून बहाने की धमकी दी। एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि हम जंग नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर उन्होंने सिंधु पर हमला किया तो इससे पानी बहेगा या खून बहेगा। बिलावल ने इससे पहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को एक रैली में कहा था कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या उनका खून। दरअसल भारत ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। पाकिस्तान ने भारत के इस कदम को एकतरफा बताते हुए फैसले का विरोध किया है। पहलगाम हमले को लेकर भारत की तरफ से पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता खत्म करने के बाद पाकिस्तानी मंत्री और अधिकारी लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। शहबाज शरीफ ने शनिवार 26 अप्रैल को पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में एक परेड को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि पहलगाम हमले का आरोप लगाकर पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। पहले भी पाकिस्तान पर ऐसे हमले के आरोप लगाए जाते रहे हैं। इसे पूरी तरह से बंद किया जाना जाहिए। एक जिम्मेदार देश के तौर पर पाकिस्तान किसी भी तटस्थ और पारदर्शी जांच में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। शरीफ ने कहा कि भारत दुनिया को गुमराह कर रहा है। बिना किसी विश्वसनीय जांच और सबूत के पाकिस्तान पर झूठा आरोप लगाकर देश को बदनाम कर रहा है।

ट्रम्प ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत नामित किया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरवार को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अगला अमेरिकी राजदूत नामित किया।

ट्रम्प ने कल सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अंतरिम अवधि में, विदेश मंत्री मार्को रुबियो विदेश विभाग में अपना मजबूत नेतृत्व जारी रखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी काम करेंगे। पहले की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वाल्ट्ज और उनके डिप्टी एलेक्स वोंग दोनों के व्हाइट हाउस में गुरुवार को अपने वर्तमान पद से इस्तीफा देने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में वाल्ट्ज के नामांकन के लिए सीनेट की पुष्टि की आवश्यकता है। ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में रिपब्लिकन एलिस स्टेफनिक के अपने नामांकन को 27 मार्च को वापस ले लिया।

अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का आया भूकंप, सूनामी की भी चेतावनी जारी

लोगों को ऊंची जगहों पर जाने की सलाह दी

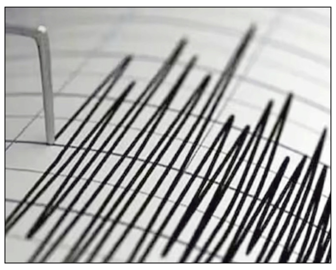

ब्यूनस आयर्स। साउथ अमेरिकी देश अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूंकप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे आया है। भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिणी राज्य उशुआइया से 222 किमी दूर समुद्र में ड्रेक पैसेज में था, जिसकी गहराई 10 किमी थी। बता दें कि ड्रेक पैसेज दक्षिण अमेरिका के केप हार्न, चिली, अर्जेंटीना और अंटार्कटिका के दक्षिण शेटलैंड द्वीपों के बीच का समुद्री इलाका है। प्रशासन ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा है। प्रभावित इलाकों में सुनामी की चेतावनी वाले सायरन बजना शुरू हो गए हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। एक दिन पहले भी अर्जेंटीना में 5.8 तीव्रता का भूंकप आया था। अर्जेंटीना के पड़ोसी देश चिली के तटीय इलाकों भी को अलर्ट पर रखा गया है। चेतावनी में कहा गया है कि लहरें चिली के प्यूर्टो विलियम्स तक पहुंच सकती हैं। चिली की नेशनल डिजास्टर सर्विस ने पूरे दक्षिणी तट को खाली कराने के लिए कहा है। इसके लिए लोकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि भूकंप से निपटने के लिए देश के पास सभी संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम लोगों से अपील करते हैं कि वो मैगलन इलाके में समुद्र तट से दूर चले जाएं। इस समय हमें अधिकारियों के निर्देशों को पूरी तरह फालो करना है। अमेरिका का सुनामी वार्निंग सिस्टम अगले एक घंटे में फिर से चेतावनी जारी करेगा।

दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट हमला

यरूशलेम। इजरायल ने सीरिया में ड्रूज समुदाय के लिए किसी खतरे को रोकने के लिए दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट लक्ष्य पर हमला किया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जानकारी दी है। वाई-नेट ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, यह सीरियाई शासन के लिए एक स्पष्ट संकेत है।

हम दमिश्क के दक्षिण में सेना की तैनाती और ड्रूज समुदाय के लिए किसी भी तरह के खतरे की अनुमति नही देंगे। सीरिया के गृह मंत्रालय ने बाद में बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात से लेकर आज तक दमिश्क के निकट सीरियाई शहर साहनाया में सशस्त्र समूहों और ड्रूज आत्मरक्षा सेनानियों के बीच झड़पें हुई, जहां मुख्य रूप से ड्रूज आबादी रहती है। ड्रूज अरबों का एक जातीय-धार्मिक समूह है जो लेबनान, सीरिया, इजरायल और जॉर्डन में रहता है। दिसंबर 2024 में दमिश्क में सत्ता परिवर्तन के बाद इजरायल ने बार-बार सीरियाई ड्रूज की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

महामारी प्रवण वायरसः वैक्सीन प्लेटफॉर्म लॉन्च

लॉस एंजिल्स। अमेरिका ने महामारी प्रवण वायरस के लिए अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफार्म लांच किया है। अमरीकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ ने गुरुवार को जेनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड के लॉन्च की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महामारी-प्रवण वायरस से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफ़ॉर्म है। एनआईएच के अनुसार यह प्लेटफ़ॉर्म बीटा- प्रोपियो लैक्टोन -निष्क्रिय, संपूर्ण-वायरस दृष्टिकोण पर आधारित है जो पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का एक आधुनिक रूप है। एनआईएच ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह पहल पारदर्शिता, प्रभावशीलता और व्यापक तैयारी की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है जो एनआईएच के सार्वभौमिक इन्फ्लूएंजा और कोरोनावायरस टीकों के इन-हाउस विकास को वित्तपोषित करती है जिसमें बीपीएल-1357 और बीपीएल-24910 शामिल हैं। इन टीकों का उद्देश्य महामारी-प्रवण वायरस जैसे एच 5 एन 1 एवियन इन्फ्लूएंजा सहित कोरोनावायरस के कई प्रकारों के खिलाफ व्यापक-स्पेक्ट्रम सुरक्षा प्रदान करना है। एनआईएच के निदेशक डा. जय भट्टाचार्य ने कहा, जनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड एक आदर्श बदलाव है। यह स्ट्रेन-विशिष्ट सीमाओं से परे वैक्सीन सुरक्षा का विस्तार करता है और फ्लू वायरल खतरों के लिए तैयार करता है न केवल आज बल्कि कल भी 21वीं सदी में लाई गई पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का उपयोग करके।

अमेरिका के साथ ईरान की फिर अनबन

तेहरान। ईरान ने कहा है कि इटली के रोम में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का चौथा दौर मध्यस्थ ओमान के प्रस्ताव पर स्थगित कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बाघई ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नई तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। उन्होंने देश के 'वैध और कानूनी हितों की रक्षा करने और ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों तथा आर्थिक दबाव को समाप्त करने के लिए कूटनीति का उपयोग करने के ईरान के दृढ़ संकल्प की पुष्टि की।

प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल सद्भावना के साथ वार्ता में प्रवेश करने के बाद से परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण तरीके से उपयोग करने और अवैध प्रतिबंधों को समाप्त करने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत देश की सैद्धांतिक स्थिति के आधार पर विशिष्ट रूपरेखाओं पर चर्चा कर रहा है, जो एक न्यायसंगत, तर्कसंगत और टिकाऊ समझौते को प्राप्त करने के उद्देश्य से परिणाम-उन्मुख वार्ता के प्रति अपनी गंभीरता को प्रदर्शित करता है। इससे पहले दिन में, ओमानी विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि शनिवार को होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता का चौथा दौर लॉजिस्टिक कारणों से स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, पारस्पर तौर पर सहमत होने पर नई तारीखों की घोषणा की जाएगी।

गाजा को अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आग्रह

गाजा। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाद्य की गंभीर संकट को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र से गाजा को अकाल क्षेत्र घोषित करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के महानिदेशक मुनीर अल-बुरश ने गुरुवार को कहा कहा कि गाजा में 91 प्रतिशत गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं, जबकि 65 प्रतिशत लोगों को स्वच्छ पेयजल की पहुंच नही है। 92 प्रतिशत बच्चे व स्तनपान कराने वाली माताएं गंभीर खाद्य संकट से पीड़ति हैं, जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है। वर्तमान स्थिति संयुक्त राष्ट्र को गाजा पट्टी को अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देने की अनुमति देती है। अल-बरश ने कल अनादोलु समाचार एजेंसी से कहा कि गाजा के लगभग 91 प्रतिशत निवासी गंभीर खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे हैं अन्य 65 प्रतिशत के पास स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नही है। लगभग 92 प्रतिशत बच्चे और स्तनपान कराने वाली माताएं खाद्यान्न की कमी से बुरी तरह पीड़ति हैं जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से गाजा पट्टी को आधिकारिक रूप से अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देने का आग्रह किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कल चिकित्सा और मानवीय संगठनों के साथ-साथ दुनिया भर के कार्यकर्ताओं से युद्ध क्षेत्र में फिलिस्तीनी बच्चों का समर्थन करने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाला अभियान चलाने का आह्वान किया। मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से गाजा में आपातकालीन चिकित्सा दल, प्राथमिक चिकित्सा आदि की खेप भेजने और सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों पर एन्क्लेव की नाकाबंदी समाप्त करने के लिए दबाव डालने का भी आग्रह किया।

हार्वर्ड यूनिः टैक्स फ्री दर्जा खत्म करेंगेः ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री संस्थान का दर्जा खत्म करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वे इसी के हकदार हैं। इससे पहले हार्वर्ड की 2.2 अरब डालर फंडिंग पर रोक लगा चुके हैं। दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने यूनिवर्सिटी से यह मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए। यूनिवर्सिटी ने इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में केस भी किया है।

यूनिवर्सिटी का आरोप है कि ट्रम्प सरकार राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड ने इसे यूनिवर्सिटी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन का आरोप लगाया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डालर के फंड की समीक्षा कर रहा था। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट प्रथम संशोधन का उल्लंघन करता है।

विदेश मंत्रालय ने नेपाली छात्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित कलिग इंस्टीट्यूट आफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एक नेपाली छात्रा के आकस्मिक निधन पर शोक एवं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा कि हम केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के एक नेपाली छात्रा के दुखद निधन से बहुत दुखी हैं। हम इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। इस दुखद घटना के बारे में पता चलने के बाद विदेश मंत्रालय ओडिशा राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। ओडिशा राज्य सरकार छात्रा के परिवार को पूरा सहयोग दे रही है। वर्तमान में ओडिशा पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण को बहुत गंभीरता से लेती है।

नासाः स्फीयरएक्स का विज्ञान संचालन शुरू

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अंतरिक्ष वेधशाला स्फीयरएक्स ने आधिकारिक तौर पर विज्ञान संचालन शुरू कर दिया है जो ब्रह्मांड की उत्पत्ति, आकाशगंगाओं के विकास और आकाशगंगा में जीवन के निर्माण खंडों में नई अंतर्दृष्टि को उजागर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नासा ने गुरुवार को यह घोषणा की। नासा ने बताया कि स्फीयरएक्स अगले दो वर्षों में प्रतिदिन लगभग 3,600 चित्र लेगा एवं पूरे आकाश का व्यवस्थित रूप से सर्वेक्षण करेगा। नासा के अनुसार 11 मार्च को लॉन्च किए गए स्फीयरएक्स ने पिछले छह सप्ताह जांच, अंशांकन और अन्य गतिविधियों से गुजरते हुए बिताए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब विज्ञान संचालन शुरू होने के साथ वेधशाला तीन आयामों में करोड़ों आकाशगंगाओं की स्थिति का चार्ट बनाएगी। इसका लक्ष्य ब्रह्मांड विज्ञान में कुछ सबसे गहन प्रश्नों को संबोधित करना है, जैसे कि ब्रह्मांड कैसे शुरू हुआ और इसकी बड़े पैमाने की संरचना कैसे विकसित हुई। वाशिंगटन में नासा मुख्यालय में खगोल भौतिकी प्रभाग के कार्यवाहक निदेशक शॉन डोमागल-गोल्डमैन ने कहा यह नई वेधशाला अंतरिक्ष आधारित खगोल भौतिकी सर्वेक्षण मिशनों के समूह में शामिल हो रही है जो नासा के नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप के प्रक्षेपण की ओर अग्रसर है। इन अन्य मिशनों के साथ वेधशाला ब्रह्मांड के बारे में उन बड़े सवालों के जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस साल भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता करेंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविक ने वैश्विक व्यापार चुनौतियों के समाधान के लिए एक दूरदर्शी और ठोस वार्ता की और 2025 के अंत तक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एफटीए संपन्न करने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। बातचीत में दोनों नेताओं ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन द्वारा फरवरी 2025 में यूरोपीय संघ के आयुक्तों के कॉलेज की नई दिल्ली की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान दोनों पक्षियों के संबंधों को दी गई रणनीतिक दिशा पर आधारित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गोयल की यूरोप की यात्रा के निष्कर्ष पर शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि उच्च स्तरीय सहभागिता इस बात को रेखांकित करती है कि दोनों साझेदार एक व्यावसायिक रूप से सार्थक, पारस्परिक रूप से लाभकारी, संतुलित और निष्पक्ष व्यापार साझेदारी बनाने के लिए रणनीतिक महत्व रखते हैं जो आर्थिक सशक्त और समावेशी विकास का समर्थन करती है। गोयल की यूरोपीय संघ के साथ इस बातचीत में एफटीए वार्ता के विभिन्न पहलुओं पर हुई प्रगति पर प्रकाश डाला गया और मासिक बैठकों और निरंतर आभासी सहभागिता के माध्यम से चल रही गति को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी सम्मान और व्यावहारिकता की भावना से लंबित मुद्दों को हल करने के अपने उद्देश्य को दोहराया, जिसमें 12-16 मई 2025 को नई दिल्ली में होने वाला अगला दौर भी शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए प्रशुल्क कटौती चर्चाओं के साथ-साथ गैर- प्रशुल्कीय बाधाओं पर भी समान ध्यान देने की आवश्यकता है और नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। भारत-यूरोपीय संघ एफटीए डिजिटल संक्रमण का समर्थन करके, विविध और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देकर वैश्विक वाणिज्य की उभरती वास्तविकताओं को प्रतिबिबित करने की आकांक्षा रखता है। विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि एक बार समझौता हो जाने पर, यह व्यापक भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के एक परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में काम करेगा, बाजार में प्रवेश की सुगमता को बढ़ाएगा, नियामक सहयोग का समर्थन करेगा और दोनों पक्षों में नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा।

भारत के निर्यात में 6.01% की वृद्धि

824.9 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूआः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2025 के लिए सेवा व्यापार पर जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित) 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024.25 में 824.9 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है। रिजर्व बैंक के आंकडों के अनुसार सेवा निर्यात ने विकास की गति को आगे बढ़ाया, जो 2024.25 में 387.5 अरब डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 341.1 अरब डॉलर से 13.6 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 में, सेवा निर्यात 35.6 अरब डॉलर रहा, जो मार्च 2024 में 30.0 अरब डॉलर की तुलना में 18.6 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष सकल निर्यात 778.1 अरब डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा देश के व्यापार की प्रगति की राह में एक नया मील का पत्थर स्थापित करता है। वर्ष 2024-25 में, पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर व्यापारिक निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 374.1 अरब डॉलर हो गया, जो 2023.24 में 352.9 अरब डॉलर से 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है।

गिफ्ट निफ्टी ने अप्रैल 2025 में रचा नया कीर्तिमान

मुंबई। गिफ्ट निफ्टी ने अप्रैल 2025 में 100-93 अरब डॉलर का अब तक का सबसे उच्च मासिक कारोबार हासिल करके एक नया कीर्तिमान बनाया है। यह उल्लेखनीय यह कीर्तिमान सितंबर 2024 में 100.7 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई है। यह भारत की विकास कहानी के लिए एक बेंचमार्क के रूप में गिफ्ट निफ्टी में बढ़ती वैश्विक रुचि और विश्वास को दर्शाता है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमें गिफ्ट निफ्टी की सफलता को देखकर खुशी हुई है।